हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • बुधवार • 26.02.2025 • वर्ष : 15 • अंक : 215 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

भारत को 2027 तक विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाएंगे : अमित शाह

भोपाल : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की 130 करोड़ जनता के सामने 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा है। 2027 तक दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य भी रखा है। मध्य प्रदेश की ये समिट दोनों लक्ष्यों को साकार करने में सहायक होगी। कोई एक सरकार देश का विकास नहीं कर सकती। टीम इंडिया में राज्य सरकार और भारत सरकार मिलकर काम करे। केंद्रीय गृह मंत्री शाह मंगलवार को भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि समिट में लोकल और ग्लोबल इन्वेस्टमेंट के कई डायमेंशन अचीव किए गए हैं। देश में मध्य प्रदेश निवेश के लिए एक बड़ा आकर्षण केंद्र बना है। बिजली, पानी, सड़क को लेकर जो मध्य प्रदेश बीमारू राज्य माना जाता था, उसे भाजपा सरकार ने 20 साल में बदल कर रख दिया है। अब यहां विकास के बड़े काम हुए हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि जिस तरह की कार्ययोजना सरकार ने बनाई है, इसमें से अधिकतर एमओयू जमीन पर उतरेंगे।

आप के 21 विधायक निलंबित

नई दिल्ली : दिल्ली विधानसभा में मंगलवार को उपराज्यपाल वी के सक्सेना के अभिभाषण को बाधित करने के आरोप में विपक्ष की नेता आतिशी समेत आम आदमी पार्टी (आप) के 21 विधायकों को तीन दिन के लिए निलंबित कर दिया गया। उनके निलंबन का प्रस्ताव दिल्ली लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश वर्मा द्वारा पेश किया गया और सदन में ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। निलंबित विधायकों को 27 और 28 फरवरी को विधानसभा की कार्यवाही में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। मंगलवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही आतिशी ने आप के अन्य विधायकों के साथ मुख्यमंत्री कार्यालय से बी आर आंबेडकर की तस्वीर कथित तौर पर हटाए जाने का विरोध किया। आम आदमी पार्टी विधायकों ने भाजपा नीत सरकार पर आंबेडकर का अनादर करने का आरोप लगाया और उसके खिलाफ नारे लगाए।

बांग्लादेश के सूचना सलाहकार नाहिद का कैबिनेट से इस्तीफा

ढाका : बांग्लादेश के सूचना सलाहकार नाहिद इस्लाम ने कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया। जुलाई विद्रोह के प्रमुख नेता नाहिद इस्लाम ने अंतरिम सरकार से अलग होने के अपने फैसले की आज दोपहर पुष्टि की। द डेली स्टार न्यूज पेपर के अनुसार, अवामी लीग शासन को उखाड़ फेंकने वाले जुलाई विद्रोह के प्रमुख नेता नाहिद के पास सूचना-प्रसारण, डाक, दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय था। नाहिद 28 फरवरी को ढाका के माणिक मिया एवेन्यू में रैली कर अपनी राजनीतिक पार्टी की घोषणा कर सकते हैं। अन्य सूचना संचार माध्यमों में कहा गया है कि नाहिद इस्लाम के नेतृत्व में युवाओं ने 2024 में सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ छात्र आंदोलन की शुरूआत की। यह आंदोलन देखते-देखते राष्ट्रीय विद्रोह में बदल गया। इस विद्रोह ने तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता छोड़ने और भारत में शरण लेने के लिए मजबूर कर दिया।

भाजपा शासन में असम की अर्थव्यवस्था दोगुनी होकर छह लाख करोड़ पहुंची : प्रधानमंत्री

एजेंसी

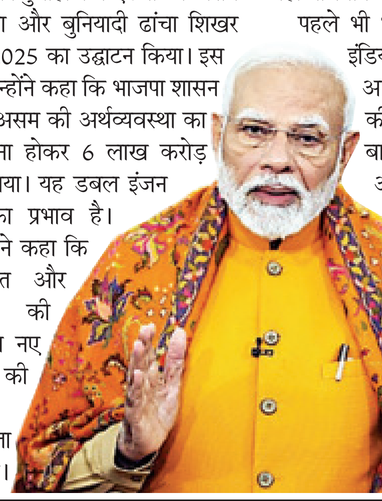

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को गुवाहाटी में एडवांटेज असम 2.0 निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन 2025 का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भाजपा शासन के दौरान असम की अर्थव्यवस्था का मूल्य दोगुना होकर 6 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह डबल इंजन सरकार का प्रभाव है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्वी भारत और नॉर्थ-ईस्ट की भूमि आज नए भविष्य की शुरूआत करने जा रही है। एडवांटेज असम पूरी दुनिया को असम की संभावना और प्रगति से जोड़ने का महाअभियान है। इतिहास गवाह है कि पहले भी भारत की समृद्धि में ईस्टर्न इंडिया का बहुत बड़ा रोल था। आज जब भारत विकसित होने की तरफ बढ़ रहा है तो एक बार फिर हमारा ये नॉर्थ-ईस्ट अपना सामर्थ्य दिखाने जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज भारत अपनी स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत कर रहा है। आज भारत, दुनिया के अलग-अलग क्षेत्रों के साथ मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है। ईस्ट एशिया के साथ हमारी कनेक्टिविटी लगातार सशक्त हो रही है और नया बन रहा भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा भी अनेक नई संभावनाएं लेकर आ रहा है। मोदी ने कहा कि इस वैश्विक अनिश्चितता के बीच भी दुनिया के कई विशेषज्ञ एक बात को लेकर निश्चिंत हैं और वो है भारत का तेज विकास। भारत पर इस भरोसे की बहुत ठोस वजह है। आज का भारत, आने वाले 25 सालों की 21वीं सदी के दीर्घकालिक विजन को ध्यान में रखते हुए, एक के बाद एक कदम उठा रहा है, बड़े पैमाने पर काम कर रहा है। आज दुनिया को भारत की युवा आबादी पर भरोसा है जो बहुत तेजी से हुनरमंद हो रही है। आज दुनिया को भारत के नव मध्यम वर्ग पर भरोसा है जो गरीबी से बाहर निकलकर नई आकांक्षाओं के साथ आगे बढ़ रहा है। आज दुनिया को भारत के 140 करोड़ लोगों पर भरोसा है जो राजनीतिक स्थिरता और नीतिगत निरंतरता का समर्थन करते हैं। आज दुनिया को भारत की गवर्नेंस पर भरोसा है जो लगातार सुधार कर रही है। आज भारत अपनी लोकल सप्लाई चेन को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि असम का योगदान बढ़ रहा है। 2018 में एडवांटेज असम का पहला संस्करण लॉन्च किया गया था। तब असम की अर्थव्यवस्था करीब 2.75 लाख करोड़ रुपये थी, जो अब 6 लाख करोड़ रुपये हो गई है। इसका मतलब है कि भाजपा सरकार के तहत असम की अर्थव्यवस्था छह साल में दोगुनी हो गई है। यह डबल इंजन वाली सरकार का दोहरा असर दिखाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि असम को 2009 से 2014 के बीच रेल बजट के लिए औसतन 2,100 करोड़ रुपये मिले थे। हमारी सरकार ने असम के रेलवे बजट को चार गुना ज्यादा बढ़ा कर 10,000 करोड़ रुपये पहुंचा दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार देश के बुनियादी ढांचे पर भी बहुत बड़ा इन्वेस्टमेंट कर रही है। संस्थागत सुधार, उद्योग, बुनियादी ढांचा और नवाचार भारत की प्रगति का आधार है। इसलिए इंवेस्टर भी देश में संभावना को उनकी और देश की प्रगति की संभावनाएं को बदलता हुआ देख रहे हैं। इस प्रगति में असम भी डबल इंजन की स्पीड से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत ने अपने विनिर्माण क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए मिशन मोड पर काम शुरू किया है। हम मेक इन इंडिया के तहत कम लागत वाला विनिर्माण को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि असम ने 2030 तक 143 बिलियन अमेरिकी डॉलर का जीएसडीपी हासिल करने का लक्ष्य रखा है और मुझे इस लक्ष्य को हासिल करने का पूरा भरोसा है। मुझे लोगों की क्षमताओं और राज्य सरकार की प्रतिबद्धता पर भरोसा है। उन्होंने कहा कि असम दक्षिण पूर्व एशिया और भारत के बीच एक प्रमुख प्रवेश द्वार के रूप में उभर रहा है। इस क्षमता को बढ़ाने के लिए, सरकार ने पूर्वोत्तर औद्योगिकीकरण परिवर्तन योजना, उन्नति शुरू की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि असम की क्षमताओं का एक उदाहरण असम चाय है। इस ब्रांड ने 200 साल पूरे कर लिए हैं। यह विरासत असम को अन्य क्षेत्रों में भी उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करती है।

झारखंड विधानसभा : 39.44 लाख परिवारों का बिजली बिल हुआ माफ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : बजट सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को भोजनावकाश के बाद सदन में राज्यपाल के अभिभाषण पर वाद-विवाद हुआ। अभिभाषण के पक्ष में बोलते हुए कांग्रेस के विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कहा कि राज्यपाल का अभिभाषण राज्य के गरीब-गुरबा, दलित, अल्पसंख्य क और पिछड़ों की जरूरतों को पूरा करने वाला है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने राज्यों के 39.44 लाख परिवारों का बिजली बिल 3620 रुपये को माफ किया है। लेकिन विपक्ष अभिभाषण को मिथ्या कह रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कभी भी किसानों के कर्ज माफी की बात नहीं सोंची, लेकिन हमारी सरकार ने दो बार कर्ज माफ किया है। वहीं अभिभाषण पर धन्यवाद का प्रस्ताव झामुमो के वरीय विधायक प्रो स्टीफन मरांडी की ओर से लाया गया।

जनहित के लिए काम कर रही सरकार : उमाकांत

झामुमो के विधायक उमाकांत रजक ने कहा कि हेमन्त सरकार राज्य में जनहित के लिए काम रही है। सरकार ने राज्ये के कृषि कर्ज को माफ कर दिया है। साथ ही सरकार राज्य में डेयरी, मछली पालन और सहाकारिता समेत अन्य क्षेत्रों में काम कर रही है।

निश्चय पत्र में किए वादों को भूली सरकार : सीपी

भाजपा की ओर से विधायक सीपी सिंह ने कहा कि यह सरकार खान-खनिज की लूट करनेवाली, गरीबों को उजाड़ने वाली और तुष्टिकरण की सरकार है। उन्होंने कहा कि झामुमो की ओर से चुनाव के मौके पर निश्चय पत्र में जो वायदे किए गए थे उनमें से किसी को पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि निश्चय पत्र में सरकार गठन के दो वर्ष में राज्य के खाली पदों पर नियुक्ति की बात कही गई थी, लेकिन नियुक्तियां नहीं हुईं। इसके अलावा बेराजगार नौजवानों को बेरोजगारी भत्ता देने का भी वायदा किया गया था, लेकिन सरकार ने इसे भी पूरा नहीं किया। सीपी सिंह ने कहा कि राज्य में उपर से नीचे तक भ्रष्टाचार है। राजधानी रांची में नशाखोरी, हत्या् और लूट की घटनाएं सरेआम हो रही हैं।

मांडू में हो रहे अत्याकचार को रोके सरकार : जयराम

झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के विधायक जयराम महतो ने कहा कि राज्य सरकार मांडू में स्थानीय लोगों के विरोध के बावजूद उत्खनन कार्य करने को तैयार कंपनी मेसर्स अमर इंडिया लि. को रोके। उन्होंने कहा कि मांडू में कई स्थानीय महिलाएं खनिज उत्खंनन के विरोध में धरने पर बैठी हैं, लेकिन कंपनी पीछे हटने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके क्षेत्र में आये दिन खनन प्रशासन लोगों को पीटता है। लेकिन सरकार इस ओर ध्यान नहीं दे रही है। जयराम ने कहा कि मांडू में कोई अनहोनी न हो, इसलिए सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए।

झारखंड 10वीं बोर्ड परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक मामले में छह गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखंड 10वीं बोर्ड परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक मामले में कोडरमा पुलिस ने मंगलवार की सुबह गिरिडीह के न्यू बरगंडा में छापा मारा। वहां से छह लोग गिरफ्तार किये गए हैं। कोडरमा एसडीपीओ अनिल कुमार सिंह के नेतृत्व में हुई छापेमारी में कई मोबाइल फोन और प्रश्न पत्र भी बरामद किए गए हैं। पेपर लीक से संबंधित साक्ष्य भी मिले हैं, वहीं गिरफ्तार किए गए लोगों में एक मास्टरमाइंड भी बताया जाता है। सभी गिरफ्तार लोगों को लेकर पुलिस कोडरमा पहुंची जिनसे पूछताछ की जा रही है। उल्लेखनीय है कि पेपर लीक मामले में झारखंड एकेडमिक काउंसिल की ओर से आदेश जारी होने के बाद जिला प्रशासन जांच कर रही है। इस बाबत मरकच्चो थाना में मामला 14/25 दर्ज किया गया था और दो लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। इनमें प्रशांत कुमार साव और आशीष कुमार साव शामिल हैं। प्रशांत मरकच्चो प्रखंड के जामू में एक प्राइवेट स्कूल और कोचिंग सेंटर चलाता है। दोनों को पुलिस ने रिमांड पर लिया है और लगातार पूछताछ की जा रही है। कोडरमा एसपी अनुदीप सिंह ने बताया कि काण्ड का उद्भेदन व संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए कोडरमा जिला में कई विशेष टीम का गठन किया गया। गुप्त सूचना के आधार पर बीती रात्रि गिरिडीह जिला के नगर थाना क्षेत्र के न्यू बरगंडा क्षेत्र से रोहित कुमार नामक एक व्यक्ति को पकड़ा गया। उसके निशानदेही पर अन्य पांच व्यक्तियों को पकड़ा गया। पकड़े गए लोगों ने बताया कि इन लोगों को गिरिडीह जिला में प्रश्न पत्र वाहन से उतारने के लिए श्रमिक के रूप में कार्य पर लगाया गया था। गिरिडीह जिला में प्रश्न पत्र वाहन से उतारने के दौरान सील पैक प्रश्न पत्र को ब्लेड से काटकर उनमें से निकाला गया। एवं उसका पीडीएफ बनाकर वायरल किया गया।

प्रयागराज से काशी विश्वनाथ तक महाशिवरात्रि से पहले शिवालयों में चाक-चौबंद तैयारियां

एजेंसी

लखनऊ : देशभर में महाशिवरात्रि का पर्व बुधवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। देशभर में महाशिवरात्रि की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। उत्तर प्रदेश में महाशिवरात्रि को लेकर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद है। महाशिवरात्रि के दिन ही महाकुंभ का समापन होगा। इसे देखते हुए महाकुंभ में भीड़ से निपटने और सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता है। इसे लेकर बुधवार को अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक हुई। साथ ही 12 ज्योतिलिंर्गों और बड़े शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं को लेकर विशेष व्यवस्थाएं की गई है। प्रयागराज के डीएम रविंद्र कुमार मांदड ने बताया कि महाशिवरात्रि पर अंतिम स्नान है। यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं को सकुशल स्नान सुनिश्चित कराने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि श्रद्धालु हवाई मार्ग, रेलवे और निजी वाहन से यहां पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा-निर्देश पर सभी तैयारियों को पूरा कर लिया गया है। यहां पर पार्किंग व्यवस्था को एक्टिव किया गया है। ट्रैफिक डायवर्जन स्कीम लागू रहेगी। ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए सभी अधिकारी ड्यूटी पर रहेंगे। महाशिवरात्रि पर संगम तट के अलावा शिव मंदिरों में भी भारी भीड़ रहेगी। श्रद्धालु सकुशल मंदिरों में पूजा-अर्चना कर सके, इसके लिए पूरी व्यवस्था कर दी गई है।

महाशिवरात्रि पर प्रयागराज से 350 से अधिक ट्रेनों को चलाने की योजना : रेल मंत्री वैष्णव

नई दिल्ली : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि महाकुम्भ 2025 का अंतिम अमृत स्नान 26 फरवरी को होगा। ऐसे में 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर प्रयागराज से 350 से अधिक ट्रेनों को चलाने की योजना है। रेल मंत्री वैष्णव ने एक बयान में कहा कि महाकुम्भ के अंतिम अमृत स्नान के लिए भारतीय रेलवे ने व्यापक तैयारियां की हैं।

झारखंड विस : पेपर लीक मामले को लेकर सदन के बाहर भाजपा विधायकों का प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र का आज दूसरा दिन है। सत्र से पहले भाजपा विधायकों ने सदन के बाहर मैट्रिक परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर प्रदर्शन किया। विधायकों ने हाथों में बैनर पोस्टर लेकर प्रदेश की हेमंत सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाते हुए कहा कि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार में जितनी परीक्षाएं होती हैं सभी परीक्षाओं में पेपर लीक हो जाता है। विधायकों ने पेपर लीक की जांच सीबीआई से कराने की मांग की। मौके पर विधायक डॉ नीरा यादव ने पेपर लीक मामले को लेकर कहा कि पांच दिन हो गये हैं लेकिन हेमंत सरकार कोई ध्यान नहीं दे रही है। सदन के बाहर प्रदर्शन करने वालों में डॉ नीरा यादव, बाबूलाल मरांडी, नवीन जायसवाल सहित अन्य शामिल थे।

प्रश्न पत्र लीक मामले की सीबीआई जांच की मांग

रांची : मैट्रिक परीक्षा प्रश्न पत्र लीक मामले में सदन के अंदर भी विपक्ष के द्वारा हंगामा किया गया। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही भाजपा विधायक सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। मंगलवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी विधायकों ने मैट्रिक परीक्षा प्रश्न पत्र लीक मामले को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। भाजपा विधायक मामले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर वेल तक पहुंच गए। हालांकि स्पीकर ने विपक्षी सभी सदस्यों को शांत कराकर उन्हें उनकी सीट पर बैठवाया। इसके बाद कार्यवाही चली।

पटना मेडिकल कॉलेज बिहार की अमूल्य धरोहरों में से है एक : राष्ट्रपति

एजेंसी

पटना : राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने कहा कि पटना मेडिकल कॉलेज बिहार की अमूल्य धरोहरों में से एक है। इस संस्थान का पुरातनता को संरक्षित करने और आधुनिकता की ओर निरंतर अग्रसर होने का गौरवशाली इतिहास रहा है। पटना मेडीकल कालेज एवं हास्पिटल (पीएमसीएच) एशिया के सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों में से एक रहा है। इस संस्थान के पूर्व छात्रों ने अपनी प्रतिभा, सेवा और समर्पण के बल पर देश-विदेश में अपना और पीएमसीएच का नाम रोशन किया है। वह मंगलवार को पटना मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के शताब्दी समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहीं थीं। राष्ट्रपति ने कहा कि इलाज के लिए दूसरे शहर या राज्य में जाने से कई तरह से नुकसान होता है, जैसे इलाज में देरी, भोजन, आवास और रोजगार की समस्या। इससे बड़े शहरों के चिकित्सा संस्थानों पर भी बोझ पड़ता है। देश भर में अच्छे चिकित्सा संस्थानों का विकेंद्रीकरण इन सभी समस्याओं को हल करने में मददगार साबित होगा। चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई और इंदौर जैसे शहर विशिष्ट उपचार के केंद्र के रूप में विकसित हुए हैं। बिहार को भी ऐसे कई केंद्र विकसित करने चाहिए। इससे न केवल बिहार के लोगों को अच्छी चिकित्सा मिलेगी, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि पीएमसीएच और इसके पूर्व छात्र अपने अनुभव से इस प्रयास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। यह तकनीक का युग है। चिकित्सा क्षेत्र में भी तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स जैसी तकनीकें चिकित्सा प्रक्रिया को सरल और सटीक बना रही हैं। उन्होंने पीएमसीएच के सभी हितधारकों से नवीनतम तकनीकों को अपनाने के लिए हमेशा तैयार रहने का आग्रह किया। कहा कि इससे न केवल इलाज आसान होगा, बल्कि डॉक्टरों का ज्ञान और दक्षता भी बढ़ेगी। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे डाक्ट शोधकर्ता, चिकित्सक, शिक्षक और परामर्शदाता भी हैं। इन सभी भूमिकाओं में वे लोगों और समाज की सेवा करते हैं और राष्ट्र निर्माण में योगदान देते हैं। उन्होंने उनसे लोगों को रक्त और अंगदान के महत्व के बारे में जागरूक करने का आग्रह किया।

पंजाब विस में दिल्ली की सरकार के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव पारित

एजेंसी

चंडीगढ़ : पंजाब सरकार ने विधानसभा के दो दिवसीय विशेष सत्र के दौरान मंगलवार को दिल्ली में हाल ही में बनी भारतीय जनता पार्टी की सरकार के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव पारित किया है। पंजाब सरकार का आरोप है कि दिल्ली में बनी भाजपा सरकार की मुख्यमंत्री व मंत्रियों ने पदभार ग्रहण करते ही अपने कार्यालयों में लगे संविधान निमार्ता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर तथा शहीद भगत सिंह की तस्वीरों को उतार दिया। पंजाब के संसदीय कार्यमंत्री अमन अरोड़ा ने मंगलवार को इस संबंध में प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार के मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों के कार्यालयों में लगे बाबा साहब और शहीद भगत सिंह की तस्वीरों को उतारना भाजपा की दलितों व शहीदों के प्रति सोच को दशार्ता है। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने भाजपा की आलोचना करते हुए इस प्रस्ताव को सैकेंड किया। इसके बाद विधायक डॉ. सुखविंद्र सिंह, नक्षत्र पाल सिंह ने इस प्रस्ताव पर हुई चर्चा में भाग लिया और अपना समर्थन दिया। सदन में जिस समय यह प्रस्ताव पेश किया गया, उस समय अकाली दल व भारतीय जनता पार्टी के विधायक सदन में मौजूद नहीं थे। कांग्रेस नेता व सदन में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने आम आदमी पार्टी की सरकार के इस प्रस्ताव का समर्थन किया और पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय मनमोहन सिंह को भारत रत्न दिए जाने की मांग भी विधानसभा में पारित करने की मांग की।

एक नजर

मां विंध्यवासिनी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान में हुआ पौधरोपण

हजारीबाग : पदमा प्रखंड स्थित मां विंध्यवासिनी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में संस्थाध्यक्ष डॉ. अनूप कुमार मेहता द्वारा महाशिवरात्रि के पूर्व संध्या पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जो पूरे सप्ताह चलता रहेगा। वृक्षारोपण श्रृंखला में फलदार, छायादार तथा औषधीय गुणों वाले पौधों का रोपण प्रारंभ किया गया। पूरा महाविद्यालय परिवार इसमें सम्मिलित रहा जिसमें शिक्षकेत्तर कर्मचारी की विशेष भूमिका रही। डॉ. अनूप कुमार मेहता ने प्रशिक्षुओं से आह्वान करते हुए कहा कि जब सुरक्षित रहेगा पर्यावरण हमारा,तब सुरक्षित रहेगा जीवन हमारा इसीलिए प्रत्येक विशिष्ट दिवसों पर इस प्रकार की गतिविधियों का होना चाहिए जो न केवल महाविद्यालय परिसर की सुंदरता को बढ़ाता है, बल्कि पूरे पर्यावरण को स्वच्छ बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

मुखिया ने किया विद्यालय का औचक निरीक्षण

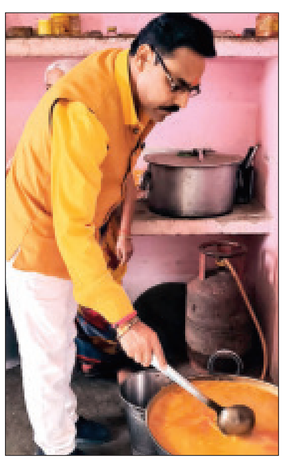

चौपारण : मुखिया संघ अध्यक्ष सह बच्छई पंचायत के मुखिया बिरेन्द्र रजक मंगलवार को कन्या प्राथमिक विद्यालय टिटहिं का औचक निरीक्षण किया। विद्यालय में शिक्षा व्यावस्था और एमडीएम का जायजा लिया। मुखीया ने कहा कि शिक्षकों की कमी के बावजूद विद्यालय में बच्चो को बेहतर शिक्षा दी जा रही है। छात्र अनुपात के अनुसार शिक्षक की कमी है जिसको लेकर स्थानीय विधायक मनोज कुमार यादव से बात कर शिक्षको की समस्या दूर करने का प्रयास करूंगा। इस दौरान मुखिया ने एमडीएम का नीरीक्षण किया। जिसमें मेनू के अनुसार भोजन पकाया जा रहा था। मुखीया ने शिक्षकों से कहा कि कम संसाधन में बेहतर करना ही अच्छे शिक्षक की निशानी होती है।

भारत के ऊर्जा भविष्य को मिली नई दिशा

हजारीबाग : जैसे जैसे भारत विकसित भारत 2047 की दिशा में अपनी यात्रा तेज कर रहा है और आत्मनिर्भर भारत के तहत एक वैश्विक विनिर्माण हब के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा हैए वैसे.वैसे बिजली क्षेत्र की भूमिका आर्थिक विकास ऊर्जा सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने में और भी महत्वपूर्ण होती जा रही है। इस बदलते परिदृश्य में आईईईएमए ने आज ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में दुनिया के सबसे बड़े इलेक्ट्रिकल शो इलेक्रामा 2025 की भव्य शुरूआत की। इलेक्रामा के 16वें संस्करण में भारत की विद्युत और ऊर्जा तकनीकों में क्षमता प्रदर्शित की गई है। भारत के माननीय मिनिस्टर ऑफ पावर एंड हाउसिंग एंड अर्बन अफेयर्स श्री मनोहर लाल खट्टर ने इस भव्य उद्घाटन की शोभा बढ़ाई और उन्होंने भारत के ऊर्जा से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और इस क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।
इस कार्यक्रम में उद्योग जगत के दूरदर्शी लोग भी शामिल हुए। जिन्होंने इलेक्ट्रिकल और बिजली क्षेत्र के भविष्य पर अपने विचार साझा किए।

एक ही नंबर के दोनों वाहन पहुंचा जिला परिवहन कार्यालय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग जिला परिवहन कार्यालय इन दिनों काफी सुर्खियों में है। इस कार्यालय से दो स्कॉर्पियो गाड़ी का एक ही रजिस्ट्रेशन नंबर जारी किया गया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि दोनों गाड़ी का एक ही इंजन नंबर और चेचिस नंबर है। ऐसे में यह आखिर कैसे हुआ यह जांच का विषय है। इसे लेकर जिला परिवहन कार्यालय जांच ने प्रक्रिया भी तेज कर दी है। हजारीबाग जिला परिवहन कार्यालय जहां कुछ भी संभव है । हम इसलिए यह कह रहे हैं कि इस कार्यालय ने दो स्कॉर्पियो गाड़ी को एक ही रजिस्ट्रेशन नंबर जारी कर दिया है। दोनों गाड़ी का एक ही चेचिस नंबर और इंजन नंबर है। इस खबर को प्रत्युष नवबिहार ने एक सप्ताह पहले ही बड़े ही प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया था। इसके बाद जिला परिवहन कार्यालय सक्रिय हुआ। दूसरे गाड़ी के मलिक को नोटिस जारी कर कार्यालय बुलाया है। कार्यालय आने में उसे गाड़ी को 7 दिन का समय लग गया। यह गाड़ी रांची के सचिन कुमार दास के नाम पर दोबारा रजिस्ट्रेशन कर दिया गया है. जिसने यह गाड़ी राज मोटर से सेकंड हैंड खरीदा है। गाड़ी एक अगस्त 2023 को खरीदा था। इस एवज में 5000 रुपया नाम ट्रांसफर करने के लिए भी एजेंट को दिया था। गाड़ी सत्येंद्र नारायण सिंह के नाम से खरीदारी की थी।
वास्तव में गाड़ी सत्येंद्र नारायण सिंह के नाम से ही रजिस्टर्ड है। लेकिन फर्जी दस्तावेज बनाकर गाड़ी सचिन कुमार दास को ट्रांसफर कर दिया गया। जिसने रांची के राज मोटर से गाड़ी खरीदा है। इसे लेकर उसने कंपनी को 9 लाख 75 हजार रुपया दिया था। सचिन कुमार दास ने बताया कि 2 लाख 70 हजार उसने कैश दिया था। बाकी पैसा बैंक से फाइनेंस कराया गया था। सचिन कुमार दास खुद को फंसा हुआ देख रहा है। जो बातें छानकर सामने आई है इससे यह पता चलता है कि यह चोरी का गाड़ी है। जिसे हजारीबाग डीटीओ ऑफिस ने गलत दस्तावेज बनाकर दोबारा रजिस्ट्रेशन कर दिया। इस पूरे प्रकरण में रांची का रहने वाला शशि और बबलू प्रसाद भी संदेह के घेरे में है। बबलू प्रसाद ने बिहार के रहने वाले आदित्य पांडे से गाड़ी खरीदा था। शशि के माध्यम से राज मोटर गाड़ी सेकंड हैंड बिकने के लिए पहुंचा था। बबलू प्रसाद और आदित्य पांडे के का क्या संबंध है इसे लेकर भी जांच होनी चाहिए। शशि किस तरह के गाड़ी उपलब्ध कराता है यह भी एक संदेश के घेरे में है। शशि के बारे में पिछले कुछ दिनों से हजारीबाग डीटीओ ऑफिस में काफी चर्चा भी थी। बताया जाता है कि यह गाड़ी मूल रूप से पूर्णिया का है जो जांच में सामने आया है। यह गाड़ी बबलू कुमार ने बिहार के रहने वाले आदित्य पांडे से खरीदा था. जो रोहतास जिले के सूरजपुर थाना क्षेत्र के रहने वाला है।सचिन कुमार दास ने बताया गाड़ी का नाम ट्रांसफर करने के लिए उसे कार्यालय भी नहीं आना पड़ा था। पैसा देने पर नाम ट्रांसफर हो गया। पूरा जिला परिवहन कार्यालय हजारीबाग संदेह के घेरे में है कि आखिर जिला परिवहन कार्यालय में कैसे काम हो रहा है। यह भी बात कहा जा रहा है कि चोरी की गाड़ी हजारीबाग में खपाने का सेंटर तो नहीं बन गया है। यह भी अब बात प्रकाश में सामने आ रही है। इस पूरे मामले को लेकर जिला परिवहन पदाधिकारी बैजनाथ कामती ने कहा कि जांच पूरा होने के बाद ही कुछ टिप्पणी की जा सकती है। लेकिन पहले चरण में गाड़ी को जब्त कर लिया जा रहा है। वहीं एफआईआर करने की भी तैयारी चल रही है।

नकली शराब फैक्ट्री का हुआ भंडाफोड़

प्रत्यूष नवबिहार बड़कागांव

चौपारण : हजारीबाग उत्पाद विभाग की टीम ने चौपारण उत्पाद विभाग के सहयोग से सोमवार को अंबाकोला में छापेमारी कर नकली शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस छापेमारी में जंगल में स्थित एक घर से बड़ी मात्रा में स्प्रिट, शराब की खाली बोतलें, स्टीकर, ढक्कन और शराब बनाने में उपयोग होने वाला केरामिल केमिकल बरामद किया गया। बताया जाता है कि मौके से 200 लीटर से अधिक विदेशी शराब और स्प्रिट की खेप जब्त की गई। यह घर सोमा मुंडा का बताया जा रहा है। उत्पाद विभाग यह पता लगाने में जुटा है कि इस अवैध शराब का निर्माण कौन कर रहा था और सामग्री की आपूर्ति कहां से हो रही थी। बीते एक महीने में यह चौथी बड़ी छापेमारी है, जिसमें भारी मात्रा में नकली शराब, स्टीकर, स्प्रिट और अन्य सामग्री जब्त की गई है। छापेमारी का नेतृत्व उत्पाद विभाग के दरोगा सुमितेश ने किया। छापेमारी दल का नेतृत्व कर रहे आबकारी विभाग के दरोगा सुमितेश कुमार ने कहा कि उत्पाद विभाग की टीम अब इस अवैध धंधे से जुड़े अन्य तस्करों की पहचान करने और उनके नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए जांच में जुटी है।

शहीद कैप्टन करमजीत सिंह की याद में कोचिंग एसोसिएशन के नेतृत्व में निकाला कैंडल मार्च

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

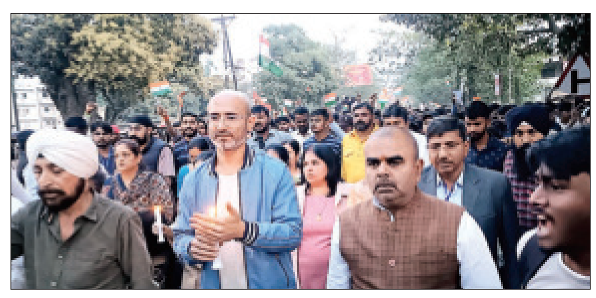

हजारीबाग : मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीद कैप्टन करमजीत सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए मंगलवार को गांधी मैदान से शुरू करते हुए शहर के विभिन्न हिस्सों से होते हुए भव्य कैंडल मार्च आयोजित किया गया। इस आयोजन का नेतृत्व हजारीबाग कोचिंग एसोसिएशन ने किया, जिसमें कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह भी शामिल हुए। हजारों नागरिकों ने इस श्रद्धांजलि मार्च में भाग लिया। कैंडल मार्च गांधी मैदान से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरा। प्रतिभागियों ने हाथों में मोमबत्तियां जलाकर देशभक्ति का संदेश दिया और शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की। पूरे शहर में शहीद कैप्टन करमजीत अमर रहें और भारत माता की जय के नारे गूंज उठे। कैंडल मार्च के दौरान कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि शहीद कैप्टन करमजीत सिंह हमारे देश की आन-बान-शान थे। उन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। हमें उनकी शहादत को हमेशा याद रखना चाहिए और नई पीढ़ी को इससे प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि शहीदों की कुबार्नी को कभी भुलाया नहीं जा सकता और समाज को एकजुट होकर उनके परिवारों की मदद करनी चाहिए। उन्होंने युवाओं से देशसेवा और राष्ट्रप्रेम की भावना को अपनाने का आह्वान किया। इस श्रद्धांजलि मार्च में युवाओं, बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय ध्वज के साथ मार्च किया, जिससे पूरा माहौल देशभक्ति के रंग में रंग गया। मार्च के दौरान शहरवासियों ने सरकार से यह अपील की कि शहीद कैप्टन करमजीत सिंह के नाम पर एक स्मारक स्थापित किया जाए और उनके परिवार को हरसंभव सहायता प्रदान की जाए।

नशा मुक्ति अभियान पर जागरूकता रैली और नुक्कड़ नाटक का किया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चैनपुर : परमवीर अल्बर्ट एक्का मेमोरियल कॉलेज के एनएसएस इकाई-1 और 2 द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवें दिन नशा मुक्ति अभियान को लेकर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दिन के कार्यक्रमों में पोस्टर और नारा लेखन प्रतियोगिता, जागरूकता रैली और नुक्कड़ नाटक शामिल थे। एनएसएस स्वयंसेवकों ने नशा मुक्ति के संदेश को कलात्मक रूप से प्रस्तुत किया और दीवारों पर जागरूकता संबंधी पेंटिंग बनाई गई। इसके बाद एक जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें स्वयंसेवकों ने नशा मुक्ति से संबंधित नारे लगाकर ग्रामीणों को जागरूक किया। इस कार्यक्रम में एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी अमित कुमार एवं अंजना कुजुर ने सक्रिय भूमिका निभाई। ग्राम प्रधान भरत राउतिया, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन से ओम प्रकाश और मुनव्वर भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे और उन्होंने अपनी सहभागिता से स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया। एनएसएस स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना करते हुए ग्राम प्रधान भरत राउतिया ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सहायक होते हैं। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के ओम प्रकाश और मुनव्वर ने भी युवाओं की इस पहल की प्रशंसा करते हुए नशा मुक्ति के लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें एनएसएस स्वयंसेवकों को उनके उत्साह और समर्पण के लिए सराहा गया। एनएसएस विशेष शिविर के आगामी दिनों में भी विभिन्न जागरूकता और सेवा कार्य आयोजित किए जाएंगे।

गुमला विधानसभा क्षेत्र में विधायक ने सिंचाई सुविधा की मांग की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : विधानसभा सत्र के शून्य काल के दौरान गुमला विधायक भूषण तिर्की ने गुमला विधानसभा क्षेत्र के चैनपुर व डुमरी प्रखंड के सीमा पर स्थित अपर शंख जलाशय परियोजना से लोगों के खेतों तक पानी पहुंचाने की मांग की है। उन्होंने विधानसभा सत्र में आवाज उठाते हुए कहा कि ऊपर संख जलाशय परियोजना का कार्य लगभग 15 वर्ष पूर्व पूर्ण किया गया था। लेकिन आज भी इस क्षेत्र के किसानों को सिंचाई की सुविधा नहीं मिल पा रही है। इस क्षेत्र में किसानों की आबादी अधिक है और यह आदिवासी बहुल क्षेत्र है। लेकिन सिंचाई की सुविधा नहीं होने के कारण किसान अपने खेतों में फसलों का उत्पादन नहीं कर पा रहे हैं। इससे उनकी आर्थिक हालत ठीक नहीं है। किसान सिर्फ बरसात के दिनों में ही धान की खेती कर पाते हैं। दिन का पानी लोगों को खेतों तक नहीं पहुंच रहा है जिसके कारण बाकी मौसम में यहां के किसान खेती नहीं कर पाते हैं इनका खेत बंजर ही पड़ा रहता है। जिस कारण मजबूरन बस किसानों को पलायन करना पड़ता है। गुमला विधायक श्री तिर्की ने विधान सभा ने सदन में मांग की है कि किसानों की सिंचाई की सुविधा अविलंब उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना लगभग 15 वर्ष पूर्व पूर्ण की गई थी, लेकिन आज भी किसानों को सिंचाई की सुविधा नहीं मिल पा रही है। इस मांग के पीछे का मकसद किसानों की आर्थिक हालत सुधारना और उन्हें अपने खेतों में फसलों का उत्पादन करने में मदद करना है।

डेंटल कॉलेज में 'नेशनल ओरल पैथोलॉजी डे' पर रंगोली कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल में दिन सोमवार को ओरल पैथोलॉजी विभाग में 'नेशनल ओरल पैथोलॉजी डे' पर रंगोली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुंह के रोग की शीघ्र जांच एवं शीघ्र हस्तक्षेप से पैथोलॉजी जागरूकता के माध्यम से मौखिक स्वास्थ्य को सशक्त बनाना उद्देश्य था। डेंटल कॉलेज के सचिव डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने दीप प्रज्वलित एवं केक काटकर कार्यक्रम का शुरूआत किया। इस दौरान छात्र- छात्राओं ने रंगोली कार्यक्रम में हिस्सा लिया। एक से बढकर रंगोली प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इस क्रम में चिकित्सकों द्वारा मुंह के रोगों और उनके निवारण के लिए आवश्यक कदम उठाने की जानकारी दी गई। रंगोली के माध्यम से मुंह के रोगों के निवारण में एक अद्भुत संदेश दिया गया। नेशनल ओरल पैथोलॉजी डे डॉ एच एम ढोलकिया के जयंती के उपलक्ष्य पर मनाया जाने पर चिकित्सकों एवं छात्रों ने उन्हें विशेष सम्मान दिया। मुह के बिमारियों के निवारण करने पर उनकी अमुल्य योगदान को नमन किया। रंगोली कार्यक्रम में विजेता टीम विजेता साक्षी मिश्रा, मानवी दास, अमीषा गांधी एवं शेफाली स्वरूप को प्रशस्ति पत्र के साथ सम्मानित किया गया। साथ ही उनकी उज्जवल भविष्य की कामना की गई। मौके पर डेंटल कॉलेज के सचिव डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने मुख की जांच की उपयोगिता बताते हुए कहा कि हमारे शरीर के लिए दांत मुख का काफी अमुल्य अंग है। जिससे चेहरे की सौंदर्य एवं भोजन करने में सहूलियत प्रदान करता है। ऐसे में दांतों एवं मुख की समय-समय पर जांच करना बहुत ही जरूरी है। उन्होंने मरीजों को जाँच को लेकर व्याप्त भ्रांतियों और उनसे बचाव के बारे में भी अवगत कराया। ओरल पैथोलॉजी विभाग के एचओडी सह उप प्राचार्य डॉ अंकूर भार्गव ने कहा कि डॉ एच एम ढोलकिया की जयंती की याद में पूरे देश में राष्ट्रीय ओरल पैथोलॉजिस्ट दिवस मनाया जाता है। जो भारत के पहले ओरल पैथोलॉजिस्ट थे और उन्होंने भारत में ओरल पैथोलॉजी में पहला एम.डी.एस कोर्स शुरू किया। मौके पर डेंटल कॉलेज के प्राचार्य डॉ के श्रीकृष्ण, ओरल पैथोलॉजी विभाग के एचओडी सह उप प्राचार्य डॉ अंकूर भार्गव, डॉ अंकुर, डॉ दक्षिणायनी, डॉ दीपक, डॉ नंदी, डॉ जयेश, डॉ शोविर, डॉ ऋषिता, डॉ हेतल एवं डॉ नंदिता सहित कई चिकित्सक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

बाल श्रम के रोकथाम हेतु जिला स्तरीय टास्क फोर्स की हुई बैठक

हजारीबाग : बाल श्रम ज़िला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक मंगलवार को अपर समाहर्ता संतोष सिंह के अध्यक्षता में की गई। बैठक में बाल श्रम से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। इस दौरान श्रम अधीक्षक अनिल कुमार रंजन ने बताया कि वर्तमान वित्तिय वर्ष में अब तक 14 बाल श्रमिक इस ज़िले से विमुक्त कराये गये हैं। सभी नियोजक पर बाल श्रम आधिनियम के अंतर्गत एफआइआर की गई है,एवम सभी नियोजक से 20 हजार रुपए की दर से राशि की वसूली की गई है। विमुक्त चौदह बच्चों में ग्यारह बच्चे ज़िले के बाहर एवं अन्य राज्य से हैं,शेष तीन हजारीबाग ज़िला से हैं। विमुक्त बच्चों के परिवार को सरकार के विभिन्न योजनाओं से जोड़ा गया है। जिला में बाल श्रमिको को विमुक्त कराने के लिए धावा दल क्रियाशील है। धावा दल में श्रम अधीक्षक,श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी,ज़िला बाल सरंक्षण पदाधिकारी,बाल कल्याण समिति,अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी,चाइल्ड हेल्प लाइन के अलावा कई एनजीओ भी शामिल हैं। साथ इस कार्य हेतु नियमित अंतराल पर बाल श्रम के विरुद्ध अभियान चलाया जाता है। बैठक में अपर समाहर्ता ने निर्देश देते हुए कहा कि समय समय पर यह जारी रखने की जरूरत है। विशेष कर कोनार पुल के आस पास विभिन्न होटल,रेस्तरां,ढाबों एवं पुराना समाहरणालय के आस पास छापेमारी कर बाल श्रम के विरूद्ध अभियान चलाने को कहा। चाइल्ड हेल्प लाइन के लिए जारी टोल फ्री नंबर 1098 का व्यापक रूप से प्रचार प्रसार करने का निर्देश दिया। चाइल्ड लाईन को प्राप्त शिकायत का पंजी में संधारित करने का भी निदेश चाइल्ड लाइन को दिया।

एसबीयू और जेजीटीआर के बीच हुआ एमओयू

अनगड़ा : सरला बिरला विश्वविद्यालय और झारखंड गवर्नमेंट टूल रूम ,रांची के बीच आज एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। इस अवसर पर सरला बिरला विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सी. जगनाथन ने अपने संबोधन में कहा कि कौशल आधारित प्रशिक्षण से भविष्य में विवि के छात्रों के लिए नौकरी में संभावनाओं के नए द्वार खुलेंगे। साथ ही प्रशिक्षण के माध्यम से यहां के शिक्षक भी नवीनतम तकनीक से रूबरू हो सकेंगे। एसबीयू परिसर में हुए सादे समारोह में विवि के कुलसचिव प्रो. विजय कुमार सिंह और जेजीटीआर के एमडी महेश कुमार गुप्ता ने एमओयू पर हस्ताक्षर किया। इस अवसर पर एसबीयू के डॉ. पंकज गोस्वामी, डॉ. वी. एन. एल. दुर्गा, श्री एस. डांडीन, हरिबाबू शुक्ला एवं विवि के अन्यान्य शिक्षकगण एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। जेजीटीआर के ट्रेनिंग इंचार्ज मंगल टोप्पो और एसटीसी इंचार्ज पूर्णेंदु पंकज उपस्थित रहे। एमओयू में शोध, परामर्श और शैक्षणिक आदान– प्रदान के बिंदु सम्मिलित हैं। इस एमओयू से डिजाइन एवं उत्पादन के क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान, प्रोजेक्ट और कंसल्टेंसी गतिविधियों से सरला बिरला विवि के छात्रों को वृहत शैक्षणिक परिवेश में अध्ययन करने का अवसर मिल सकेगा। नवीनतम सॉफ्टवेयर में प्रशिक्षण से दोनों विवि के विभिन्न विशेषज्ञों के सान्निध्य में छात्रों को नवीनतम और शोधपरक जानकारियां भी उपलब्ध हो पाएंगी। एमओयू पर एसबीयू के माननीय कुलाधिपति माननीय बिजय कुमार दलान, माननीय महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक एवं माननीय राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने हर्ष व्यक्त किया है।

यूजीसी नेट पास करने पर इफत आरा को आजसू पार्टी के कार्यकतोओं ने किया सम्मानित

अनगड़ा : अनगड़ा प्रखंड अंतर्गत हेसल निवासी इफत आरा को यूजीसी नेट क्वालीफाई के लिए आजसू पार्टी की ओर से सम्मानित किया गया बधाई और शुभकामना दिया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना किए। मौके पर पूर्वी जिला परिषद राजेन्द्र साही मुंडा आजसू पार्टी के अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष शजाद अंसारी आजसू पार्टी के वरिष्ठ नेता वीरेंद्र सिंह भोगता आजसू पार्टी प्रखंड अध्यच जगर नाथ महतो नाइटेंगल स्कूल ऑफ नर्सिंग के डायरेक्टर अजीत महतो अर्जुन राम सुनील करमाली गोबरधन महतो आकाश समानता आदि शामिल थे।

चौपारण में अतिक्रमण के कारण बढ़ती दुर्घटना देख सीओ ने दिए सख्त निर्देश

चौपारण : सड़क पर अतिक्रमण के कारण लगातार हो रहे जाम और सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। सोमवार को चौपारण सीओ संजय यादव और चौपारण पुलिस ने संयुक्त रूप से अतिक्रमण हटाने के लिए कार्रवाई शुरू की। हालांकि, इस दौरान कई दुकानदार प्रशासन के आदेशों को मानने के लिए तैयार नहीं दिखे, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई। चौपारण के मुख्य बाजार और अन्य व्यस्त इलाकों में दुकानदारों द्वारा फुटपाथ और सड़क के किनारे किए गए अतिक्रमण से यातायात प्रभावित हो रहा है। आए दिन लगने वाले जाम के कारण स्थानीय लोग और राहगीर परेशान हो रहे हैं। साथ ही, सड़क पर अव्यवस्था के चलते दुर्घटनाओं की संख्या भी बढ़ रही है। चौपारण अंचलाधिकारी संजय यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सड़क पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। कई जगहों पर दुकानदारों को चेतावनी दी गई, लेकिन खीरमोहन दुकानदारों ने प्रशासन की बात मानने से इनकार कर दिया। ऐसे में प्रशासन अब सख्त कदम उठाने की तैयारी में है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन कड़ी कार्रवाई नहीं करता, तो अतिक्रमण की समस्या बनी रहेगी। सरकार और प्रशासन को चाहिए कि वे सख्ती से नियमों को लागू करें और अवैध रूप से कब्जा करने वालों पर कानूनी कार्रवाई करें, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू हो सके और दुर्घटनाओं में कमी आए।

एक नजर

रांची में खुली आरबीएल बैंक की पहली शाखा

रांची : आरबीएल बैंक के रांची में पहली शाखा का उद्घाटन मंगलवार को झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष परेश गट्टानी ने किया। मौके पर आरबीएल बैंक की तरफ से सुदीप चटर्जी, कुमार अभिषेक और गोपाल कुमार मौजूद थे। आरबीएल बैंक की यह रांची में पहली और झारखंड में दूसरी तथा भारत में 559वीं शाखा है। बैंक शाखा के सुदीप चटर्जी ने आनेवाले समय में शहर में और भी शाखाएं खोलने की बात कही। वहीं चेंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने रांची में इस बैंक की पहली शाखा की स्थापना के लिए बैंक प्रबंधन को बधाई दी। मौके पर चेंबर के कई कार्यकारिणी सदस्य और बैंक के ग्राहक उपस्थित थे। यह जानकारी चेंबर के प्रवक्ता सुनील सरावगी ने दी।

झारखंड में चार न्यायाधीशों का तबादला

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय की अनुशंसा पर 4 न्यायाधीशों का तबादला किया गया है। इस संबंध में राज्य के कार्मिक विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। विनोद कुमार सिंह, जो वर्तमान में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश-सह विशेष न्यायाधीश (निर्वाचित एमपी एवं एमएलए), डालटेनगंज में कार्यरत थे, उन्हें अगले आदेश तक विशेष न्यायाधीश, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निरोधक अधिनियम के तहत अपराधों की सुनवाई के लिए विशेष न्यायालय, डालटेनगंज में पदस्थापित किया गया है। दिनेश कुमार, जो अब तक विशेष न्यायाधीश, पोक्सो एक्ट, गढ़वा के रूप में सेवाएं दे रहे थे, उन्हें अगले आदेश तक विशेष न्यायाधीश, पोक्सो एक्ट-सह-विशेष न्यायाधीश, अनुसूचित जनजाति अत्याचार निरोधक अधिनियम के तहत अपराधों की सुनवाई के लिए विशेष न्यायालय, गढ़वा में नियुक्त किया गया है। मनोज चंद्र झा, जो वर्तमान में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, गिरिडीह के पद पर थे, अब विशेष न्यायाधीश, अनुसूचित जनजाति अत्याचार निरोधक अधिनियम, गिरिडीह के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। धीरज कुमार, जो पहले जिला एवं सत्र न्यायाधीश, साहेबगंज के पद पर कार्यरत थे, उन्हें अगले आदेश तक विशेष न्यायाधीश, अनुसूचित जनजाति अत्याचार निरोधक अधिनियम के तहत अपराधों की सुनवाई के लिए विशेष न्यायालय, साहेबगंज में नियुक्त किया गया है। इन तबादलों के बाद संबंधित न्यायाधीशों को जल्द ही अपने नए कार्यस्थलों पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है।

हाईकोर्ट ने बीजेपी नेता अरुण उरांव की जनहित याचिका की खारिज

रांची : भाजपा के राष्ट्रीय नेता और पूर्व आईपीएस अधिकारी अरुण उरांव द्वारा दाखिल जनहित याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। मंगलवार को हुई सुनवाई के बाद अदालत ने उनकी याचिका खारिज कर दी। राज्य सरकार की ओर से याचिका की मेंटेनबिलिटी पर सवाल उठाया गया था। इस पर प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता अभय मिश्रा ने कहा कि याचिका दायर करने वाला व्यक्ति एक रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी हैं, इसलिए मेंटेनबिलिटी का सवाल नहीं उठता। अरुण उरांव ने अपनी याचिका में कहा था कि झारखंड में केंद्रीय एजेंसी ईडी ने पिछले कुछ समय में कई बड़ी कार्रवाई की है और मनी लॉन्ड्रिंग के कई मामले सामने आए हैं। ईडी ने अपनी जांच के दौरान राज्य सरकार के कई अफसरों पर कार्रवाई की सिफारिश भी की थी, लेकिन सरकार की ओर से कोई कठोर कार्रवाई नहीं की गई। इसलिए, उन्होंने राज्य सरकार को मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश देने की मांग की थी। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस की बेंच में हुई।

राष्ट्र निर्माण में एनसीसी और एनएसएस की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण : राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि एनसीसी और एनएसएस की भूमिका राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ये संगठन युवाओं को सामाजिक सेवा, राष्ट्रभक्ति और अनुशासन की दिशा में प्रेरित करते हैं। रक्तदान, साक्षरता अभियान, वृक्षारोपण, स्वच्छ भारत मिशन, पर्यावरण संरक्षण और आपदा प्रबंधन जैसे कार्यों में इनकी सक्रिय भागीदारी सराहनीय रही है। राज्यपाल मंगलवार को राजभवन में आयोजित एट होम कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स और एनएसएस स्वयंसेवकों को गणतंत्र दिवस शिविर-2025 में झारखंड राज्य का गौरवपूर्ण प्रतिनिधित्व करने के लिये बधाई देते हुए बोल रहे थे। उन्होंने एनसीसी से अपने जुड़ाव का स्मरण करते हुए कहा कि छात्र जीवन में उनका भी एनसीसी से गहरा नाता रहा है और सैन्य सेवा की ओर उनका झुकाव था। हालांकि आपातकाल के दौरान जेल जाने के बाद उनका जीवन एक नया मोड़ ले लिया और वे राजनीति में सक्रिय हो गए। बरेली की जनता के स्नेह से वे आठ बार लोकसभा सांसद चुने गए और अब झारखंड राज्य के राज्यपाल के रूप में अपने संवैधानिक कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। राज्यपाल ने महिला सशक्तिकरण की चर्चा करते हुए एनसीसी और एनएसएस में बेटियों की बढ़-चढ़कर भागीदारी को एक उज्ज्वल उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि हमारी बेटियां आज अपने साहस और नेतृत्व क्षमता से देश और समाज को नई दिशा दे रही हैं, जो हम सभी के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने युवाओं को विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने प्रधानमंत्री के 'युवा शक्ति, विकसित भारत' के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के सपने को साकार करने में युवाओं की भूमिका सबसे अहम है। उन्होंने कहा कि एनसीसी और एनएसएस देश की विविधता में एकता का उत्कृष्ट उदाहरण हैं, जहां भारत के विभिन्न राज्यों के छात्र-छात्राएं एकजुट होकर अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और नेतृत्व की भावना का विकास करते हैं। राज्यपाल ने झारखंड राज्य के अधिक से अधिक युवाओं को एनसीसी और एनएसएस से जुड़ने का आह्वान किया ताकि वे शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों का भी सफलतापूर्वक निर्वहन करें और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। इस अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी, एनसीसी के एडीजी, बिहार-झारखंड मेजर जनरल एएस बजाज, एनसीसी के वरीय पदाधिकारी, एनएसएस के समन्वयक, एनसीसी के कैडेट्स एवं एनएसएस के स्वयंसेवक उपस्थित थे।

हजारीबाग में बन रहा है 500 बेड का अस्पताल : स्वास्थ्य मंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को ध्यानाकर्षण के तहत विधायक प्रदीप प्रसाद ने हजारीबाग सदर अस्पताल का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि वहां ऑफलाइन पर्ची कटाने की भी व्यवस्था होनी चाहिए। ऑक्सीजन प्लांट और मेडिकल वेस्ट डिस्पोजल मशीन भी बंद है। डॉक्टरों की कमी है। इंमरजेंसी दवाएं भी नहीं हैं। इस पर स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि हजारीबाग में शेख भिखारी हॉस्पिटल 500 बेड का बन रहा है। मेडिकल कॉलेज बनने के बाद सदर अस्पताल का लोड कम हो जायेगा। 25 मई तक भवन तैयार हो जाएगा। रिक्त पदों पर नियुक्ति की जा रही है। विधायक मथुरा प्रसाद महतो की ओर से पूछे गये डीएमएफटी के सवाल पर प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट नियमावली राज्य हित में नहीं है। इसमें संशोधन होना चाहिए। जितने भी खनिज हैं, सभी से रॉयल्टी आता है। वहीं, कोडरमा में करियावां मौजा को विस्थापित गांव की सूची में शामिल नहीं करने के सवाल पर भू-राजस्व मंत्री दीपक बिरूआ ने कहा कि इसकी जांच कर विस्थापित गांव की सूची में शामिल किया जायेगा। ध्यानाकर्षण के जरिए विधायक अमित यादव ने यह सवाल पूछा था।

शिव बारात में भगवान शिव अपने भूत-प्रेतों के साथ आएंगे नजर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : श्री शिव बारात आयोजन महासमिति पहाड़ी मंदिर रांची की ओर से शिव बरात में इस बार भगवान शिव अपने भूत प्रेतों के साथ कर्पूरगौरं करुणा अवतरं के रूप में नजर आएंगे। इनकी दिव्य की झांकी के दर्शनमात्र से लोगों का कल्याण होगा क्योंकि शिव सत्यम शिवम सुंदरम हैं। पहाड़ी मंदिर परिसर में प्रेसवार्ता में संरक्षक सूर्यभान सिंह, अध्यक्ष राजेश साहू एवं प्रवक्ता बादल सिंह ने संयुक्त रूप से संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भगवान शिव जैसा कोई सुंदर नहीं। जब ये दूल्हे के रूप में चलेंगें तो 51 माताएं इनका परछन और दिव्य आरती करेंगी क्योंकि शिव का बारात बनने का सौभाग्य हम सबको प्राप्त होगा। भोलेनाथ के साथ सभी देवी देवता जैसे राम- लक्ष्मण सीता, राधे-कृष्ण, अयोध्या के राम, मां दुर्गा की सवारी महिषासुर मर्दनी भी साथ-साथ चलेंगे। भूत प्रेतों की टोली अपने स्वामी के बारात जाने की खुशी में नाचेंगे और तांडव करेंगे। आपको भोलेनाथ के विवाह का औलोकन पूरी जगह यथा बारात निकलने के बाद शनि मंदिर अपरबाजार, शहीद चौक, फिरायालाल चौक से गांधी चौक, महावीर चौक, रातू रोड होते हुए पिस्का मोड़ विश्वनाथ मंदिर में सनातनी विधि विधान से विवाह होगा। मुख्य संरक्षक सुबोधकांत सहाय ने कहा कि हर साल की भांति इस वर्ष भी हम बारात के साथ चलेंगे एवं पूरे शहर वासियों को अलौकिक बारात का दर्शन होगा। संरक्षक कुणाल अजमानी एवं सूयार्भान सिंह ने बताया कि इस बार लगभग जीवंत झांकी जो पूरा इकोफ्रेंडली बारात होगा। देश के कोने-कोने से कलाकार आ रहे हैं। इस बार बारात में शामिल होने के किये रांची के सभी मंदिर के देवी देवताओं को आमंत्रित किया गया। सभी भिक्षुओं, सपेरा, जोगी एवं अघोरी को आमंत्रित किया गया है।

महाशिवरात्रि पर रांची में ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव सुबह 5 से रात 10 बजे तक बड़े वाहनों की नो इंट्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची में महाशिवरात्रि पर निकलने वाली शिव बारात को लेकर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। शहर में विभिन्न स्थानों से आने वाले वाहनों के लिए नये मार्ग निर्धारित किये गये हैं, ताकि शिव बारात में किसी तरह की असुविधा न हो। ट्रैफिक रूट में किये गये बदलाव के अनुसार बड़े वाहनों की नो इंट्री का समय सुबह पांच बजे से रात 10 बजे तक रहेगा। इसी तरह छोटे वाहनों का भी रूट मैप तय किया गया है।

ट्रैफिक रूट में किये गये बदलाव

कांके से रांची आने वाले वाहन बोड़ेया तक ही जायेंगे। चाईबासा-खूंटी से आने वाली गाड़ियां बिरसा चौक तक ही जा सकेंगी। गुमला-सिमडेगा से रांची (अरगोड़ा) आने वाले वाहन कटहल मोड़ तक ही सीमित रहेंगे। पलामू-लोहरदगा से आने वाली गाड़ियां सिर्फ पिस्का मोड़ तक ही आ सकेंगी। गुमला-सिमडेगा से आने वाले वाहन आइटीआइ बस स्टैंड तक ही जायेंगे। जमशेदपुर से रांची आने वाले वाहन दुर्गा सोरेन चौक तक ही जा सकेंगे। कांके-पतरातू से रांची आने वाले वाहन चांदनी चौक तक ही सीमित रहेंगे। बूटी मोड़ से बरियातू आने वाले वाहन केवल बूटी मोड़ तक ही आ सकेंगे बड़े वाहन, मालवाहक वाहन और सिटी राइड बसें इन मार्गों से नगर क्षेत्र में प्रवेश नहीं कर सकेंगी। पंडरा पिस्का मोड़ से नगर क्षेत्र की ओर सभी भारी वाहन, मालवाहक वाहन और सिटी राइड बसों का परिचालन बंद रहेगा।

छोटे वाहनों का रूट मैप

बूटी मोड़, बरियातू मार्ग से छोटे वाहन करमटोली चौक से जेल चौक की ओर जा सकेंगे। बोड़ेया रोड से आनेवाले वाहन करमटोली चौक से जेल चौक की ओर बढ़ सकते हैं। मेट्रो गली से न्यू मार्केट तक वाहनों की अनुमति होगी। हरमू रोड में जुलूस के यू-टर्न के बाद ही रातू रोड, न्यू मार्केट चौक से कांके की तरफ या किशोरी यादव चौक की ओर वाहन जा सकेंगे। बारात के दौरान पिस्का मोड़ से सभी प्रकार के वाहनों का रातू रोड की ओर प्रवेश वर्जित रहेगा। शहर के अन्य मार्गों पर छोटे वाहनों का परिचालन सामान्य रूप से जारी रहेगा।

ये है विशेष अनुरोध

यात्री नये मार्गों का पालन करें और अनावश्यक भीड़ से बचें। यातायात नियमों का पालन करें और वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें। आपातकालीन स्थिति में यातायात पुलिस की सहायता लें। आम नागरिक शिव बारात वाले रूट का कम-से-कम प्रयोग करें।

मौसम साफ होते ही बढ़ने लगा तापमान

रांची : राज्य भर में मौसम साफ होते ही तापमान में बढ़ोत्तरी दर्ज की जाने लगी। मंगलवार को रांची में अधिकतम तापमान 28.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि सोमवार को यह 27.1 डिग्री था। इसी प्रकार जमशेदपुर में 30.5 डिग्री के मुकाबले मंगलवार को तापमान 32 डिग्री दर्ज किया गया। इसके अलावा चाईबासा में भी मंगलवार को सोमवार की तुलना में अधिकतम तापमान में एक डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई। यहां का तापमान 31.8 डिग्री के मुकाबले 32.4 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं रांची और आसपास के इलाकों में मंगलवार को दिनभर मौसम साफ रहा, दोपहर में आंशिक बादल छाया रहा। तीन चार दिनों पूर्व हुई बारिश के कारण धूप में तपिश नहीं है। वहीं शाम में ठंड का एहसास हुआ। मौसम विभाग के अनुसार 27 से एक मार्च तक राज्य के उत्तर झपश्चिमी जिले पलामू, गढ़वा, कोडरमा, लातेहार और लोहरदगा में आंशिक बादल छाये रहने की संभावना है।

हैंडलूम सेक्टर में काम करने वालों के सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है सरकार : अरवा राजकमल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य के उद्योग सचिव अरवा राजकमल ने कहा कि झारखंड के इतिहास में पहली बार इस तरह का स्टेट हैंडलूम एक्सपो ऑगेनाइज किया जा रहा है। एक्सपो एक ऐसा प्लेटफार्म है, जो न केवल झारखंड के हैंडलूम सेक्टर में काम करने वाले बुनकरों को प्रोत्साहित कर रहा है बल्कि पूरे देश के अन्य राज्यों को भी मंच दे रहा है। उद्योग सचिव अरवा राजकमल मंगलवार को मोराहबादी मैदान में स्टेट हैंडलूम एक्सपो के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। सचिव राजकमल ने कहा कि झारखंड एक विकसित होता हुआ राज्य है, यहां के लोग काफी कला प्रेमी हैं। यहां की संस्कृति में जो कला है, उसका स्वरूप यहां की कलाकृतियों में दिखाई देती है। हैंडलूम एक्सपो हर साल यहां ऑगेनाइज करने के लिए हम लोग एक संकल्प लेंगे और जो बुनकर समितियां हैं, उन्हें शेड बनाने से लेकर, उनके मशीन लगाने तक कई सारे सब्सिडीज सरकार के द्वारा दिया जाएगा। प्रति साल सैकड़ो की संख्या में इस तरह का सहयोगी समितियां को भी हम लोग राशि प्रदान करने का काम किया करते हैं। इस साल भी मैं आपको उम्मीद दिलाता हूं कि बजट के अनुरूप ज्यादा से ज्यादा लाभुकों को चयनित करके हम लोग इस योजना का लाभ उनको देंगे। झारक्राफ्ट की एमडी कीर्तिश्री ने कहा कि झारक्राफ्ट की ओर से पहली बार स्टेट हैंडलूम एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है जिसमें 80 से अधिक स्टॉल हैं। देश के विभिन्न कोने से हमारी बुनकर कम्युनिटीज ने अपना स्टॉल लगाया है। यह एक्सपो बॉयर और सेलर के बीच में एक समन्वय स्थापित करने के लिए और बुनकर कम्युनिटीज को एक विश्व एवं राज्य स्तर पर एक पहचान दिलाने के लिए मंच है। यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जहां वे अपने सारे प्रोडक्ट्स को गुणवत्ता के साथ खरीद और बेच सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम सौभाग्य समझते हैं कि यह हैंडलूम एक्सपो ऑगेनाइज करने का हमें मौका मिला है। उन्होंने बताया कि करीब 15 दिनों तक चलने वाले इस एक्सपो में कुक्कुम धागे को बनाने की विधि और कपड़े की बुनाई का लाइव डेमोंस्ट्रेशन किया जाएगा। साथ ही अगले 15 दिनों तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन राज्य एवं अन्य प्रांतों के क्षेत्रीय कलाकारों द्वारा किया जाएगा। झारखंड सरकार द्वारा विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। हैंडीक्राफ्ट से लोगों को एक जोड़ा गया है। इस साल दिल्ली, कोलकाता, अयोध्या और मुंबई में भी हम हैंडीक्राफ्ट के शोरूम खोल रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 25 फरवरी से 10 मार्च तक यह स्टेट हैंडलूम एक्सपो चलेगा।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल से पूर्व सांसद ने की मुलाकात

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को पूर्व सांसद पीएन सिंह ने राज भवन में भेंट की है। जानकारी के अनुसार इस अवसर पर राज्यपाल को पूर्व सांसद ने धनबाद में आयोजित एक कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया है।

भाजपा ने मुख्यमंत्री आवास को ढहाने के मामले पर बोला हमला, उठाए सवाल

रांची : भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने प्रदेश की हेमंत सोरेन सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार दिल्ली की पूर्व सरकार से बहुत ज्यादा प्रेरित रहती है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के संबंध भी अति मधुर रहे हैं। केजरीवाल ने दिल्ली में अपने लिए शीश महल बनाना शुरू किया था। अब सूचनाओं आ रही हैं कि झारखंड में भी मुख्यमंत्री सोरेन इसी का अनुसरण करने जा रहे हैं। आधिकारिक मुख्यमंत्री आवास जिसमें पिछले ढाई दशकों में अनेक मुख्यमंत्री ने निवास किया, उसको भवन निर्माण प्रमंडल-1 ने टेंडर निकालकर जमींदोज कर दिया है। पूरे तरीके से भवन को ढहाने का काम जारी है। यह ऐतिहासिक धरोहर है क्योंकि झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री से लेकर अनेक मुख्यमंत्री ने यहां निवास किया था। प्रतुल शाह देव ने मंगलवार को दावा करते हुए कहा कि अब विभाग की लगातार उच्च स्तरीय बैठकें हो रही हैं ताकि नए भवन का डीपीआर बन सके। जो जानकारियां मिल रही है उसके अनुसार दिल्ली के शीश महल की तर्ज पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के लिए एक सभी आधुनिक सुख सुविधा से लैस शीश महल बनाने पर चर्चा चल रही है। प्रतुल ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास के परिसर में स्थित हनुमान मंदिर के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ बर्दाशत नहीं किया जाएगा। हनुमान मंदिर की भव्यता पर जरा भी आंच नहीं आनी चाहिए। सरकार को यह बात सुनिश्चित करनी चाहिए। प्रतुल ने कहा कि जिस प्रदेश में डेढ़ वर्षों में एक भी अबुआ आवास का गृह प्रवेश नहीं हुआ। जहां आज भी बड़ी संख्या में लोगों के सर पर छत नहीं है। ऐसे राज्य में इस तरह की अगर फिजूल खर्ची करने की सोची जा रही है तो यह प्रदेश के आदिवासी मूल निवासी जनता के साथ क्रूर मजाक होगा। प्रतुल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और सत्ताधारी गठबंधन से मांग की कि वो रांची में बनने वाले शीश महल को लेकर स्थिति स्पष्ट करें।

रिम्स में दिल में छेद का हुआ सफल इलाज

रांची : रिम्स रांची के सीटीवीएस विभाग में एक 35 वर्षीय महिला का सफल ओपन हार्ट सर्जरी की गई। मरीज के हृदय में जन्म से छेद था, जिसे चिकित्सकीय भाषा में एंट्रीवेंट्रीकुलर सेप्टिल डिफेक्ट (एवीएसडी) कहा जाता है। इसमें दिल में दो तरह के छेद होते हैं, जिसमें एक को एट्रियल सेप्टल डिफेक्ट और दूसरे को वेंट्रिक्युलर सेप्टल डिफेक्ट कहा जाता है। साथ ही मिट्रल और ट्राइक्यूस्पीड वाल्व की बनावट में भी खराबी होती है। ऐसी बीमारी का इलाज बचपन में ही हो जाना चाहिए था, लेकिन किसी कारणवश महिला इसका इलाज अब तक नहीं करा पाई थी। पलामू जिले से आई इस महिला को पिछले कुछ वर्षों से सांस फूलने, शरीर में सूजन और धड़कन तेज होने की परेशानी हो रही थी, जब डॉक्टरों ने उसकी इकोकार्डियोग्राफी और कार्डियक सीटी की तक उन्हें इस बीमारी का पता चला। एवीएसडी एक गंभीर और जानलेवा दिल की बीमारी है। ऐसी बीमारी में फेफड़े का दबाव बढ़ जाता है और रोगी की जान को बचाना मुश्किल होता है। महिला मरीज के दिल में दो छेद थे जिसे कॉमन एट्रियम और वीएसडी बोलते हैं मरीज के फेफड़े की नस का दबाव भी काफी बढ़ गया था, दिल का आकार सामान्य की तुलना में दो गुना बढ़ गया था और दिल के चारों ओर पानी भर गया था। पहले मरीज को स्थिति को दवाओं के माध्यम से स्थिर करने का प्रयास किया गया, लेकिन सुधार नहीं होने पर चिकित्सकों द्वारा जल्द ऑपरेशन करने के निर्णय लिया। रिम्स के सीटीवीएस विभाग में मरीज का इलाज आयुष्मान योजना के तहत निःशुल्क किया गया। सीटीवीएस विभाग के डॉक्टरों ने मरीज का ओपन हार्ट सर्जरी करके उनके मिट्रल वॉल्व और ट्राइक्यूस्पिीलड वाल्व का रिपेयर करके ठीक कर दिया और दिल के दोनों छेदों को बंद कर दिया। ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति ठीक है और उनके लक्षणों में काफी सुधार है। मंगलवार को मरीज को सीटीवीएस आईसीयू के रिकवरी वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया। सीटीवीएस टीम का नेतृत्व डॉ राकेश चौधरी ने किया। टीम में निश्चेतना विभाग से डॉ शिव प्रिये, डॉ मुकेश कुमार, सर्जरी विभाग से डॉ पूर्वा, डॉ रवीना, डॉ पशुपति और डॉ प्रिया शामिल थीं।

142वें सुंदरकांड का हुआ आयोजन

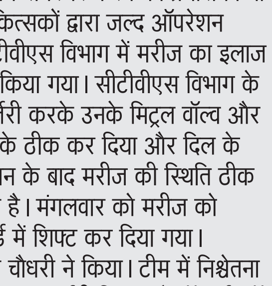

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में आज 142 वा श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया। जय जय जय हनुमान गोसाई कृपा करो गुरुदेव की नाही के गायन व बजरंग बली की जय जयकारों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। मंडल के महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने उपमंत्री अनिल नारनौली को बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित करवाई। उपमंत्री अनिल नारनौली ने केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया। श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की पूजा करके पाठ वाचकों का चंदन वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक ढपली के स्वर के साथ श्री गणेश वंदना कर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। सुंदरकांड का संगीतमय पाठ उपस्थित जनों से करवाया। भक्तजन श्री हनुमान जी की आराधना में लीन थे। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। श्री सुंदरकांड के पाठ के उपरांत पुनः श्री हनुमान चालीसा का पाठ करके महाआरती करके भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया। पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेड़ा सेवा श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद सेवा मुकेश मित्तल ने गिरिगोला सेवा एवम राजेश जयसवाल ने फल प्रसाद सेवा निवेदित की। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया श्रवन ढानढनिया सहित बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित थे। महाशिवरात्रि पर्व अनुष्ठान श्याम मंदिर हरमू रोड में शिवरात्रि के अवसर पर शायमेश्वर महादेव का जलाभिषेक प्रातः 5:30 बजे से महारुद्राभिषेक दोपहर 1:00 बजे से एवं विशेष श्रृंगार दर्शन संध्या 5:00 बजे से विशेष श्रृंगार आरती 7.15 से प्रसाद वितरण रात्रि 7.30 से होगा।

हर महिला को आर्थिक रूप से बनना चाहिए आत्मनिर्भर : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : पुरुष एवं महिला को अपनी प्रतिभा निखारने का समान अवसर मिलना चाहिए। साथ ही महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनना चाहिए। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा और वह किसी पर निर्भर नहीं रहेगी। यह बातें उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा ने मंगलवार को श्री श्री लक्ष्मी नारायण ट्रस्ट महिला महाविद्यालय में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अंतर्गत पीसी एंड पीएनडीटी उन्मुखीकरण कार्यशाला में बतौर मुख्या अतिथि कॉलेज की बी.एड. छात्राओं को संबोधित करते हुए कही। उपायुक्त ने बी.एड. छात्राओं से समाज की हर लड़की को उपरोक्त संदेश देकर उन्हें जागरूक करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा बेहतर समाज निर्माण के लिए लैंगिक समानता जरुरी है। इसके लिए कई ऐसे क्षेत्र है जहां ध्यान केंद्रित कर काम करना होगा। वहीं पीसी एंड पीएनडीटी पर प्रकाश डालते हुए उपायुक्त ने कहा कि भ्रूण जांच और लिंग निर्धारण दंडनीय अपराध है। उन्होंने इसके नैतिक, तकनीकी और कानूनी पहलू पर विचार प्रकट किए। साथ ही छात्राओं से इसे जानने और समान रूप से इस पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। कार्यशाला को जिला परिषद की माननीय अध्यक्ष शारदा सिंह ने भी संबोधित किया। कार्यशाला में उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा, जिला परिषद की अध्यक्ष शारदा सिंह, सिविल सर्जन डॉ चंद्र भानु प्रतापन, कार्यपालक दंडाधिकारी रविंद्र ठाकुर, डॉ विकास राणा, पूजा रत्नाकर, निता सिन्हा कॉलेज की 150 से अधिक बी.एड. छात्राएं उपस्थित थी।

एक नजर

वाहन जांच अभियान चलाकर डीटीओ ने वसूला 03.50 लाख जुर्माना

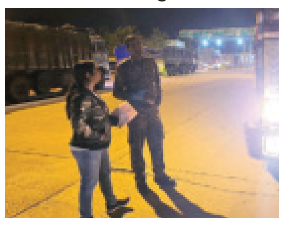

बोकारो : राष्ट्रीय राजमार्ग 23 पर बालीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत बालीडीह टॉल प्लाजा पर परिवहन विभाग द्वारा आज देर रात को चलाएं गए सघन वाहन जांच अभियान के दौरान 15 वाहनों से 03 .50 लाख का जूमार्ना वसूल किया गया। उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना सेजवलकर द्वारा जांच अभियान चलाकर मोटरवाहन अधिनियम के विभिन्न नियमों के उल्लंघन में कुल 15 वाहन से 03 .50 लाख रुपए जुमार्ना वसूला गया। डीटीओ के नेतृत्व में अभियान के तहत कुल 37 वाहनों की जांच की गई, जिसमें रिफ्लेक्टिव टेप, ओवर लोडिंग एवं टैक्स फेल होने को लेकर 15 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूला गया।

बांसगोरा शाखा कार्यालय में कमेटी का हुआ गठन

बोकारो : बांसगोरा के शाखा कार्यालय में कमेटी का गठन हेतु सजोजव प्रमुख बोकारो महानगर मंटू यादव जी के नेतृत्व में मंडली के प्रमुख दक्षिणी क्षेत्र मतुव लाल कीस्कु के अध्यक्षता में बैठक किया गया इस बैठक में मंटू यादव ने कहा की पार्टी के प्रति लोगो का विश्वास बढ़ा है जिनके चलते पार्टी में जोड़ने कों लेकर आम जनता में रुझान है। इस बैठक में पर्यवेक्षक के रूप में केंद्रीय सदस्य बी ,के चौधरी जी ,हसन इमाम ,फिरदोस अंसारी फेयाज आलम कन्हैया सिंह शांति सोरेन नबीन हेमररम मस्तान जावेद अख्तर प्रदीप सोरेन अजय हेम्ब्रम मौजूद थे जिसमें सर्वसहमती से साखा कॉमिटी का गठन किया गया जिसमे अध्यक्ष बिनोद पंड्या,सचिव संतोष मिश्रा ,कोसा अध्यक्ष सुमित कुमार, उपाध्यक्ष लखन ,श्याम लाल मुर्मूर,गोपी नाथ, तथा बासगोड़ा के सैकड़ों कार्यकताओं उपस्तिथ थे।

बोकारो स्टील सिटी के पुस्तकालय मैदान में बसंत मेला का हुआ आयोजन

बोकारो : स्टील सिटी के पुस्तकालय मैदान में दिनांक 08-09 मार्च को दो दिवसीय बसंत मेला का आयोजन किया जाएगा। बी एस एल द्वारा विभागीय स्तर पर इसकी तैयारी आरम्भ कर दी गई है। बसंत मेला में बोकारो स्टील प्लांट के विभिन्न विभाग की कार्यप्रणाली एवं अन्य जानकारी से लोगों को अवगत कराने के लिए स्टाल्स लगाएं जाएंगें। इनमें प्लांट के प्रमुख शॉप्स, बोकारो जेनरल अस्पताल, उद्यान, क्रीड़ा एवं नागरिक सुविधाएँ , अग्निशमन सेवाएं, सी एस आर, जन संपर्क जैसे विभागों की ओर से भी स्टाल्स लगाएं जाएंगें। बसंत मेला में पूरे देश की सभ्यता और संस्कृति की झलक को प्रस्तुत करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुति की जाएगी। इसके अलावा गीत-संगीत, रॉक बैंड जैसे मनोरंजक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। महिला समिति बोकारो की ओर से विविध वस्तुओं की प्रदर्शनी के साथ कमर्शियल स्टाल तथा फूड स्टाल भी लगाया जाएगा। बसंत मेला में कमर्शियल स्टाल की बुकिंग के लिए श्री पी एस सिंह, उप महाप्रबन्धक एवं श्री राकेश बाबू वेलपुरी, सहायक महाप्रबंधक से संपर्क किया जा सकता है।

दामोदर बचाओ आंदोलन ने जल एवं वायु प्रदूषण के मुद्दे पर 13 सूत्री मांग पत्र सौंपा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : लगातार बोकारो की विभिन्न समस्याओं खासकर जल एवं वायु प्रदूषण पर हो रहे असर को लेकर दामोदर बचाओ आंदोलन के बैनर तले आज उपयुक्त महोदया को 13 सूत्री मांग पत्र का सोपा गया इस मांग पत्र में औद्योगिक क्षेत्र में विभिन्न उद्योगों द्वारा वायु प्रदूषण पर रोकथाम के लिए उपकरण नहीं लगाया जा रहा है, वेदांत इलेक्ट्रो स्टील रोड में भारी वाहनों के कारण तेलगड़िया रोड पर वायु प्रदूषण हो रहा है, सीसीएल के बोकारो कारगरी क्षेत्र में गोदो नाला नंबर 4 के पास एस.टी.पी प्लांट लगाया जाए,बेरमो कोलांचल में कवर करके डंपर एवं ट्रैकों से कोल ट्रांसपोर्ट किया जाए, तेनुघाट थर्मल पावर स्टेशन ललपनिया द्वारा कतेल नदी का अस्तित्व समाप्त कर दिया गया है जिसे पूर्णजीवित किया जाए, तेनुघाट थर्मल पावर स्टेशन द्वारा एसिड युक्त पानी नालों द्वारा दामोदर नदी में गिराया जा रहा है, तेनुघाट थर्मल पावर लालपनिया धारा ऐश का पहाड़ खड़ा किया गया है, चास नगर निगम ना ही कचरा निष्पादन प्लांट लगा रहा है साथ ही साथ वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट नहीं होने के कारण विशुद्ध जल को नदी में प्रवाह किया जा रहा है, सभी मांगों को अभिलंब कार्रवाई करते हुए उचित व्यवस्था की जाए ताकि जल एवं वायु प्रदूषण को रोका जाए इस प्रतिनिधि मंडल में दामोदर बचाओ आंदोलन के बोकारो जिला संयोजक सुरेंद्र प्रसाद सिन्हा, अशोक जगनानी, शिवकुमार श्रीवास्तव, विक्रम कुमार महतो, गोपाल साह, आशीष कुमार महतो आदि लोग मौजूद रहे।

किशोरियों के बीच लाइफ स्किल प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : किशोरियों को नेतृत्व क्षमता विकास के लिए लाइफ स्किल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सहयोगिनी बोकारो के कसमार के द्वारा दुगार्पुर पंचायत सभागार में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर ने कहा कि कसमार प्रखंड के 30 गांव में किशोरी क्लब बनाकर उनके नेतृत्व क्षमता का विकास किया जा रहा है। साथ ही उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ने तथा महिला हिंसा रोक थाम पर काम किया जा रहा है। इसी क्रम में दुगार्पुर पंचायत के सभी गांव से 40 किशोरियों का आज लाइफ स्किल डेवलपमेंट को लेकर के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। रिसोर्स पर्सन प्रेम कुमार महतो ने बताया कि लड़कियों को अपने कैरियर के लिए लाइफ स्किल की समझ होनी चाहिए। तथा व्यक्तिगत विकास के लिए जीने के तरीको को समझने की जरूरत है। सहयोगिनी के समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने कहा कि सहयोगिनी द्वारा कसमार प्रखंड के 30 गांवों में किशोरी क्लब बनाकर उनके नेतृत्व क्षमता का विकास को लेकर विभिन्न गतिविधिया आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान सहयोगिनी के गौतम सागर, विनीता कुमार, कुमारी किरण, संगीता कुमार, प्रतिमा सिंह, रेखा देवी आदि उपस्थित थी।

रेलवे स्टेशन पर भटकती लड़की की बोकारो आरपीएफ ने की पहचान, परिजनों को सौंपा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : रेलवे स्टेशन परिसर नियमित चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध लड़की को रांची की ओर जाने वाली प्लेटफार्म संख्या एक फ्लाईओवर के पास संदिग्ध अवस्था में इधर-उधर घूमते देखा गया । ड्यूटी पर तैनात एएसआई आर.बी.यादव मेरी सहेली एलसी-भगवती और एलसी-शकीला ने जब उस लड़की से पूछताछ ही तो उसने अपना नाम उम्र 18 वर्ष, पुत्री-जितेंद्र साव, निवासी-रामडीह मोड़, पी एस-हरला, जिला-बोकारो की रहने वाली बताई उक्त लड़की ने बताया कि वह घर में बिना अपने परिजनों को सूचना दिए हुए घर से भाग गई है और गोमो जाने के लिए रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार कर रही है। बोकारो आरपीएफ द्वारा उक्त लड़की को अपने कस्टडी में ले उसके माता-पिता को इसकी सूचना दी गई।

श्रीराम क्लब द्वारा भव्य हरि नाम कीर्तन कार्यक्रम का हुआ समापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : यहां के सेक्टर 12 क्लब मोड़ पर श्रीराम क्लब द्वारा भव्य हरि नाम हरिक्रितन एव भंडारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य यजमान श्रीराम क्लब के संस्थापक अध्यक्ष रिंकू सिंह ने बताया कि श्री हनुमान मंदिर में प्रभु श्री हनुमान जी के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर श्री हरि कीर्तन के साथ भंडारे का आयोजन किया गया । हरि नाम महायज्ञ की 24 घंटे समापनोपरांत ब्राह्मण भोज के साथ साथ विभिन्न क्षेत्रों से आये दरिद्र नारायण भोज तथा वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोकारो पूर्व विधायक विरंची नारायण मौजूद रहे। रिंकू सिंह ने कहा कि ऐसे अध्यात्मिक आयोजन से शहरवासी एक जगह एकत्रित होकर भजन करो भोजन करो के आध्यात्मिक जुटान से पूरे क्षेत्र का वातावरण पूर्ण रूप से भक्तिमय रहा। भगवान श्री राम की पूजा आराधना कर बोकारो के साथ राज्य और राष्ट्र के उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस तरह के आयोजन से सनातनधर्मी को संगठित होने का एक सशक्त माध्यम है । श्रीहरि कीर्तन को सफल बनाने में चूमन कुमार, अमरनाथ पोद्दार, सोमेश पाण्डेय, भरत यादव, संतोष वरनवाल, संतोष कुमार,रंजय कुमार, शिव कुमार, गौरव कुमार, जितेन्द्र ठाकुर, सिकन्दर कुमार, पिंटू ,श्री राम जी, उत्पल सिंह, उज्जवल कुमार, शैलेश सिंह, पप्पू कुमार, गोलू कुमार, रंजय कुमार, गौतम विशाल,अजय आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

साहित्यकार प्राणेश कुमार के निधन पर जनवादी लेखक संघ ने शोक सभा आयोजित कर दी श्रद्धांजलि

बोकारो : जनवादी लेखक संघ के वरिष्ठ साहित्यकार एवं झारखंड के उपाध्यक्ष प्राणेश कुमार अब हमारे बीच नहीं रहे। विगत 20 फरवरी को 2025 को प्रातः उनका निधन हो गया। वे लम्बे समय से कैंसर जैसी घातक बीमारी से जूझ रहे थे। उन्हें स्मरण करने के लिए सोमवार की शाम सेक्टर 4 एफ में कवि कथाकार प्रहलाद चन्द्र दास के आवास पर शोक सभा का आयोजन किया गया।इस अवसर पर बोकारो शहर के अनेक साहित्यिकार उपस्थित हुए। इस अवसर पर कवि गोपाल प्रसाद ने उन्हें याद करते हुए कहा कि प्राणेश कवि के साथ साथ कई पत्र-पत्रिकाओं के संपादक रहे हैं। वे छंद और मुक्त छंद में कविताएं लिखते थे। वे झारखंड जलेस के महत्वपूर्ण सूत्रधार थे। लेखक प्रहलाद चन्द्र दास ने कहा कि वे हमारे संगठन के महत्वपूर्ण सदस्य थे। वे नवोदित लेखकों को हमेशा लिखने के लिए प्रोत्साहित किया करते थे।

दो मजदूरों को बंधक बना बेहरमी से पिटाई, पूर्व जिप अध्यक्ष पर लगा आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : धनबाद के पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष रॉबिन चंद्र गोराई पर निरसा में दो मजदूरों के साथ मारपीट करने का गंभीर आरोप लगा है। आरोप है कि रॉबिन गोराई ने पहले दोनों मजदूरों को पैसे देने के लिए बुलाया, फिर अपने 10-20 समर्थकों उन्हें रस्सी से बंधवाया और जमकर पिटाई। बाद में उन पर कारखाने से लोहा चोरी का झूठा मामला दर्ज करा दिया। पुलिस ने दोनों घायल मजदूरों को एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया। कंचनडीह गांव के रहने वाले घायल मजदूर इमामुद्दीन और इम्तियाज ने अस्पताल में मीडिया को बताया कि रॉबिन चंद्र गोराई के पास उनका तीन साल पहले किए गए काम का पैसा बकाया था।

उन्होंने कहा कि हम दोनों मजदूर रविवार को रॉबिन गोराई के पास पैसा मांगने गए थे। वहां गोराई ने दोनों को बंधक बना लिया और अपने समर्थकों के साथ मिलकर लोहे की रॉड से पिटाई की। रॉबिन गोराई और उनके समर्थकों ने न सिर्फ उन्हें पीटा, बल्कि लोहा चोरी का झूठा केस दर्ज करा दिया। एग्यारकुंड के जिला परिषद सदस्य गुलाम कुरैशी, राजद नेता नईम खान सहित कई लोग घायलों से मिलने मंगलवार को अस्पताल पहुंचे। उन्होंने जिला प्रशासन से पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष रॉबिन गोराई के खिलाफ 24 घंटे के अंदर कार्रवाई की मांग की है।

महाकुंभ से लौट रही क्रेटा ने ऑटो को मारी टक्कर, चालक की मौत, 4 लोग घायल

धनबाद : महाकुंभ से लौट रही एक क्रेटा कार ने मंगलवार की सुबह धनबाद में एक ऑटो को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में ऑटो चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ऑटो पर सवार चार लोग घायल हो गए। यह हादसा धनबाद जिले के गोविंदपुर में एनएच-19 पर हुआ। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच भेजा गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल के बाद मृत ऑटो चालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच भेज दिया। साथ ही दोनों वाहनों को जब्त कर गोविंदपुर थाना ले गई। मृत चालक की पहचान जीतेंद्र राय के रूप में हुई। वह गोविंदपुर छठ तालाब के पास का रहने वाला था।

संक्षिप्त खबरें

ट्रक की चपेट में आने से दीपक यादव की घटनास्थल पर ही मौत

धनबाद : सोनारडीह के लड़कों द्वारा शिवरात्री का चंदा काटने के दौरान गाड़ी की चपेट में आने से मोत और चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया मगर ग्रामीणों पीछा कर महुदा थाना अंतर्गत गाड़ी संख्या RJ26RA7549 को पकड़ है। मृतक के परिजनों के द्वारा सड़क जाम कर दिया गया है जिससे NH 32 पूर्ण रूप से जाम हो चुकी है। दीपक यादव 19 वर्षीय सोनारडीह का निवासी है। घटनास्थल पर परिजन मुआवजा की मांग कर रहे हैं। घटनास्थल पर सोनारडीह OP पुलिस दल बल के साथ पहुंच चुके हैं और परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

बोलेरो व मोटरसाइकिल के टक्कर में तीन नाबालिक गंभीर रूप से घायल

धनबाद : तेतुलमारी राजगंज मुख्य मार्ग टिलाटॉड पहाड़ी गोलाई के समीप महिंद्रा बोलोरो व टीवीएस राइडर मोटरसाइकिल में सीधी टक्कर से तीन नाबालिक युवक हुए गंभीर घायल। क्या है मामला : मंगलवार की सुबह करीब साढ़े नौ बजे गंडुआ निवासी अजीत कर्मकार व अपने दो साथी के साथ मोटरसाइकिल संख्या JH10DA 1386 से मैट्रिक की परीक्षा देने के लिए राजगंज के आर आर बी स्कूल के निकला था। उक्त घटना असंतुलित होकर बोलोरो गाड़ी संख्या JH10CW 5608 में गोलाई में पास आपस में सीधी टक्कर हो गई। मौके पर राजगंज पुलिस व तेतुलमारी पुलिस पहुंची। पुलिस व स्थानीय लोगों की मदद से ईलाज के लिए धनबाद भेज दिया। दोनों वाहनों को राजगंज पुलिस ने जब्त कर थाने ली आई। मौके से बोलोरो ड्राइवर भाग निकला।

सात सूत्री मांगों को लेकर सुरक्षा प्रहरी कर्मचारी संघ का धरना

धनबाद : भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध सुरक्षा प्रहरी कर्मचारी संघ के द्वारा मंगलवार को सात सूत्री मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना आईआईटी आईएसएम के मुख्य गेट पर दिया गया। संघ के कार्यकताओं ने जमीन पर बैठकर प्रबंधन के विरुद्ध अपनी मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में संघ के सैकड़ों सुरक्षा प्रहरी उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता गोरख राम ने एवं संचालन महामंत्री प्रभात कुमार सिंह ने किया। धरणा को सफल करने के लिए भारतीय मजदूर संघ धनबाद जिला के अध्यक्ष सुनील कुमार,मंत्री धर्मजीत चौधरी एवं कई कार्यकताओं ने अपना सहभागिता दिया। धरनार्थियों ने बताया कि धरना की पूर्व सूचना आईएसएम प्रबंधन, एस डी एम धनबाद को दी गई थी। इसके बावजूद धरना स्थल पर आईआईटी प्रबंधन एवं स्थानीय पुलिस के द्वारा सुरक्षा प्रहरी कर्मचारी संघ के धरना को असफल करने का काफी प्रयास किया गया। प्रबंधन अगर 7 सूत्री मांगों पर तुरंत विचार नहीं करती है तो चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी। बताया गया कि संघ का एक प्रतिनिधिमंडल भारतीय मजदूर संघ के केंद्रीय नेतृत्व के साथ मिलकर शीघ्र ही मंत्रालय में मंत्री से मिलने का समय लेगी और अपने समस्याओं को लेकर उनसे वार्ता करेगी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मनोज साव,जितेंद्र सिंह, तेजनारायण शर्मा,अरविंद सिंह,इंद्रजीत सिंह,दीपक ओझा,लालजीत भारती,बजरंग शर्मा का सहयोग रहा।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, लाखों का सामान जलकर राख

साहिबगंज/मंडरो : मिजाचौकी के चैती दुर्गा मंदिर के पास स्थित चंदन इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान में मंगलवार दोपहर करीब एक बजे अचानक आग लग गयी। बताया जा रहा है कि, आग लगने का कारण बिजली का शॉर्ट सर्किट था। दुकान के बाहर काम कर रहे अन्य मिस्त्रियों ने जब दुकान के अंदर से धुआं निकलते देखा, तो उन्होंने तुरंत इसकी सूचना दुकान मालिक चंदन कुमार महतो को दी। सूचना मिलते ही चंदन कुमार महतो मौके पर पहुंचे और दुकान का शटर खोलकर आग बुझाने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि मंगलवार को खेती-बाड़ी के काम के कारण दुकान बंद थी, लेकिन दोपहर में सूचना मिली कि दुकान से धुआं निकल रहा है। जब उन्होंने दुकान का शटर खोला, तो अंदर आग लगी हुई थी, जिसमें टीवी, इन्वर्टर, बैटरी समेत लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। इसके बाद तुरंत मिजाचौकी थाना पुलिस को घटना की जानकारी दी गयी।

कुकडू में पंचायत समिति की हुई बैठक

ईचागढ़ : मंगलवार को कुकडू प्रखंड कार्यालय सभागार में प्रमुख प्रतिमा वाला पातर की अध्यक्षता में पंचायत समिति की बैठक हुई। बैठक में कुकडू प्रखंड की बीडीओ राजश्री ललिता बाखला, उप प्रमुख मोहम्मद एकराम भी मौजूद रहे। बैठक में प्रमुख प्रतिमा वाला पातर ने बारी-बारी से आबुआ आवास, पीएम आवास, मनरेगा, जेएसएलपीस, बाल विकास विभाग आदि विभागों की समीक्षा की। वहीं बैठक में वन विभाग, पेयजल विभाग, पुलिस विभाग जैसे विभाग के कोई भी प्रतिनिधि बैठक में शामिल नहीं हुए। जिसपर प्रमुख प्रतिमा वाला पातर बीफरी हुई नजर आयी और अनुपस्थित रहने वाले विभागो के कर्मियों और पदाधिकारियों को स्पष्टीकरण भेजने का निर्देश दिया। मौके पर जेई भोलानाथ महतो, जेई तुलसी कालिंदी समेत पंचायत समिति सदस्य और प्रखंड एवं अंचल के कर्मी मौजूद थे।

एक नजर

फोर व्हीलर ने ई रिक्शा को मारी टक्कर, चालक गंभीर रूप से घायल

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के बड़ा लोहंडा में तेज रफ्तार से आ रहे फोर व्हीलर ने पीछे से ई रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। इसमे सवार महिला व ई-रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिरवाबाड़ी पेट्रोल पंप के पास के रहने वाले सत्यजीत प्रसाद की पत्नी शोभा देवी (35) वर्षीय व ई रिक्शा चालक सोती चौकी खुटहरी के रहने वाला प्रमोद चौधरी (38) वर्षीय है। घायल महिला ने बताया कि वे लोहंडा में ई रिक्शा पर बैठी थी कि पीछे से एक फोर व्हीलर ने जोरदार धक्का मार दिया। इसमे टोटो क्षतिग्रस्त हो गया। वही संबंधित थाना पुलिस को घटना की सूचना दे दे गई थी और पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पीड़ितों से नहीं है सीपी चौधरी की सहानुभूति आपदा में ढूंढ रहे अवसर : कांग्रेस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ जिले के चितरपुर प्रखंड में दो समुदायों के बीच उत्पन्न तनाव को लेकर कांग्रेस भी अब मुखर हो गया है। मंगलवार को पूरे घटनाक्रम पर पार्टी के पूर्व प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। उन्होंने कहा कि दो समुदायों के लड़का और लड़की प्रेम संबंध में एक साथ केरल चले गए हैं। इस मामले में भाजपा और आजसू लगातार बेबुनियादी बातें कर रहा है। सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी को उस परिवार के प्रति सहानुभूति नहीं है, जिसकी बेटी दूसरे समुदाय के बेटे के साथ केरल चली गई। वह इस आपदा में अपने जनाधार को एकजुट करने का अवसर ढूंढ रहे हैं। जिस तरह की उनकी भूमिका है, उससे यह स्पष्ट है कि वह सिर्फ राजनीतिक महत्वाकांक्षा पूरी करना चाहते हैं। शहजाद अनवर ने कहा कि सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी इतने सक्षम हैं कि वे राज्यपाल, मुख्यमंत्री, प्रधान सचिव, डीजीपी और यहां तक के केरल के प्रधान सचिव तथा डीजीपी से बात कर सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा ना कर सीधे आंदोलन पर उतर आए। कांग्रेस के वरीय नेता शहजादा अनवर ने 16 वर्ष पूर्व की घटनाओं की याद दिलाई, जहां बच्चियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म हुए थे। यह घटनाएं तब हुई थी, जब चंद्र प्रकाश चौधरी रामगढ़ के विधायक थे और प्रदेश में मंत्री पद पर आसीन थे। लेकिन वह कहीं नजर नहीं आए। उस वक्त भी कांग्रेस ने ही पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए पहल की थी। अनवर ने कहा कि वह ऐसी घटनाओं को प्रोत्साहन नहीं देते बल्कि ऐसी स्थिति से लोगों को बचाने की ही सलाह देते हैं ताकि सामाजिक विद्वेष न फैले। इस मौके पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुन्ना पासवान, कार्यकारी जिला अध्यक्ष पंकज तिवारी सहित कई लोग मौजूद थे।

बीडीओ ने किया परीक्षा केंद्र का निरीक्षण

पटमदा : जैक के द्वारा आयोजित मैट्रिक और इंटर की परीक्षा केंद्र का पटमदा बीडीओ शशि नीलिमा डुंगडुंग ने निरीक्षण करते हुए परीक्षा केंद्र में परीक्षा दे रहे छात्रों का मनोबल बढ़ाया।वही छात्रों के बेहतर परिणाम की कामना की। इस दौरान बीडीओ शशि नीलिमा डुंगडुंग, एई सुमित कुमार,प्राचार्य प्रियंका झा,शिक्षक गोपेश्वर रजक, प्रबोध सहित शिक्षक उपस्थित थे।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, रामगढ़
-: सूचना :-
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि PR No. 346889 में प्रकाशित ई निविदा सूचना संख्या–RDSD/ RAMGARH/ 09/2024-25](Sports) रामगढ़ जिलान्तर्गत चितरपुर प्रखण्ड के ग्राम / पंचायत–बोरोबिंग में प्रखण्ड स्तरीय स्टेडियम निर्माण । जिसका वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– 27.02.2025 से प्रारम्भ था। जिसे अपरिहार्य कारणवश स्थगित किया जाता है।
कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल,
रामगढ़।
PR.NO.347177 Rural Development(24-25):D

आरसीसीएफ सतीश चंद्र राय ने किया झील का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक सतीश चंद्र राय ने उधवा झील का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने झील और उसके आसपास चल रहे कार्यों की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस मौके पर वन संरक्षक उमेश शाहनी, वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग, रेंजर पंचम दुबे, वन रक्षी इंद्रजीत सहित अन्य वनकर्मी उपस्थित थे। अधिकारियों ने झील के संरक्षण, जैव विविधता और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के संबंध में चर्चा की।आरसीसीएफ सतीश चंद्र राय ने झील के पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित करने के लिए ठोस कदम उठाने पर जोर दिया और वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि झील के सौंदर्यीकरण और जलस्तर बनाए रखने के लिए उचित उपाय किए जाएं। उन्होंने कहा कि यह झील क्षेत्र के पर्यावरण और वन्यजीवों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए इसके संरक्षण में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान वन अधिकारियों ने झील क्षेत्र में चल रही योजनाओं की जानकारी दी और आगे की कार्ययोजना पर चर्चा की। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि झील के संरक्षण और सौंदर्यीकरण के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

कलशयात्रा के साथ रुद्र महायज्ञ सह शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया (गिरिडीह) : सरिया प्रखण्ड क्षेत्र के नावाडीह में तीनदिवसीय रुद्र महायज्ञ सह शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का शुभारंभ मंगलवार को कलशयात्रा के साथ हुई। कलशयात्रा यज्ञ मंडप सह मंदिर प्रांगण से शुरू होकर बागोडीह मोड,जनकपुरी होते हुए राजदाहधाम स्थित उत्तरवाहिनी बराकर नदी तट पर पहुंचे जहां वाराणसी से आये आचार्य पं.लवकुश द्विवेदी ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ सभी कलशों में जल भरवाया। पुनः जल लेकर कलशयात्री यज्ञ मंडप पहुंचे। जहां मंडप प्रवेश कराया गया। इस कलशयात्रा में 501 कुंवारी कन्या व महिला पीले वस्त्र पहनकर शामिल हुई। यज्ञाचार्य पं.लवकुश द्विवेदी ने बताया कि यज्ञ से वातावरण शुद्ध होता है। पूरे विश्व में सिर्फ सनातन धर्म ही एक ऐसा धर्म है जो समस्त जीव जगत का कल्याण चाहता है। मौके पर दुर्गा प्रसाद, सुदामा प्रसाद, अनिल पाण्डेय, अभिषेक पाण्डेय, दशरथ पासवान, भुवनेश्वर पासवान, रामदेव यादव, बालेश्वर यादव, राजदेव यादव, नंदलाल महतो, नरेश पासवान, आरती देवी, गुडिया देवी, सरिता देवी समेत अन्य लोग शामिल थे।

गौड़ बस्ती में शिवलिंग स्थापना का प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम आयोजित

पटमदा : पूर्वी सिंहभूम जिले के एमजीएम थाना क्षेत्र के डांगा गौड़ बस्ती में महाशिव रात्रि के पावन अवसर पर शिवलिंग स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जानकारी देते हुए कमिटी के सानंद प्रधान ने बताया कि महाशिवरात्रि के अवसर पर शिवरात्रि के दिन बुधवार को कलश यात्रा शिवलिंग स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होगा।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची
सर्वसाधारण के लिए सूचना

नाम–रीनु कुमारी,
उम्र–24 वर्ष,
रंग–गोरा,
ऊँचाई–5 फीट,
पहनावा–नेभी ब्लू रंग का सलवार एवं पैजामा, पहनी हुई है।

उपरोक्त लापता महिला रीनु कुमारी, उम्र–24 वर्ष, पिता–कजरू करमाली, सा0–दुन्डाहोली, थाना–ओरमॉझी, जिला–राँची जो दिनांक–11.02.2025 को घर से ओरमॉझी बाजार जाने को कहकर निकली जो आजतक अपने घर वापस नहीं आई है। जिसके संबंध में ओरमॉझी थाना सन्हा संख्या–24 / 2025, दिनांक–14.02.2025 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।
अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता महिला कहीं मिलती / दिखती है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।
Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)
पुलिस उपाधीक्षक, सिल्ली, राँची। –9431770066
थाना प्रभारी ओरमॉझी, राँची। –9431706183
पुलिस उप–महानिरीक्षक–सह–वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची
PR 347189 Police(24-25)#D

शिक्षा के साथ चित्रांकन में बच्चों ने दिखाया प्रदर्शन

पटमदा : शिक्षा के साथ स्कूली बच्चों और क्षेत्र के जिज्ञासु बच्चों के बीच प्रतिभा प्रदर्शन करने के उद्देश्य से वीणा पाणी विद्या मंदिर कटिन के द्वारा बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्र में बसे कश्मार गांव में चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।सभी बच्चों को विभिन्न प्रकार के मुद्दे से जुड़ी चित्र बनाने के साथ अपने पसंद के चित्र बनाने को दिया गया। इस दौरान सभी पटमदा के विभिन्न गांवों से स्कूली बच्चों ने इस चित्रांकन प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर बेहतर प्रदर्शन दिखाया। बेहतर प्रदर्शन करने वाले में प्रथम स्थान रिजु तिवारी,द्वितीय स्थान शुभ्रा तिवारी,तृतीय स्थान सिद्धार्थ त्रिपाठी ने प्राप्त किया।

e-Procurement Cell
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER,
SPECIAL WORKS DIVISION, BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT,Ranchi
CORRIGENDUM
e-Procurement Tender Reference No:- BCD/EE, Special Works Div, BCD, Ranchi-42/2024-25 Date:-08.01.25, PR No- 343893 Building (24-25). D Construction of Boundary Wall (750'0") with Camp Office at Proposed New Jharkhand Bhawan Site, Navi Mumbai, Maharashtra कार्य के लिए वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि, बिड प्राप्ति की अन्तिम तिथि एवं निविदा खोलने की तिथि में कतिपय कारणों से संशोधन किया जा रहा है जिसका विवरणी निम्नवत है:–

क्र0 सं0	मद	तिथि	संशोधित तिथि
1	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	16.01.2025	27.02.2025
2	बिड प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि	30.01.2025	11.03.2025
3	निविदा खोलने की तिथि	31.01.2025	12.03.2025

शेष सभी शर्तें यथावत रहेंगी।
Nodal Officer,
e-Procurement Cell,
Office of the Executive Engineer,
Special Works Division
Building Construction Department,Ranchi .
PR 347206 Building(24-25).D

साहेबगंज के 50 मशरूम उत्पादक किसानों का प्रशिक्षण एवं परिभ्रमण कार्यक्रम संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : आत्मा, साहेबगंज द्वारा जेएसएलपीएस के सहयोग से जिले के 50 मशरूम उत्पादक किसानों का प्रशिक्षण एवं परिभ्रमण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न किया गया। यह कार्यक्रम चांडिल स्थित टी.आर.सी.एस सेंटर में आयोजित किया गया, जिसमें किसानों को उन्नत मशरूम उत्पादन तकनीकों की जानकारी दी गई। इस दौरान किसानों ने जमशेदपुर के डिमना में मशरूम बीज उत्पादन प्रयोगशाला का दौरा किया और मशरूम उत्पादन में उपयोग होने वाली सामग्रियों एवं यंत्रों का अवलोकन किया। साथ ही, उन्होंने इदल (खरसावां) में मनोज कुमार के बड़े पैमाने पर संचालित ओएस्टर मशरूम फार्म को देखा और उससे सीख ली। इसके अतिरिक्त, किसानों ने पटमदा की हाईटेक नर्सरी का भ्रमण किया, जहां उन्नत किस्म के फलों, सब्जियों एवं फूलों के पौधे विकसित किए जा रहे हैं। इस नर्सरी में ग्रीन हाउस और बायोफ्लक जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। किसानों को चांडिल डैम में स्थित केज कल्चर का भी अवलोकन कराया गया और उसकी उपयोगिता पर जानकारी दी गई।परिभ्रमण के दौरान, प्रतिभागियों ने खूंटी जिले के भवानीपुर स्थित प्रभाकर कुमार के ऐप एग्रीगेट मशरूम फार्म का भी भ्रमण किया, जहाँ मशरूम से बने बिस्कुट, नमकीन, लड्डू आदि खाद्य उत्पादों के निर्माण स्थल तथा मशरूम बीज उत्पादन केंद्र का निरीक्षण किया। इस कार्यक्रम से किसानों में भारी उत्साह देखा गया और वे मशरूम को अपनी आय का एक महत्वपूर्ण साधन बनाने के लिए प्रेरित हुए।

ऑटो के धक्के से एक वृद्ध महिला घायल

साहिबगंज/राजमहल : उधवा–राजमहल मुख्य मार्ग पर प्रखंड कार्यालय के सामने मंगलवार को एक ऑटो के धक्के से एक 60 वर्षीय वृद्ध महिला घायल हो गई। मिली जानकारी के अनुसार शहर के नया बाजार निवासी शारदा देवी (60) प्रखंड कार्यालय से किसी काम के लिए गई हुई थी वहां काम पूरा होने के बाद आपस पैदल अपने घर लौट रही थी। उसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ़्तार ऑटो चालक ने अनियंत्रित होकर उक्त वृद्ध महिला को धक्का मार दिया। जिससे वह बीच सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गई। जिसे राहगीरों एवं परिजनों की मदद से इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सको द्वारा प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर स्थिति में बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। पुलिस को सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच कर चालक को हिरासत में ले लिया है और ऑटो को जप्त कर लिया है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

काम के दौरान हाइटेंशन तार के करंट से राजमिस्त्री की मौत

साहिबगंज/उधवा : तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के बाकुड़ी पंचायत अंतर्गत पत्नीबोना गांव में मंगलवार को निमार्णाधीन मकान में काम करने के दौरान हाइटेंशन तार की चपेट में आने से एक राजमिस्त्री की मौके पर ही मौत हो गयी। मृतक की पहचान राधानगर थाना क्षेत्र के केलाबाड़ी गांव निवासी 32 वर्षीय पंकज कुमार साहा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, पंकज कुमार साहा पेशे से राजमिस्त्री थे। परिजनों ने बताया कि वह रोज की तरह मंगलवार सुबह करीब 8 बजे काम करने के लिए पत्नीबोना गांव गए थे। काम के दौरान वह मकान की छत पर कार्य कर रहे थे, जहां से हाइटेंशन तार गुजर रहा था। इसी दौरान अचानक वह करंट की चपेट में आ गये और छत से नीचे गिर गये, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गयी। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और शव को पैतृक गांव ले आये। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। घटना की खबर पाकर तीनपहाड़ थाना के एएसआई ललन रजवार पुलिस बल के साथ मृतक के घर पहुंचे और परिजनों से घटना की जानकारी ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। मृतक पंकज कुमार साहा अपने पीछे पत्नी डोली देवी और तीन छोटे बच्चों को छोड़ गये हैं।

गर्लफ्रेंड को प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने के लिए किया था पेपर लीक

कोडरमा : जैक की ओर से आयोजित परीक्षा का पेपर लीक क्या महज गर्लफ्रेंड को प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने का ही मामला था। अबतक जो कहानी बताई जा रही है, उससे तो यही लगता है। पर पूरी सच्चाई तो गम्भीरता से छानबीन के बाद ही सामने आएगी। इस मामले में गिरिडीह से गिरफ्तार आरोपी कमलेश और मुकेश ने पूछताछ में बताया कि उनलोगों ने गाड़ी से प्रश्नपत्र खाली कर स्ट्रांग रूम तक पहुंचाने के क्रम में सीढ़ियों पर प्रश्नपत्र के बंडल की सील फाड़कर उससे परीक्षा में आने वाले हिंदी और विज्ञान के प्रश्नपत्रों निकाल लिये। जानकारी के मुताबिक इस मामले में पकड़े गए कमलेश ने अपनी गर्लफ्रेंड को प्रश्नपत्र देने के लिए ऐसा किया था। उसने बताया कि जब उसकी गर्लफ्रैंड ने प्रश्नपत्र पाने की इच्छा जाहिर की तो इन लोगों ने प्लान तैयार करना शुरू किया। इनलोगों ने रांची से प्रश्नपत्र लेकर आए वाहन को खाली कराने की जिम्मेदारी जिस ठेकेदार को मिली थी, उससे मुलाकात की और वाहन खाली करने की इच्छा जाहिर की।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, सिमडेगा
अति–अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना सं० – 09 / 2024–25 (प्रथम आमंत्रण)
ई–निविदा

1.	विभाग का नाम	:–	पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, सिमडेगा
2.	निविदादाता का पदनाम एवं पता	:–	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, सिमडेगा
3.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	:	01.03.2025 को अपराह्न 11:00 बजे तक।
4.	बीड प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	:–	07.03.2025 को अपराह्न 05:00 बजे तक।
5.	सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई– गवर्नेंस, झारखण्ड मंत्रालय, के ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के आलोक में विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि Online जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	:	07.03.2025 को अपराह्न 05:00 बजे तक।
6.	निविदा खोलने की तिथि एवं समय (तकनीकी बीड)	:–	08.03.2025 को अपराह्न 11:00 बजे।
7.	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम	:	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, सिमडेगा।
8.	प्रोक्योरमेंट कार्यालय का सम्पर्क नं०	:–	06525–350233
9.	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन नं०	:–	06525–350233

कार्य विवरणी

क्र०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू०में)	अग्रधन की राशि (रू०में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू०में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1.	पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल सिमडेगा में चापाकलों की मरम्मति एवं सम्पोषण कार्य हेतु क्रय आवश्यक 125 x 125 मि.मि. व्यास के डेड पम्प I.M.-II & I.M.-III (65 पि.पि. एवं 50 पि.पि.) के लिए अद्यतन संशोधित IS-15500 (पार्ट– 1–7) / 2004 के अनुसार राइजर पाइपों की आपूर्ति का कार्य वर्ष 2024–25 हेतु	4728000.00	95000.00	5000.00	31.03.2025

निविदा की नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी वेबसाइट http://jharkhandtenders.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।
निविदा संबंधी आवश्यक जानकारी अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, सिमडेगा
PR 347225 Simdega(24-25).D

फुटबॉल खेल का तनवीर आलम ने किया उद्घाटन

बरहरवा : मंगलवार को प्रखंड क्षेत्र के बटेल बड़ा ग्राम पंचायत में तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन झारखंड प्रदेश अध्यक्ष तनवीर आलम ने विधिवत फीता काटकर उद्घाटन किया एवं खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर उसका फुटबॉल को हवा में उछाल कर हौसला बढ़ाते हुए सभी खिलाड़ियों को अच्छा प्रतिभा दिखाने का हौसला अफजाई किया। इस फुटबाल टूर्नामेंट को देखने के लिए दूर दराज से आए हुए लोग एवं आसपास के लोगों का भिड़ उमड़ रही थी। राज्य सरकार खेल के प्रति जागरूक लगातार कर रहे हैं ताकि खेल कूद के माध्यम से शारीरिक स्वास्थ्य एवं शारीरिक लाभ मिल पाए एवं उसे आगे जाकर अपने लिए एवं परिवार के लिए कुछ कर गुजरने का मौका मिले और हमारे देश के लिए इंटरनेशनल स्तरीय में खेलने का मौका मिले एवं हमारे देश का नाम रोशन करने का मौका मिले।

रिसोड़ समेकित कृषि संकुल का उन्मुखीकरण संपत्ति वितरण सह उद्घाटन समारोह का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : विधायक प्रतिनिधि बरकत खान,प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक दास, जिला कार्यक्रम प्रबंधक मतीन तारिक, जिला आजीविका प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार, बीपीएम फैज आलम के उपस्थिति में रिसोड़ संकुल कार्यालय मंगलवार को एक दिवसीय रिसोड़ समेकित कृषि संकुल का उन्मुखीकरण,संपत्ति वितरण सह उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जिला कार्यक्रम प्रबंधक जेएसएलपीएस मतीन तारिक के द्वारा बताया गया की बरहरवा प्रखंड मे कुल दो समेकित कृषि संकुल का गठन किया गया है। समेकित कृषि संकुल के तहत चयनित किसान को तीन से चार आजीविका गतिविधि से जोड़ा जायेगा। हर समेकित कृषि संकुल में 250-300 किसान को जोड़ना है जिसमें किसान की आय 1.5 लाख से 2 लाख कराना है और परियोजना 36 माह तक चलेगा। समेकित कृषि संकुल अंतर्गत आजीविका सेवा केंद्र स्थापना करना है, इसमें किसानों को समेकित कृषि सेक्टर के सफल मॉडल को अपनाया जायेगा। विधायक प्रतिनिधि बरकत खान के द्वारा बताया गया कि इस समेकित कृषि संकुल के गतिवधि को सुचारु रुप से गांवों में क्रियान्वित कर इस परियोजना से किसानों को जोड़ने के संबंध में अपना विचार रखा तथा चयनित गांवों में बैठक कर योग्य लाभुकों का चयन करने पर जोर दिया गया तथा महिलाओ को रोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया एवं छूटी हुई दीदियों को सखी मंडल से जुड़ने के लिए भी जागरूक किया। प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक दास के द्वारा बताया गया कि समेकित कृषि क्लस्टर में तहत जेएसएलपीएस के द्वारा अच्छी योजना आयी है इसका लाभ सभी खेती बाड़ी तथा पशुपालन से जुड़े महिलाएं अवश्य ले तथा प्रशिक्षण प्राप्त करके आत्मनिर्भर बने।

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
झारखण्ड शिक्षा परियोजना, सिमडेगा
नए समाहरणालय भवन, ब्लॉक–ए,द्वितीय तल्ला
दूरभाष: 06525–225835 फैक्स: 225836
E-mail:- ssasimdega@yahoo.co.in
पत्रांक :
दिनांक:
झारखण्ड शिक्षा परियोजना, सिमडेगा।
जिले में संचालित 03 मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों (CM SOE) में नामांकन से संबंधित संशोधित सूचना:–
राज्य परियोजना निदेशक, झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद, राँची के पत्रांक ME/01/1183/2023/651 दिनांक 20.02.2025 के आलोक में PR No. 346569 Simdega(24-25) D के द्वारा प्रकाशित सूचना में आंशिक संशोधन करते हुए जिले में संचालित 03 मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों (CM SOE) में शैक्षणिक सत्र 2025–26 में विद्यालयवार नामांकन के लिए सुयोग्य छात्र–छात्राओं से निम्नवत् रूप से आवेदन आमंत्रित किया जाता है:–

Sl. No.	Name of CM SOE	U_dise Code	Class wise Vacant Seats							Total
			Class - 6	Class -7	Class -8	Class -9	Class -11			
							ARTS	COMMERCE	SCIENCE	
1	District CM School of Excellence, Simdega	20210417707	80	4	1	54	120	45	45	349
2	CM School of Excellence Girls, Simdega	20210417713	40	0	0	40	90	45	0	215
3	KGBV CM School of Excellence, Simdega	20210417011	25	0	0	0	0	0	0	25
Total			145	4	1	94	210	90	45	589

इच्छुक छात्र / छात्राओं तथा उनके अभिभावकों से अनुरोध है कि वे दिनांक 28.02.2025 तक अपना आवेदन ऑनलाईन अथवा ऑफलाईन मोड में राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा निर्गत दिशा–निदेश के अनुरूप किया जा सकता है। नामांकन हेतु ऑनलाईन आवेदन झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद्, राँची के अधिकारिक वेबसाईट :–https://evidyavahini.jharkhand.gov.in/student Admission के पोर्टल पर वांछित अभिलेखों के साथ किया जा सकेगा। आवेदन संबंधित मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों से नामांकन प्रपत्र प्राप्त कर ऑफलाईन मोड में संबंधित मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में जमा किया जा सकता है। विस्तृत सूचना एवं आवेदन पत्र प्रारूप जिले के अधिकारिक वेबसाईट simdega.nic.in एवं संबंधित उत्कृष्ट विद्यालयों के अधिकारिक वेबसाईट sshighschoolsimdega.com/ ssgirlshighschoolsimdega.com/kgbvsimdega.com पर भी उपलब्ध है। नामांकन हेतु अभिभावकों के जानकारी के लिए सभी उत्कृष्ट विद्यालयों में हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है। नामांकन से संबंधित संशोधित मुख्य तिथियाँ निम्नवत् है:–

Sl. No.	Admission Milestone	Date
1	Application Submission Period	20.01.2025 to 28.02.2025
2	Scrutiny of Admission form by Scrutiny committee headed by DEO, where all SoE principal/headmaster of the District and SDEO will be member.	01.03.2025 to 03.03.2025
3	Publication of Provisional list including deficiency statement if any for compliance	05.03.2025
4	Compliance period for parents to remove deficiency in application and its submission to DEO office.	06.03.2025
5	Issue of Admit card	10.03.2025 to 11.03.2025
6	Conduct of Admission Test	24.03.2025
7	Publication of School wise 1st Merit list for Admission in various classes for which Application have been invited	29.03.2025
8	Admission of children in SoEs as per Selection List	03.04.2025 to 09.04.2025
9	Orientation of Children and start of academic session under CBSE Curriculum based on NCERT books	11.04.2025

विश्वासभाजन
जिला शिक्षा पदाधिकारी–सह– जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
झारखण्ड शिक्षा परियोजना, सिमडेगा।
PR 347230 Simdega (24-25)D

मोदी का मोटापामुक्त भारत : स्वास्थ्य-क्रांति का आधार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने शासन में भारतीय लोगों के स्वास्थ्य को लेकर निरन्तर कदम उठाते हुए स्वस्थ भारत निर्मित करने के उपक्रम किये हैं। विकसित भारत-नये भारत-सशक्त भारत का आधार स्वस्थ भारत ही है। मोदी युग ने स्वास्थ्य के प्रति भारत के दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण मोड़ को चिह्नित करते हुए मोटापे से जुड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों को संबोधित करने और मोटापे को नियंत्रित पर अधिक ध्यान दिया गया। मोदी ने मोटापे के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है, जिसमें भारतीयों से अपने खाना पकाने के तेल की खपत को कम करने का आग्रह किया। मोटापा कई जीवनशैली से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनता है, जैसे दिल की बीमारी, टाइप 2 डायबिटीज, स्ट्रोक, सांस लेने में समस्याएं और मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं जैसे चिंता, तनाव और अवसाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 फरवरी को मन की बात के 119वें एपिसोड में हेल्थ का जिक्र करते हुए कहा था, एक फिट और स्वस्थ भारत बनने के लिए हमें ओबेसिटी (मोटापा) की समस्या से निपटना ही होगा। एक स्टडी के मुताबिक, आज हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान है। बीते सालों में मोटापे के मामले दोगुने हो गए हैं, लेकिन इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि बच्चों में भी मोटापे की समस्या चार गुना बढ़ गई है। मोटापे को नियंत्रित करने की मुहिम एक सामयिक एवं सराहनीय कदम होने के साथ स्वास्थ्य-क्रांति का आधार है।

प्रधानमंत्री ने सेहत के प्रति जागरूकता लाने और इस क्रम में मोटापे से लड़ने के लिए अपने-अपने क्षेत्र के दस जाने-माने लोगों को नामांकित कर यही रेखांकित किया कि इस समस्या की गंभीरता को समझने एवं समय रहते इसको नियंत्रित करने की अपेक्षा है। उन्होंने आनंद महिंद्रा, दिनेश लाल यादव निरहुआ, मनु भाकर, मीराबाई चानू, मोहनलाल, नंदन नीलेकणि, उमर अब्दुल्ला, आर. माधवन, श्रेया घोषाल, सुधा मूर्ति को नामांकित करते हुए यह अपेक्षा जताई कि ये सभी मोटापे के खिलाफ क्रांति की अलख जगाने के साथ खाद्य तेल की खपत कम करने के लिए लोगों में जागरूकता पैदा करेंगे। प्रधानमंत्री ने इन लब्ध प्रतिष्ठित हस्तियों से दस-दस और लोगों को इसी अभियान को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से नामांकित करने का आग्रह किया है। प्रधानमंत्री की यह पहल कुछ वैसी ही है, जैसी उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान को प्रारंभ करते समय की थी। मोदी की मोटापे नियंत्रण से जुड़ी इस जनोपयोगी पहल से देश मे मोटापे के प्रति चेतना जाग्रत होगी और लोग मोटापे को नियंत्रित करने में सफल होंगे।

मोटापा वर्तमान युग की एक व्यापक स्वास्थ्य समस्या एवं एक दीर्घकालिक बीमारी है, जो कई स्वास्थ्य समस्याओं एवं असाध्य बीमारियों का कारण बन सकती है और आपके जीवन को छोटा कर सकती है। दुनिया भर में मोटापे के शिकार एक अरब से ज्यादा लोगों में 88 करोड़ लोग वयस्क हैं जबकि 15 करोड़ 90 लाख बच्चे हैं। महिलाओं में मोटापा बढ़ने की सबसे तेज गति देखने को मिल रही है। आज मोटापा समस्या नहीं महामारी बन गया है। मोटापे ने महामारी का ऐसा रूप धारण किया कि इसने भुखमरी को भी पीछे छोड़ दिया है। भूखमरी से जितनी मौतें होती हैं उससे कई ज्यादा मौतों की वजह अब मोटापा बन गया है। यूएन रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में 5 से 9 साल के बीच के 13.1 करोड़ बच्चे, किशोरावस्था वाले 20.7 करोड़ और 200 करोड़ वयस्क लोग मोटापे के शिकार है।

अच्छी सेहत के बिना जीवन का कोई महत्व नहीं है, सेहत ठीक नहीं होगी तो व्यक्ति दुखी, तनावग्रस्त और रोगी बना रहता है। सेहत ही सबसे बड़ा धन है। ये बात जो लोग समझते हैं, वे अपनी सेहत के लिए बहुत सतर्क रहते हैं। अच्छे स्वास्थ्य की सबसे बड़ी बाधा मोटापा है, जब कोई व्यक्ति ऊर्जा के रूप में उपयोग की जाने वाली कैलोरी से अधिक कैलोरी का उपभोग करता है, तो उसका शरीर अतिरिक्त कैलोरी को वसा के रूप में संग्रहीत कर लेता है। इसी से मोटापा पनपता है। शारीरिक श्रम की कमी पेट पर मोटापा जमा होने का एक प्रमुख कारण है। आजकल की जीवनशैली में अधिकतर लोग 9-10 घंटों तक एक जगह बैठकर काम करते हैं और शारीरिक गतिविधि न के बराबर करते हैं।

सूडोकु नवताल- 7353

★★★★☆ मध्यम

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7352 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

शिवरात्रि है शिव से साक्षात्कार का महापर्व

ललित गर्ग

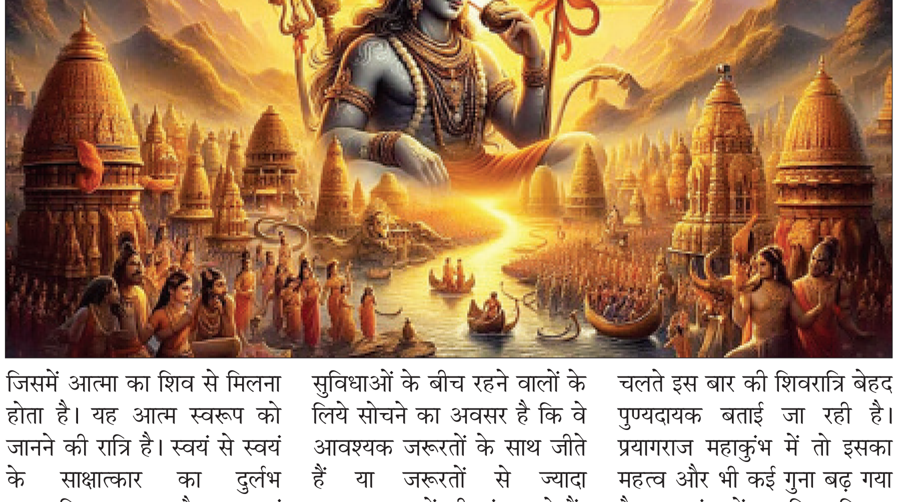

आदि देव महादेव शिव सभी देवताओं में सर्वोच्च हैं, महानतम हैं, दुःखों को हरने एवं पापों का नाश करने वाले हैं। वे कल्याणकारी हैं तो संहारकर्ता भी हैं। वे आशुतोष है तो भोले शंकर भी है, एक ओर जन-जन के आदर्श है तो दूसरी ओर साधकों के साधक। भगवान शिव भोले भण्डारी है और जग का कल्याण करने वाले हैं। भगवान शिव आदिदेव है, देवों के देव है, महादेव हैं। सत्यं शिवं सुन्दरम् के प्रतीक शिव और उनकी रात्रि, जन-जन के जागरण की महाशिवरात्रि प्रतिवर्ष फाल्गुण मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनायी जाती है, जो शिवत्व का जन्म दिवस है। यह शिव से पार्वती के मिलन की रात्रि का सुअवसर है। इसी दिन निशीथ अर्धरात्रि में शिवलिंग का प्रादुर्भाव हुआ था। इसीलिये यह पुनीत पर्व सम्पूर्ण देश एवं दुनिया में उल्लास और उमंग के साथ मनाया जाता है। यह पर्व सांस्कृतिक एवं धार्मिक चेतना की ज्योति किरण है, जो शिव से एकाएक होने की चरम साधना का उत्कर्ष है। इससे जीवन एवं जगत में प्रसन्नता, गति, संगति, सौहार्द, ऊर्जा, आत्मशुद्धि एवं नवप्रेरणा का प्रकाश परिव्याप्त होता है। यह पर्व जीवन के श्रेष्ठ एवं मंगलकारी व्रतों, संकल्पों तथा विचारों को अपनाने की प्रेरणा देता है। शिवरात्रि जागृति का पर्व है। जिसमें आत्मा का शिव से मिलना होता है। यह आत्म स्वरूप को जानने की रात्रि है। स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार का दुर्लभ आध्यात्मिक अनुभव है। यह स्वयं के भीतर जाकर अथवा अंतश्चेतना की गहराइयों में उतरकर आत्म साक्षात्कार करने का प्रयोग है। यह आत्मयुद्ध की प्रेरणा है, क्योंकि स्वयं को जीत लेना ही जीवन की सच्ची जीत है, शिवत्व की प्राप्ति है। काल के इस क्षण की सार्थकता शिवमय हो जाने में है। शक्ति माया नहीं है, मिथ्या नहीं है, प्रपंच नहीं है। इसके विपरीत शक्ति सत्य है। जीव और जगत भी सत्य है। सभी तत्वतः सत्य हैं। सभी शिवमय हैं। शिवरात्रि भोगवादी मनोवृत्ति के विरुद्ध एक प्रेरणा है, संयम की, त्याग की, भक्ति की, संतुलन की। सुविधाओं के बीच रहने वालों के लिये सोचने का अवसर है कि वे आवश्यक जरूरतों के साथ जीते हैं या जरूरतों से ज्यादा आवश्यकताओं की मांग करते हैं। इस शिवभक्ति एवं उपवास की यात्रा में हर व्यक्ति में अहंकार नहीं, बल्कि शिशुभाव जागता है। क्रोध नहीं, क्षमा शोभती है। कष्टों में मन का विचलन नहीं, सहने का धैर्य रहता है। यह तपस्या स्वयं के बदलाव की एक प्रक्रिया है। यह प्रदर्शन नहीं, आत्मा के अभ्युदय की प्रेरणा है। इसमें भौतिक परिणाम पाने की महत्वाकांक्षा नहीं, सभी चाहों का संन्यास है।

प्रयागराज में महाकुंभ का समापन महाशिवरात्रि के पवित्र एवं चमत्कारी स्नान के साथ होगा। ग्रहों और नक्षत्रों के विशेष संयोग के चलते इस बार की शिवरात्रि बेहद पुण्यदायक बताई जा रही है। प्रयागराज महाकुंभ में तो इसका महत्व और भी कई गुना बढ़ गया है। महाकुंभ में महाशिवरात्रि पर बेहतर विशेष संयोग बन रहे है। इस बार सूर्य का चुंबकीय प्रभाव बहुत ही दिव्य है। ऐसा दैवीय संयोग सैकड़ो सालों के बाद बन रहा है। इस बार की महाशिवरात्रि पर चतुर्ग्रहीय योग बन रहा है। इसमें शिवयोग भी शामिल है। महाशिवरात्रि पर शिवयोग बेहद फलदायक और कल्याणकारी होता। महाकुंभ विश्व के सबसे बड़े, प्राचीन और धार्मिक उत्सवों में एक है। शिव शक्ति के प्रतीक ज्योतिर्लिंग का प्रादुर्भाव फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की निशीथ काल में हुआ था। शिव पुराण के अनुसार सृष्टि के आरंभ में ब्रह्मा ने इसी दिन रुद्र रूपी शिव को उत्पन्न किया था। शिव एवं हिमालय पुत्री पार्वती का विवाह भी इसी दिन हुआ था। अतः यह शिव एवं शक्ति के पूर्ण समरस होने की रात्रि भी है। वे सृष्टि के सर्जक हैं। वे मनुष्य जीवन के ही नहीं, सृष्टि के निमार्ता, पालनहार एवं पोषक हैं। उन्होंने मनुष्य जाति को नया जीवन दर्शन दिया। जीने की शैली सिखलाई।

सृष्टि के कल्याण हेतु जीर्ण-शीर्ण वस्तुओं का विनाश आवश्यक है। इस विनाश में ही निर्माण के बीज छुपे हुए हैं। इसलिये शिव संहारकर्ता के रूप में निर्माण एवं नव-जीवन के प्रेरक भी है। सृष्टि पर जब कभी कोई संकट पड़ा तो उसके समाधान के लिये वे सबसे आगे रहे। जब भी कोई संकट देवताओं एवं असुरों पर पड़ा तो उन्होंने शिव को ही याद किया और शिव ने उनकी रक्षा की। समुद्र-मंथन में देवता और राक्षस दोनों ही लगे हुए थे। सभी अमृत चाहते थे, अमृत मिला भी लेकिन उससे पहले हलाहल विष निकला जिसकी गर्मी, ताप एवं संकट ने सभी को व्याकुल कर दिया एवं संकट में डाल दिया, विष ऐसा की पूरी सृष्टि का नाश कर दें, प्रश्न था कौन ग्रहण करें इस विष को। भोलेनाथ को याद किया गया गया। वे उपस्थित हुए और इस विष को ग्रहण कर सृष्टि के सम्मुख उपस्थित संकट से रक्षा की। उन्होंने इस विष को कंठ तक ही रखा और वे नीलकंठ कहलाये। इसी प्रकार गंगा को पृथ्वी पर लाने के लिये भोले बाबा ने ही सहयोग किया। क्योंकि गंगा के प्रचंड दबाव और प्रवाह को पृथ्वी कैसे सहन करें, इस समस्या के समाधान के लिये शिव ने अपनी जटाओं में गंगा को समाहित किया और फिर अनुकूल गति के साथ गंगा का प्रवाह उनकी जटाओं से हुआ। ऐसे अनेक सृष्टि से जुड़े संकट और उसकें विकास से जुड़ी घटनाएं हैं जिनके लिये शिव ने अपनी शक्तियों, तप और साधना का प्रयोग करके दुनिया को नव-जीवन प्रदान किया। शिव का अर्थ ही कल्याण है, वही शंकर है, और वही रुद्र भी है। शंकर में शं का अर्थ कल्याण है और कर का अर्थ करने वाला। रुद्र में रु का अर्थ दुःख और द्र का अर्थ हरना- हटाना।

इस प्रकार रुद्र का अर्थ हुआ, दुःख को दूर करने वाले अथवा कल्याण करने वाले।

भोलेनाथ भाव के भूखे हैं, कोई भी उन्हें सच्ची श्रद्धा, आस्था और प्रेम के पुष्प अर्पित कर अपनी मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना कर सकता है। दिखावे, ढोंग एवं आडम्बर से मुक्त विद्वान-अनपढ़, धनी-निर्धन कोई भी अपनी सुविधा तथा सामर्थ्य से उनकी पूजा और अर्चना कर सकता है। शिव न काठ में रहता है, न पत्थर में, न मिट्टी की मूर्ति में, न मन्दिर की भव्यता में, वे तो भावों में निवास करते हैं। यह पर्व महाकाल शिव की आराधना का महापर्व है।

सामाजिक-राजनीतिक आंदोलनों से जुड़े हुए हैं प्रदर्शन कलाएँ और रंगमंच

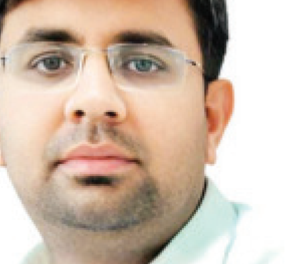

डॉ सत्यवान सौरभ

मजदूर वर्ग को आजाद कराने और स्थापित सत्ता के खिलाफ क्रांति को मजबूत करने के लिए 20वीं सदी की शुरूआत में नुक्कड़ नाटक का विकास हुआ। इसकी शुरूआत मुख्य रूप से उपनिवेशवाद विरोधी युग के दौरान भारत में वामपंथी रंगमंच कार्यकताओं द्वारा की गई थी। यद्यपि नुक्कड़ नाटक और लोक नाटक में कई समानताएँ हैं, लेकिन नुक्कड़ नाटक एक सीधा-सादा कलात्मक माध्यम होने के बजाय एक सहभागी सामाजिक संचार प्रक्रिया है। इस निबंध में सामुदायिक विकास के एक उपकरण के रूप में नुक्कड़ नाटक के कार्य और क्षमता की जांच की गई है, जो सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देना चाहता है। 1947 में भारत को स्वतंत्रता मिलने के तुरंत बाद, थिएटर उद्योग में महत्त्वपूर्ण उथल-पुथल हुई। अधिक लोकप्रिय फिल्म शैलियों से प्रतिस्पर्धा ने मनोरंजन थिएटर उद्योग को नुकसान पहुँचाया। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और बंगलौर जैसे प्रमुख शहरों में शौकिया रंगमंच का विकास हुआ।

जैसे-जैसे क्षेत्रीय नाट्य परम्पराएँ विकसित हुई हैं, भारत का रंगमंच और प्रदर्शन कलाएँ सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन के लिए उत्प्रेरक रही हैं। न्याय को बढ़ावा देने, सत्ता का विरोध करने और सामाजिक अन्याय की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए रंगमंच एक सशक्त माध्यम साबित हुआ है। बढ़ते क्षेत्रीय राष्ट्रवाद, राष्ट्र का प्रश्न और उपनिवेशवाद विरोधी संघर्ष की जटिल कथाओं ने क्षेत्रीय नाट्य परम्पराओं के विकास को प्रभावित किया है। उदाहरण के लिए, बंगाली नाटक नील दर्पण (1860) में बताया गया कि ब्रिटिश शासन के दौरान नील की खेती करने वाले किसानों का किस प्रकार शोषण किया जाता था। आधुनिक रंगमंच सांस्कृतिक उत्पादन के औपनिवेशिक मॉडलों और पारंपरिक सांस्कृतिक प्रथाओं के प्रतिच्छेदन ने आधुनिक रंगमंच को आकार दिया है। रंगमंच सहित प्रदर्शन कलाएँ सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए एक सशक्त साधन तथा चर्चा के लिए एक जीवंत मंच बनी हुई हैं। रंगमंच लंबे समय से भारत में जागरूकता बढ़ाने, सुधार और प्रतिरोध के लिए एक सशक्त साधन रहा है, जिसका प्रभाव राजनीतिक आंदोलनों के साथ-साथ सामाजिक संरचनाओं पर भी पड़ा है। शास्त्रीय रीति-रिवाजों से लेकर समकालीन नुक्कड़ नाटकों तक, इसने सामाजिक बदलावों को प्रतिबिंबित करने और प्रभावित करने के लिए कभी भी बदलाव करना बंद नहीं किया है। सामाजिक अन्याय को लंबे समय से रंगमंच के माध्यम से प्रकाश में लाया जाता रहा है।

ब्रिटिश शासन के दौरान नील की खेती करने वाले किसानों के शोषण को 1860 में बंगाली थियेटर के नील दर्पण द्वारा सार्वजनिक किया गया था। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लोगों को बड़े पैमाने पर नाटकों और लोक प्रदर्शनों के माध्यम से संगठित किया गया था। रंगमंच के माध्यम से, भारतीय जन रंगमंच संघ (इप्टा) ने 1943 में उपनिवेशवाद विरोधी भावना को बढ़ावा दिया। निम्न वर्ग के समुदाय रंगमंच के माध्यम से अपनी पहचान व्यक्त करने में सक्षम रहे हैं। दलित सशक्तिकरण और अम्बेडकरवादी दर्शन को भीम नाट्य (महाराष्ट्र) द्वारा बढ़ावा दिया जाता है। रंगमंच का उपयोग भ्रष्टाचार को उजागर करने और नीतियों की आलोचना करने के लिए किया गया है। 1980 के दशक में, सफदर हाशमी के जन नाट्य मंच ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए जिनमें सरकारी नीतियों की आलोचना की गई; इसके कारण 1989 में उनकी हत्या कर दी गई। कानून और सामाजिक सुधार रंगमंच से प्रभावित हुए हैं। विजय तेंदुलकर की 1972 में प्रकाशित पुस्तक सखाराम बाइंडर में महिलाओं के अधिकारों और घरेलू दुर्व्यवहार के खुलासे पर चर्चा के परिणामस्वरूप सख्त सेंसरशिप कानून बनाये गये। धार्मिक और सामाजिक परंपराएँ: प्राचीन रंगमंच की मजबूत धार्मिक और सामाजिक जड़ें थीं। कुटियाट्टम (केरल), जिसे 2001 में यूनेस्को द्वारा मान्यता दी गई थी, अभी भी संस्कृत रंगमंच की परंपराओं को कायम रखे हुए है। लोक रंगमंच के माध्यम से सामाजिक टिप्पणीः वर्तमान सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों को लोक परंपराओं में प्रतिबिंबित किया गया है।

नक्सलवादी आंदोलन के दौरान वर्ग संघर्ष को जत्रा (बंगाल) में दशार्या गया। आधुनिक रंगमंच में मानवाधिकार, लोकतंत्र और भ्रष्टाचार नए विषय बन गए। 1950 के दशक में हबीब तनवीर के नया थिएटर ने लोक और आधुनिक विषयों को मिलाकर सामाजिक मुद्दों को चित्रित किया। राज्य हस्तक्षेप और सेंसरशिपः राजनीतिक रूप से संवेदनशील नाटकों पर सरकार द्वारा प्रतिबंध लगाए जाते हैं। विजय तेंदुलकर की 1972 की फिल्म घासीराम कोतवाल को जाति आधारित भ्रष्टाचार और शोषण को उजागर करने के कारण प्रतिबंधित कर दिया गया था। डिजिटल प्लेटफॉर्म की लोकप्रियता ने थिएटर के प्रभाव और पहुँच को बढ़ा दिया है। सामाजिक सक्रियता के लिए, यूट्यूब आधारित थिएटर समूह, जैसे जन नाट्य मंच, डिजिटल प्रदर्शनों का उपयोग करते हैं। भारत और विदेश के सरकारी और निजी स्रोतों ने स्वतंत्रता के बाद से भारतीय रंगमंच को इसके अनेक रूपों में सहयोग दिया है, लेकिन यह हमेशा विशिष्ट प्रतिभाओं द्वारा संचालित रहा है और पश्चिमी संस्कृति से प्रभावित रहा है, साथ ही स्वदेशी संसाधनों की ओर भी मुड़ता रहा है। इस अवधि के दौरान विजय तेंदुलकर, बादल सरकार, धर्मवीर भारती, मोहन राकेश और गिरीश कर्नाड, चंद्रशेखर कंबार, पी लंकेश और इंदिरा पार्थसारती जैसे आधुनिकतावादी नाटककार पैदा हुए; उनके नाटकों का उपयोग और अध्ययन पूरी दुनिया में किया गया है।

इन नाटककारों ने थिएटर में आधुनिकतावादी आक्रोश पर गहन औपचारिक कठोरता और विषयगत ध्यान केंद्रित किया। पहचान का संकट और वैश्वीकरण के परिणाम उन विषयों में से हैं जिन पर युवा लेखक वर्तमान में कई स्थानों पर चर्चा कर रहे हैं। आधुनिक भारतीय रंगमंच मुख्यतः तीन परंपराओं से प्रभावित हैः संस्कृत रंगमंच, लोक रंगमंच और पश्चिमी रंगमंच। वास्तव में, तीसरा वह है जिसे आज भारतीय रंगमंच की आधारशिला माना जा सकता है। हम सभी देख सकते हैं कि समय के साथ रंगमंच और प्रदर्शन कलाएँ किस प्रकार विकसित हुई हैं, उन्होंने सत्ता को चुनौती दी है, न्याय को बढ़ावा दिया है, तथा सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित किया है। आज, पूरे देश में कई थिएटर समूह और निजी से लेकर सरकारी संस्थानों तक कई थिएटर अभिनय संस्थान हैं। अपना प्रभाव बनाए रखने के लिए, उन्हें सांस्कृतिक संरक्षण, डिजिटल एकीकरण और नीति समर्थन के लिए पहल के माध्यम से अपनी स्थिति को मजबूत करना होगा। जबकि शोषितों या आम जनता के जीवन में सामाजिक परिवर्तन लाना, नुक्कड़ नाटक आंदोलन और यात्रा के केंद्र में है। इसे प्राप्त करने के लिए प्रगतिशील सामुदायिक विकास प्रक्रिया को लोकप्रिय शिक्षा के साथ संयोजित करना आवश्यक है। एक लोकप्रिय रंगमंचीय अभ्यास के रूप में, नुक्कड़ नाटक एक सहभागी प्रक्रिया स्थापित करने का प्रयास करते हैं जो लक्षित दर्शकों के सांस्कृतिक रूपों के प्रति संवेदनशील होती है। नुक्कड़ नाटक, प्रोसेनियम थिएटर के विपरीत, वह स्थान है जहाँ अभिनेता अपनी कलात्मक और व्यावसायिक रुचियों को अपनी राजनीतिक और सामाजिक मान्यताओं के साथ जोड़ते हैं। हालाँकि, इसकी क्षमता को पूरी तरह से साकार करने और समाज पर प्रभाव डालने के लिए दीर्घकालिक विकासात्मक योजना को नाट्य प्रक्रिया के साथ जोड़ा जाना चाहिए।

खेती पर दिखने लगा है तापमान बढ़ोतरी का असर

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

जलवायु परिवर्तन का असर खेती किसानी पर साफ दिखाई देने लगा है। कहा जा रहा था कि 2024 की फरवरी सर्वाधिक गर्मी वाला माह रहा है पर 2025 में जनवरी में जिस तरह तापमान में बढ़ोतरी देखी गई है और फरवरी में ही देश के अधिकांश हिस्सों खासकर उत्तरी भारत में तापमान में लगातार तेजी देखी जा रही है वह चिंतनीय है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान सहित अनेक प्रदेशों में फरवरी में अधिकतम तापमान का आंकड़ा 30 डिग्री को छूने की तरफ अग्रसर है। देश के कई हिस्सों में दिन का तापमान 29 डिग्री को पार कर रहा है। यह कोई हमारे देश के ही हालात नहीं हैं अपितु दुनिया के अधिकांश देशों में जलवायु परिवर्तन का असर साफ-साफ दिखाई देने लगा है। बढ़ता तापमान बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। बढ़ते तापमान के कारण परिस्थिति तंत्र प्रभावित हो रहा है। बीमारियां तो फैल ही रही हैं, संपूर्ण तंत्र पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। चिंता की बात यह है कि एक ओर हम निरंतर घटते भूजल स्तर से प्रभावित हो रहे हैं तो ग्लेसियरों के तेजी से पिघलने का असर दिखाई दे रहा है। असमय अतिवृष्टि, अनावृष्टि, तूफान, जंगलों में आग आदि के रूप में इसका सीधा असर दिखाई दे रहा है।

जहां तक खेती-किसानी का प्रश्न है मौसम के अप्रत्याशित बदलाव से फसल चक्र पर नकारात्मक असर दिखने लगा है। फसल वपन का एक सिस्टम होता है। बुवाई से लेकर फसल के पक कर तैयार होने का चक्र होता है। दरअसल हो यह रहा है कि जिस समय फसल में फल-फूल आने का समय होता है उस समय तापमान बढ़ने से फल-फूल का विकास रुक जाता है और फसल पकने लगती है, इससे फसल में खराबी और उत्पादन में कमी स्वाभाविक है। दिसंबर, जनवरी की सर्दी और फरवरी में औसत तापमान से फसलों का सही ढंग से विकास संभव हो पाता है। एक अन्य चिंतनीय कारण यह भी बनता जा रहा है कि मावठ के समय मावठ नहीं होती, सर्दियों की बरसात के समय बरसात नहीं होती और जिस समय तापमान में बढ़ोतरी होनी चाहिए उस समय आंधी, तूफान और बरसात आकर फसल को चौपट करने में कोई कमी नहीं छोड़ती। इसका सीधा असर खाद्यान्न संकट के रुप में देखा जा सकता है। प्रायः देखा जाने लगा है कि जब फसल की कटाई का समय होता है उस समय आंधी-तूफान या ओला-बरसात होकर फसल को चौपट करने में कमी नहीं छोड़ती। इसी तरह से जनवरी-फरवरी में जब तापमान में गिरावट की आवश्यकता होती है उस समय तापमान में बढ़ोतरी चिंता का विषय बनता जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि जलवायु परिवर्तन के हालात यही रहे तो कुछ खाद्य वस्तुओं के भावों में कई गुणा तक बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। आलू, टमाटर, दालों, तिलहनों और अनाज के भावों में बढ़ोतरी साफ तौर से देखी जा सकती है।

कृषि और आर्थिक क्षेत्र के विशेषज्ञों को मानना है कि तापमान की असामयिक उतार-चढ़ाव के चलते कृषि पैदावार पर सीधा नकारात्मक असर पड़ रहा है। कृषि उत्पादन प्रभावित हो रहा है। कृषि उत्पादों की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। इससे साफ हो जाता है कि खाद्य वस्तुओं के भाव बढ़ेंगे ही और उसका सीधा असर हमें महंगाई के रूप में देखने को मिलेगा। मजे की बात यह है कि जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया के देशों में तेजी से बंजर होती भूमि को लेकर चिंता तो जताई जा रही है पर अभी तक इन हालातों से निपटने का ठोस आधार तैयार नहीं किया जा सका है। आज दुनिया के देश आसन्न खाद्यान्न संकट को लेकर चिंतित है। इसके लिए बड़े सम्मेलनों में चिंतन मनन हो रहा है। विश्व खाद्य संगठन सहित दुनिया की संस्थाएं इससे आसन्न संकट को लेकर तो परेशान है ही उनकी चिंता का कारण यह भी होता जा रहा है कि पौष्टिक भोजन नहीं मिलने से करोड़ों लोग कुपोषण के शिकार हैं। खाद्यान्नों का उत्पादन प्रभावित हो रहा है। गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। दुनिया के देश खेती किसानी के महत्व को कोरोना काल में अच्छी तरह से समझ चुके हैं। कोरोना में मानवता को संबल देने में खेती किसानी ने प्रमुख भूमिका निभाई और सबकुछ बंद होने पर खेती किसानी ही लोगों का पेट भरने में सहायक रही।

जलवायु परिवर्तन का असर जब साफ साफ सामने आने लगा है तो उस हालात में मौसम विज्ञानियों और कृषि विज्ञानियों के सामने बड़ी चुनौती आ गई है। एक और जलवायु परिवर्तन को सर्वाधिक प्रभावित करने वाले कारकों का कोई ना कोई विकल्प खोजना ही होगा। होता यह है कि हम जिसे आज बेहतर विकल्प बताते हैं कुछ समय बाद ही उसमें भी खामियां नजर आने लगती है। जलवायु को नियंत्रित करने वाले जंगलों का स्थान कंक्रीट के जंगल लेते जा रहे हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों व नई-नई खोजों ने हमारा जीवन आसान बनाया है पर उसके साइड इफेक्ट तेजी से असर दिखाने लगे हैं। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग ने भूमि की उर्वरा शक्ति को प्रभावित किया है।

दैनिक पंचांग

26 फरवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.18 बजे से
चंद्र	मकर में	मेष	08.48 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	10.29 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.27 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	14.40 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.56 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	19.08 बजे से
राहु	मीन में	तुला	21.19 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	23.34 ब.से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		धनु	01.50 बजे से
		मकर	03.55 बजे से
		कुंभ	05.41 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 57 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
पक्ष कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 11.09 बजे को समाप्त।
नक्षत्र श्रवण 17.23 बजे को समाप्त।
योग परिघ 02.57 बजे रात्र को समाप्त।
करण वणिज 11.09 बजे तदनन्तर विष्टि 22.06 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 08° 42'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872267
जूलियन दिन 2460732.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना शाबान **तारीख** 27
विशेष महा शिवरात्रि।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

लखनऊ में ममता बनर्जी का फूंका पुतला

महाकुंभ को 'मृत्युकुंभ' कहना आस्था के खिलाफ; घुसपैठियों के वोट से बनी सीएम को हटाया जाए

लखनऊ। में विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला फूंका। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के कार्यकर्ता उनके बयान से नाराज हैं। इसी बात को लेकर कार्यकताओं ने विशाल खंड चौराहे तक विरोध मार्च निकाला। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय के नेतृत्व में निकाले गए विरोध मार्च में ममता बनर्जी मुदार्बाद के नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने कहा- ममता बनर्जी ने महाकुंभ को 'मृत्यु कुंभ' कहा है। यह हिंदू आस्था के खिलाफ है। सनातन के खिलाफ बोलने वालों को माफ नहीं किया जाएगा। गोपाल राय ने कहा कि मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए सनातन धर्म का विरोध कर रही हैं। प्रयागराज महाकुंभ में करोड़ों की संख्या में हिंदू धर्म के लोग आस्था की डुबकी लगाकर खुद को सौभाग्यशाली समझ रहे हैं। उसी आस्था के कुम्भ को 'मृत्यु कुंभ' कह कर पूरे देश के हिंदुओं का अपमान किया है। सनातन धर्म से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति में आक्रोश है। महाकुंभ सनातन संस्कृति और आस्था का सबसे बड़ा पर्व है। गोपाल राय ने कहा कि ममता बनर्जी हिंदू विरोधी हैं। हिंदू धर्म में पैदा होने के बाद भी सनातन का अपमान कर रही है यह चिंता

जनक है। देश विदेश के 60 करोड़ से अधिक लोगों ने स्नान करके पुण्य हासिल किया। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मांग करते हैं कि इनको तत्काल गिरफ्तार करके सरकार को बर्खास्त किया जाए। गोपाल राय ने कहा- बांग्लादेश के घुसपैठियों को ममता बनर्जी संरक्षण दे रही है। उन्हें अपने यहां रखकर मतदाता सूची में नाम डलवा कर वोट ले रही हैं। उनका समर्थन हासिल करने के लिए यह हिंदू विरोधी हो गई है। हिंदुओं का वोट ममता बनर्जी को मिलता नहीं है।

अब जब चुनाव होगा उनकी सरकार समाप्त हो जाएगी। उससे पहले हमारी मांग है कि सरकार को बर्खास्त किया जाए। संबंधित मामले को लेकर ने राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा है। अगर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो प्रदेश भर में इनके खिलाफ मुहिम चलाई जाएगी।

रालोद की बैठक में सांगठनिक मजबूती पर हुई चर्चा

कुशीनगर। राष्ट्रीय लोकदल की एक बैठक दुदही में संपन्न हुई। जिसमें पार्टी की मजबूती पर चर्चा की गई और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने के लिए रात्रि चौपाल के आयोजन का निर्णय लिया गया। मंगलवार को जिला सचिव श्रीनिवास गुप्ता के आवास पर हुई बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश सचिव सिया शरण पाण्डेय ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल गांव, गरीब, किसान, मजदूर की पार्टी है। पार्टी पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह और पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजीत सिंह की नीतियों पर चलते हुए हर व्यक्ति को सरकार की बुनियादी योजनाओं का लाभ दिलाने का काम कर रही है। उन्होंने सांगठनिक मजबूती पर जोर दिया ताकि पार्टी पंचायत चुनाव में मजबूती से प्रदर्शन करे। अध्यक्षता करते हुए रालोद जिलाध्यक्ष विनोद प्रताप कुंवर ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल की मजबूती के लिए कार्यकर्ता और पदाधिकारी जी जान से लगाकर काम करें और लोगों की समस्याओं का समाधान का प्रयास करें। इस दौरान राकेश उपाध्याय, अमरनाथ जायसवाल, मायानंद सिंह, धर्मेंद्र राजभर, पंकज पासवान, सुभाष राजभर, अमिताभ अंसारी, श्रीमती नैना देवी, श्रीमती गैसा देवी, श्रीमती जशोदा देवी, ब्रजेश मिश्रा, प्रदीप मिश्रा, जय राम कुशवाहा आदि लोग उपस्थित रहे।

टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में आमजन करे सहयोग-डॉ एस एन त्रिपाठी

कुशीनगर। जिला क्षयरोग केंद्र के परिसर में मंगलवार को 37 टीबी रोगियों में प्रोटीनयुक्त पोषण की पोटली वितरित किया गया। जिसमें आईएमए द्वारा 27 मरीजों को चौथे माह की तथा ऐश्रा के मालिक उमंग खेतान द्वारा 3 मरीजों को तीसरे माह का तथा प्रवासी मदद फाउंडेशन द्वारा 6 मरीजों को दूसरे माह तथा एक मरीज को प्रथम माह की पोटली दी गयी। प्रभारी सीएमओ एवं डीटीओ डॉ एस एन त्रिपाठी ने कहा कि जनपद को टीबी मुक्त बनाने के लिये आमजन का सहयोग जरूरी है। सामुहिक प्रयास से ही टीबी रोग को समाप्त कर सकते है। आईएमए के पूर्व सचिव डॉ अजय शुक्ला ने कहा कि टीबी रोगी दवा के साथ पौष्टिक आहार लेने से मरीज शीघ्र स्वस्थ हो रहे है। हम सभी के भागीदारी से ही जनपद टीबी मुक्त हो सकता है। कार्यक्रम को प्रवासी मदद के सदस्य सन्दीप मिश्र एवं एसटीएलएस विशाल जयसवाल ने भी सम्बोधित किया। संचालन निक्षय मित्र नोडल आशुतोष कुमार मिश्र ने किया। अतिथियों का स्वागत डीपीसी अनुपम मिश्र तथा आभार ज्ञापन पीपीएम नितेश राय ने किया। इस दौरान एसटीएस सन्दीप मौर्या, लेखाकार कमलशंकर पांडेय, राकेश सिंह, सूर्या शर्मा, उमंग खेतान, प्रवासी मदद फाउंडेशन के अविनाश पिंटू बाबू,गौरव मिश्र, जावेद अख्तर उपस्थित रहे।

वकीलों का विरोध प्रदर्शन अधिवक्ताओं ने ट्रेजरी और रजिस्ट्री कार्यालय कराया बंद

संतकबीरनगर । में अधिवक्ता बिल संशोधन के विरोध में वकीलों ने कामकाज ठप कर दिया। सिविल बार और जनपद बार एसोसिएशन के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने दीवानी कचहरी से जुलूस निकाला। प्रदर्शनकारी वकील एसपी कार्यालय होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने ट्रेजरी और रजिस्ट्री कार्यालय को बंद करवा दिया। वकीलों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया। सिविल बार एसोसिएशन के धीरेन्द्र कुमार मिश्रा और जनपद बार एसोसिएशन के शशि कुमार ओझा ने कहा कि प्रस्तावित कानून वकीलों के हितों को प्रभावित करेगा। यह अधिवक्ताओं की एकता और संवैधानिक अधिकारों का हनन करने वाला है। सिविल बार एसोसिएशन के महामंत्री राकेश मिश्रा ने चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि परिषदों में निर्वाचित सदस्यों के अलावा किसी को शामिल न किया जाए। लोकतांत्रिक स्वरूप को बनाए रखा जाए। उन्होंने मांग की कि परिषदों के सदस्यों पर सुझाए गए संशोधन को तुरंत वापस लिया जाए। साथ ही चेताया कि ऐसा न होने पर सरकार को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

केंद्र और प्रदेश की सरकार जनहित के मुद्दे पर लोकतंत्र की जनता के साथ धोखा कर रही है

कुशीनगर। जातीगत जनगणना से लेकर संविधान के साथ यह सरकार खिलवाड़ करने का कार्य कर रही है, पहले ग्रामीणों को राशन की दुकान पर चीनी , गेंहू, चावल, मिट्टी का तेल मिलता था लेकिन जब से भाजपा की सरकार सत्ता में आई है तब से राशन की दुकान से मिट्टी का तेल गायब हो गया है। पिछले सरकारों में गरीब वर्ग के बेटियों की शादी के लिए अनुदान दिया जाता था लेकिन इस सरकार में जिले पर एकत्रित कर शादियां की जा रही है जिससे कुछ ऐसे गरीब परिवार के लोग है जिन्हें जिले पर जाकर बेटियों की शादी करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यदि मैं विधान सभा से चुनाव जीत कर गया होता तो आप लोगो की आवाज को उठता और समस्याओं का समाधान करता। उक्त बाते समाजवादी पार्टी के विधान सभा कुशीनगर के पूर्व प्रत्यासी राजेश प्रताप राव ऊर्फ बंटी राव ने लोगो को संबोधित करते हुए कही। श्री राव मल्लूडीह में सपा नेता अमेरिकन खरवार के दरवाजे पर पीडीए की बैठक को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने आयुष्मान कार्ड सहित वर्तमान की सरकार की कमियों को गिनाते हुए कहा कि यह सरकार जनता को मूर्ख बना रही है। कार्यक्रम को आशिक अली, जाहिद अंसारी, निजामुद्दीन खा, अमेरिकन खरवार ने भी संबोधित किया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए विधान सभा कुशीनगर के अध्यक्ष राजेंद्र यादव ने लोगो से कहा की जब सपा की सरकार आएगी तो जनता खुशहाल होगी। इस दौरान ताजिर हुसैन, किशोर प्रसाद, विनोद कुशवाहा, पुरुषोत्म कुशवाहा, दीनानाथ पासवान, दूधनाथ कुशवाहा, मोतीचंद, कैलाश कुशवाहा, हरिनारायण कुशवाहा, तेजू कुशवाहा सहित सैकड़ों की संख्या में पार्टीजन और ग्रामीण उपस्थित रहे।

विरासत गलियारे का काम तेज होली से पहले चौड़ी होगी सड़क

गोरखपुर। में धर्मशाला बाजार से पांडेयहाता तक बन रहे विरासत गलियारे के तहत होली से पहले सड़क चौड़ीकरण का काम तेज किया जाएगा। इस मार्ग से भगवान नरसिंह की शोभायात्रा और रंगभरी शोभायात्रा निकलेगी, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल होंगे। प्रशासन ने शोभायात्रा से पहले इस पूरे मार्ग को व्यवस्थित करने के लिए मकानों की रजिस्ट्री और ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया में तेजी लाने का फैसला किया है। 3.5 किमी लंबी सड़क होगी 12.5 मीटर चौड़ी धर्मशाला बाजार पुल से नार्मल तिराहा तक 3.5 किमी लंबी सड़क बनाई जा रही है, जिसकी चौड़ाई 12.5 मीटर होगी। इसमें सात मीटर सड़क और दोनों ओर 2.5-2.5 मीटर में नाली व अंडरग्राउंड केबल डक्ट बनाया जाएगा। इस डक्ट को फुटपाथ के रूप में भी इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे राहगीरों को परेशानी न हो। रजिस्ट्री के बाद तेजी से गिराए जा रहे दुकान-मकान धर्मशाला बाजार में रजिस्ट्री प्रक्रिया पूरी होने के बाद दुकान-मकानों को तेजी से गिराया जा रहा है। अब घंटाघर से नार्मल तिराहा तक के मकान मालिकों से रजिस्ट्री कराने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। प्रशासन ने अगले एक सप्ताह में 200 और रजिस्ट्री पूरी करने का लक्ष्य तय किया है। अब तक 800 में से 275 दुकान-मकानों की रजिस्ट्री हो चुकी है। होली से पहले मार्ग को किया जाएगा दुरुस्त प्रशासन की योजना है कि होली से पहले इस मार्ग को पूरी तरह से व्यवस्थित कर दिया जाए, ताकि शोभायात्रा के दौरान किसी प्रकार की दिक्कत न हो। सड़क के चौड़ीकरण के साथ बिजली और टेलीफोन के तारों को अंडरग्राउंड किया जाएगा, जिससे मार्ग पूरी तरह से खुला और सुगम रहे। अधिकारियों ने लोगों से जल्द रजिस्ट्री कराने की अपील की अधिशासी अभियंता अरबिंद सिंह ने लोगों से जल्द रजिस्ट्री कराने की अपील की है, ताकि त्योहार से पहले सड़क चौड़ीकरण का काम पूरा किया जा सके।

ममता बनर्जी का पुतला जलाया महाकुंभ को मृत्यु कुंभ कहने पर गुस्सा

शव यात्रा निकालकर रामलीला मैदान पहुंचे

गोंडा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा महाकुंभ को मृत्यु कुंभ कहने के विरोध में गोंडा में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के सैकड़ों कार्यकताओं ने आज विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने रामलीला मैदान मालवीय नगर में इकट्ठे होकर ममता बनर्जी की शव यात्रा निकाली। विहिप-बजरंग दल के नेता राकेश वर्मा (गुड्डू) के नेतृत्व में कार्यकताओं ने 'सनातन का अपमान बंद करो' और 'महाकुंभ का अपमान बंद करो' के नारे लगाए। प्रदर्शनकारी हनुमानगढ़ी चौराहे पर पहुंचे, जहां उन्होंने ममता बनर्जी का पुतला दहन किया। राकेश वर्मा ने कहा कि ममता बनर्जी अल्पसंख्यक वोटों के लिए तुष्टिकरण की राजनीति कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि धर्मनिरपेक्षतावादी दल सनातन समाज, परंपराओं और आयोजनों का अपमान कर रहे हैं। वर्मा ने चेतावनी दी कि अगर ममता बनर्जी ने अपने बयान पर माफी नहीं मांगी तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। बता दें कि ममता बनर्जी ने हाल ही में महाकुंभ को मृत्यु कुंभ बताते हुए कहा था कि इसमें लोगों की मौतें हो रही हैं।

संक्षिप्त डायरी

सरकारी सस्ते राशन की दुकान निलंबित, दूसरे गांव से संबद्ध के निर्देश

कुशीनगर। जिले के कप्तानगंज विकास खण्ड के गांव पडौली सोनापाकड के सरकारी सस्ते राशन की दुकान की अनियमितता होने की सिकायत की जांच में शिकायत सही पाया गया। जिसको लेकर उप जिलाधिकारी कप्तानगंज ने सरकारी सस्ते राशन की दुकान को निलंबित करते हुए कोटेदार को निर्देश दिया गया है सभी कागजात और ई पास मशीन सहित सभी सामग्री जमा करने का निर्देश दिया गया है और उक्त ग्राम सभा की दुकान को दूसरे गांव में सम्बद्ध करने का आदेश दिया गया है बता दें कि उक्त ग्रामसभा निवासी विजय कुमार पांडेय द्वारा सोनापाकड में उचित सरकारी सस्ते राशन के दुकानदार रघुनाथ के खिलाफ मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई थी कि सभी कार्ड धारकों के साथ घटतौली और अभद्र व्यवहार किया जाता है। जिसकी मौके पर जाकर पूर्ति निरीक्षक कप्तानगंज द्वारा सभी कार्ड धारकों से शिकायत की जांच किया गया। जिसमें घटतौली और दुकान का साइन बोर्ड आदि न लगना पाया गया जिसको संज्ञान में लेते हुए उप जिलाधिकारी कप्तानगंज द्वारा उक्त दुकान को निलंबित करते हुए दूसरे ग्राम सभा में सम्बद्ध करने का आदेश दिया गया है।

महाशिवरात्रि पर गोंडा में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

गोंडा। में महाशिवरात्रि के पावन पर्व को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। सुबह 4 बजे से जिले के सभी प्राचीन और ऐतिहासिक शिवालयों में जलाभिषेक शुरू होगा। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिले के 17 थानों से हजारों पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। मंदिरों की निगरानी सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों से की जा रही है। सोशल मीडिया पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है। आईजी देवीपाटन रेंज अमित पाठक और एसपी विनीत जायसवाल ने ऐतिहासिक दुःखहरण नाथ मंदिर का दौरा किया। उन्होंने मंदिर के महंत से तैयारियों की जानकारी ली।आईजी अमित पाठक ने मंदिर में पूजा-अर्चना की और भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया। पांडव कालीन पृथ्वीनाथ मंदिर, द्वापर कालीन दुःखहरण नाथ, करोहानाथ और बाबा बालेश्वर नाथ मंदिर में हर वर्ष लाखों श्रद्धालु जलाभिषेक करते हैं अधिकारियों ने नगर कोतवाल को श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं। महिला श्रद्धालुओं के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है। पूरे जिले में श्रद्धालु सुरक्षित रूप से शिवालयों में जाकर जलाभिषेक कर सकें, इसके लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। वहीं आईजी देवीपाटन रेंज अमित पाठक ने बताया कि जिले के प्राचीन और ऐतिहासिक सभी मंदिरों में कल महाशिवरात्रि को लेकर के लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं द्वारा जलाभिषेक करेंगे। सभी मंदिरों पर सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक इंतजाम किए गए हैं। महिला श्रद्धालुओं के लिए विशेष इंतजाम किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। सीसीटीवी और ड्रोन कैमरे से भी नजर सभी मंदिरों पर रखी जा रही है। कहीं भी किसी भी प्रकार की दिक्कत श्रद्धालुओं को जलाभिषेक के दौरान नहीं होने दी जाएगी। साथ ही सोशल मीडिया पर भी नजर रखा जा रहा है अगर कोई सोशल मीडिया पर फैलाने का प्रयास करेगा तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी।

2 साल से जमीन सीमांकन को भटक रही महिला

गोंडा। के जानकी नगर की रहने वाली किरण देवी पिछले दो साल से अपनी दो बीघा जमीन के सीमांकन के लिए संघर्ष कर रही हैं। उन्होंने सदर तहसील में अधिकारियों से मुलाकात कर न्याय की गुहार लगाई है। किरण देवी का आरोप है कि स्थानीय दबंग लोग उनकी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। मामले में कोर्ट, डीएम और एसडीएम के आदेश के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। जब भी सीमांकन के लिए टीम जाती है, दबंग लोग काम नहीं करने देते हैं। पीड़िता ने बताया कि लेखपाल भी जान के खतरे का हवाला देकर सीमांकन करने से मना कर देते हैं। अधिकारियों द्वारा कई बार जांच टीम बनाई गई, लेकिन राजस्व विभाग के अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचते। संपत्ति सुरक्षित कराने की मांग किरण देवी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मुलाकात की थी। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर उन्हें न्याय नहीं मिला तो वह अपने पूरे परिवार के साथ आत्महत्या कर लेंगी। पीड़िता ने कहा कि वह सिर्फ अपनी जमीन का सही सीमांकन चाहती हैं, ताकि उनकी संपत्ति सुरक्षित रहे। कई बार भेजी जा चुकी टीम वहीं जब पूरे मामले को लेकर के एसडीएम सदर से फोन पर बात की गई तो उन्होंने बताया कि कई बार जांच टीम बनाकर सीमांकन के लिए लिए भेजा गया है। लेकिन क्या दिक्कत आ रही है एक बार फिर से जांच कर करके कार्रवाई कराई जा रही है। किसी भी प्रकार की पीड़िता को दिक्कत नहीं होने दी जाएगी।

मदरसा संचालन के विवाद में युवक की हत्या

संतकबीर नगर। में मदरसा संचालन को लेकर चल रहे विवाद में एक युवक की हत्या कर दी गई। खलीलाबाद थाना क्षेत्र के गणसरपार के पास मंगलवार दोपहर को यह घटना हुई। मृतक की पहचान भटपुरवा निवासी 28 वर्षीय हसीम अमानुल्लाह खान के रूप में हुई है। आरोपियों ने लाठी-डंडों और रॉड से हमला कर उनकी हत्या कर दी। स्थानीय लोग घायल हसीम को जिला अस्पताल ले गए। चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता मौके पर पहुंचे। उन्होंने पूरे मामले की जानकारी ली। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक के परिजन बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। उन्होंने सभी आरोपियों की गिरफ्तारी तक शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

विजय माल्या ने गुणवत्ता के कारण ब्रिटेन में दिवालियापन आदेश रद्द करने की मांग की

लंदन, एजेंसी। कारोबारी विजय माल्या ने ब्रिटेन की अदालत में अपने दिवालियापन आदेश को रद्द कराने के लिए नई अपील दायर की है। उनका तर्क है कि भारतीय बैंकों ने अवास्तविक दावे पेश किए हैं, खासकर जब भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में ऋण वसूली को लेकर हाल ही में बयान दिया था। माल्या के वकील लेह क्रॉस्टोफल ने बताया कि संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, बैंकों को पहले ही माल्या से संबंधित बकाया राशि से अधिक धन वापस मिल चुका है। इसी आधार पर उन्होंने दिवालियापन आदेश रद्द करने के लिए आवेदन किया है। यह मामला लंदन उच्च न्यायालय में चल रहा है, जहां न्यायाधीश एंथनी मान ने सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के नेतृत्व में बैंकों का एक समूह 69 वर्षीय माल्या से उनकी अब बंद हो चुकी किंगफिशर एयरलाइंस के करीब 1.05 बिलियन जीबीपी ऋण की वसूली की मांग कर रहा है। माल्या का कहना है कि नए साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए अदालत को दिवालियापन आदेश पर पुनर्विचार करना चाहिए। उनके वकीलों का कहना है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक स्वयं भी वित्त मंत्री के संसद में दिए गए बयान को स्वीकार करेंगे। गौरतलब है कि विजय माल्या भारत में वित्तीय अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों का सामना कर रहे हैं और भारतीय एजेंसियां उन्हें प्रत्यर्पित कराने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी इस मामले में अपनी राहत की मांग को लेकर टिप्पणी की थी।

हमास ने गाजा में छह बंधक रिहा किए, समझौते के अगले चरण के लिए रखी शर्त

गाजा पट्टी, एजेंसी। आतंकवादी समूह हमास और इजराइल के बीच करार में पिछले माह हुए संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई समझौते ने आज कई परिवारों के चेहरे में खुशी लौटा दी। हमास के नकाबपोश सशस्त्र लड़ाकों ने आज सुबह (स्थानीय समयानुसार) मध्य गाजा के नुसीरात में ओमर शेम टोव (22), एलिया कोहेन (27) और ओमर वेनकर्ट (23) को रेडक्रॉस के अधिकारियों को सौंप दिया। इसके अलावा हमास की कैद से आजाद हुए टाल शोहम (40) और एवेरा मेंगिस्टू (38) इजराइल पहुंच गए। गाजा सिटी में रिहा होने वाला छठा बंधक हिशाम अल-सईद (37) है। हमास ने समझौते के अगले चरण में बाकी बंधकों की रिहाई के लिए शर्त रखी है। द टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार, एवेरा मेंगिस्टू और उनके परिवार के कुछ सदस्यों को हवाई मार्ग से गाजा सीमा के पास एक इजराइली सैन्य अड्डे पर पहुंचाया गया। वहां से सभी को इजराइली वायु सेना के हेलीकॉप्टर से मध्य इजराइल के एक अस्पताल ले जाया गया। मेंगिस्टू को जांच के बाद घर भेजा जाएगा। शोहम और मेंगिस्टू को दक्षिणी गाजा के शहर राफाह में रिहा किया गया। इन दोनों को सात अक्टूबर, 2023 को किबुत्ज बेरी से अगवा किया गया था। इजराइली रक्षा बलों (आईडीएफ) के अनुसार, रेडक्रॉस ने दोनों को उन्हें सौंप दिया। इसके अलावा चार बंधकों को नुसीरात में सौंपा गया। हमास ने शुक्रवार को कहा था कि उसे उम्मीद है कि इजराइल बदले में 602 फिलिस्तीनी कैदियों और बंदियों को रिहा करेगा। उनमें से 50 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी और अन्य 60 लंबी सजा काट रहे हैं। 445 को सात अक्टूबर 2023 को गाजा में हिरासत में लिया गया था। सीएनएन की खबर के अनुसार, शोहम और मेंगिस्टू को सशस्त्र नकाबपोश आतंकवादियों ने मंच पर परेड और शोहम को भीड़ को संबोधित करने के लिए मजबूर किया। साथ ही एक अन्य बंधक शिरी बिबास के अवशेष शुक्रवार रात तेल अवीव पहुंचे। हमास ने आज संकेत दिया कि समझौते के अगले चरण में वह गाजा से इजराइली सैनिकों की वापसी के बदले में शेष सभी इजराइली बंधकों (जीवित और मृत) को सौंपने के लिए तैयार है।

बांग्लादेश में बीएनपी नेता की हत्या, दोनों आंखें निकालीं

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के धमराई उपजिला में कल दोपहर लगभग डेढ़ बजे बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता मोहम्मद बाबुल मिया की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। हत्यारों का इससे जी नहीं भरा तो उनकी दोनों आंखें निकाल लीं। हत्या की वजह व्यापारिक प्रतिद्वंद्विता बताई जा रही है। द डेली स्टार के अनुसार, बीएनपी की कुल्ला यूनियन इकाई के पूर्व उपाध्यक्ष मोहम्मद बाबुल मिया को लाठी-डंडों से लैस कुछ लोगों ने धमराई उपजिला के गांव बोरो कुशियारा में पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। गम में डूबी पत्नी यास्मीन बेगम ने कहा कि उनके पति को बीएनपी की राजनीति करने के कारण कई बार जेल भी जाना पड़ा। कुछ समय से रियल एस्टेट (अक्षिरनगर हाउसिंग) बिजनेस को लेकर ग्रामीणों से विवाद चल रहा था। इस विवाद की वजह से अफसर, अरशद और मोनिर हम दोनों को कई दिनों से धमकी दे रहे थे। उन्होंने कहा कि वह और उनके पति अक्षिरनगर हाउसिंग के पास सरसों की कटाई कर रहे थे। अचानक अफसर, अरशद, मोनिर कुछ साथियों के साथ आ धमके। उन्होंने पति को घेरकर लाठियों और लोहे के रॉड से पीटना शुरू कर दिया। पति को लहूलुहान कर जाते-जाते उनकी दोनों आंखें भी निकाल लीं। इसके बाद बाबुल को सावर एनाम मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों ने दावा किया कि बाबुल का अफसर, अरशद और मोनिर के साथ एक तालाब के स्वामित्व को लेकर विवाद चल रहा था।

पूर्वी फ्रांस में चाकू से अटैक, 1 की मौत, इमैनुएल मैक्रों ने बताया- इस्लामी आतंकी हमला

पेरिस, एजेंसी। पूर्वी फ्रांस में शनिवार को चाकू से किए गए हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए. राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि यह 'इस्लामी आतंकवादी हमला' था. प्रोसेक्यूटर्स ने कहा कि हमले में तीन और अधिकारी मामूली रूप से घायल हो गए. प्रोसेक्यूटर निकोलस हेइट्ज ने एएफपी को बताया कि यह हमला 37 वर्षीय संदिग्ध ने किया था, जो टेरर प्रीवेंशन वॉचलिस्ट (एफएसपीआरटी) में शामिल है. हमला फ्रांस के मुलहाउस शहर में हुआ है, जो जर्मनी और स्विट्जरलैंड के निकट स्थित है. संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है. फ्रांस की नेशनल एंटी टेरर प्रोसेक्यूटर्स यूनिट (पीएनएटी), जिसने जांच का जिम्मा संभाला है, ने कहा कि संदिग्ध ने पहले नगर निगम के पुलिस अधिकारियों पर हमला किया और अल्लाहु अकबर (ईश्वर सबसे महान है) चिल्लाया. चश्मदीदों ने एएफपी से बातचीत में कन्फर्म किया कि संदिग्ध ने कई बार ऐसे शब्द चिल्लाए, जो मुसलमानों द्वारा अपने धर्म के उद्घोष के रूप में इस्तेमाल किए जाते हैं. पीएनएटी ने एक बयान में कहा कि एक नागरिक राहगीर जिसने हमले को रोकने की कोशिश की, वह बुरी तरह से घायल हो गया. मुलहाउस प्रोसेक्यूटर्स के अनुसार, जख्मी शख्स 69 वर्षीय पुर्तगाली नागरिक था. मैक्रों ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह घटना एक आतंकवादी हमला थी, विशेष रूप से एक इस्लामवादी आतंकवादी

हमला÷. मैक्रों ने कहा कि सरकार ÷हमारी धरती पर आतंकवाद को मिटाने के लिए सब कुछ÷ करने के लिए मजबूती से खड़ी है. एफएसपीआरटी वॉचलिस्ट ÷आतंकवादी÷ कट्टरपंथ को रोकने के मकसद से व्यक्तियों पर विभिन्न अधिकारियों से डाटा जमा करती ह.। इसे 2015 में पत्रिका चार्ली हेब्दो के कार्यालयों और एक यहूदी सुपरमार्केट पर हुए घातक हमलों के बाद लॉन्च किया गया था. हेइट्ज ने कहा कि गंभीर रूप से घायल पुलिस अधिकारियों में से एक को कैरोटिड आर्टरी में चोट लगी है, जबकि दूसरे को छाती में. हमला करीब शाम 4 बजे (स्थानीय समय) हुआ. सैन्य इकाइयों को बैकअप के रूप में घटनास्थल पर भेजा गया और फोरेंसिक वैज्ञानिकों ने सबूतों की तलाश की कार्रवाई शुरू कर दी है. यूनियन सूत्रों के अनुसार अल्जीरिया में जन्मे संदिग्ध को न्यायिक निगरानी और घर में नजरबंद रखने के साथ ही फ्रांस से निकाल बाहर करने आदेश के तहत रखा गया है. मुलहाउस की मेयर मिशेल लुट्ज ने फेसबुक पर कहा, हमारे शहर में आतंक ने कब्जा कर लिया है. उन्होंने कहा कि इस घटना की जांच एक आतंकवादी हमले के रूप में की जा रही है, लेकिन स्पष्ट रूप से अदालत द्वारा पहले इसकी पुष्टि की जानी चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी होंगे मॉरीशस के स्वतंत्रता दिवस समारोह के सम्मानित अतिथि

पोर्ट लुइस। मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम ने नेशनल असेंबली में कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनका निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। वो मॉरीशस के 57वें राष्ट्रीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के सम्मानित अतिथि होंगे। यह हमारे दोनों देशों के बीच घनिष्ठ संबंधों का प्रमाण है। रामगुलाम की इस घोषणा पर नेशनल असेंबली के सदस्यों ने मेज थपथपाकर खुशी जताई। रामगुलाम ने शुक्रवार को कहा, ऐसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्व की मेजबानी करना हमारे और देश के लिए वास्तव में गर्व की बात है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने बेहद व्यस्त कार्यक्रम, पेरिस और संयुक्त राज्य अमेरिका की अपनी हालिया यात्राओं के बावजूद हमें यह सम्मान दिया है। वह हमारे विशेष अतिथि के रूप में मॉरीशस आने के लिए सहमत हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि मॉरीशस को 12 मार्च, 1968 को यूनाइटेड किंगडम से स्वतंत्रता मिली थी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 12 मार्च की यात्रा पर मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. रामगुलाम ने कहा, ऐसे मौके पर प्रतिष्ठित व्यक्तित्व की मेजबानी करना मॉरीशस के लिए एक सौभाग्य की बात है। पिछले साल मॉरीशस के 56वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुई थीं।

इटली पीएम मेलोनी ने वामपंथियों को जमकर कोसा

रोम, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने शनिवार को वामपंथियों की उनके दोहरे मानदंडों के लिए आलोचना की। मेलोनी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे नेताओं का भी जिक्र किया। वाशिंगटन में कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में बोलते हुए इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने ट्रंप और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की जमकर तारीफ की। उन्होंने वामपंथी राजनेताओं की आलोचना भी की। जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि कि वामपंथी लगातार निराश होते जा रहे हैं और ट्रंप की जीत के बाद उनकी हताशा उन्माद में बदल गई है। उन्होंने कहा, ÷वामपंथी घबराए हुए हैं और ट्रंप की जीत के साथ, उनकी चिड़चिड़ाहट उन्माद में बदल गई है। न केवल इसलिए क्योंकि रूढ़िवादी जीत रहे हैं, बल्कि इसलिए क्योंकि रूढ़िवादी अब वैश्विक स्तर पर सहयोग कर रहे हैं।÷ मेलोनी ने कहा, ÷जब बिल क्लिंटन और टोनी ब्लेयर ने 90 के दशक में वैश्विक वामपंथी लिबरल नेटवर्क बनाया, तो उन्हें राजनेता कहा गया। आज जब ट्रंप, मेलोनी, मिल्ले या शायद मोदी बोलते हैं, तो उन्हें लोकतंत्र के लिए खतरा कहा जाता है। यह आखिरी दोहरा मापदंड है, लेकिन हम इसके आदी हो चुके हैं। अच्छी खबर यह है कि लोग अब उनके झूठ पर विश्वास नहीं करते, चाहे वे हम पर कितना भी कीचड़ उछालें। नागरिक हमारे लिए वोट करते रहते हैं।÷ सीपीएसी में मेलोनी की भागीदारी इटली के विपक्षी नेताओं की ओर से काफी आलोचना के बीच हुई। वहां के विपक्षी नेताओं ने उनसे अपनी उपस्थिति रद्द करने का आह्वान किया। ट्रंप के पूर्व सलाहकार स्टीव बैनन के विवादास्पद भाषण के बाद विपक्षी नेता उन्हें अपना दौरा रद्द करने के लिए कह रहे थे। स्टीव बैनन अपने संबोधन के दौरान नाजी शैली की सलामी देते हुए दिखाई दिए।

अमेरिकी कोर्ट ने हादी मतार को लेखक रुश्दी पर हमले का दोषी ठहराया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पश्चिमी न्यूयॉर्क स्थित चौटाउक्वा काउंटी कोर्ट ने भारतीय-ब्रिटिश लेखक सलमान रुश्दी पर तीन साल पहले चाकू से हमला करने के आरोपित 27 वर्षीय हादी मतार को दोषी करार दिया। रुश्दी पिछले सप्ताह शुरू हुई गवाही प्रक्रिया के दौरान मुख्य गवाह रहे। रुश्दी ने जूरी के सदस्यों को अपनी दाहिनी आंख भी दिखाई जिसकी रोशनी हमले के कारण चली गई है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, जूरी ने हादी मतार को उस व्यक्ति पर भी हमला करने का दोषी पाया जो उस समय रुश्दी के साथ मंच पर था।

सलमान रुश्दी पर हमले का वाकया 12 अगस्त, 2022 का है। आरोपित ने मंच पर चढ़कर रुश्दी पर 15 बार चाकू से वार किया। इस हमले में 77 वर्षीय लेखक के एक आंख की रोशनी चली गई। जज ने सजा के लिए 23 अप्रैल की तारीख तय की है। मतार को 32 साल तक की जेल हो सकती है। जिला अटॉर्नी जेसन श्मिट ने शुक्रवार को जिरह के दौरान जूरी को हमले का वीडियो दिखाया। इसमें हमलावर मंच पर चढ़कर रुश्दी की ओर दौड़ता दिख रहा है। बुकर पुरस्कार विजेता रुश्दी ने जूरी सदस्यों को बताया कि हमलावर उन पर तब तक चाकू से वार करता रहा जब तक कि आसपास खड़े लोगों ने उसे दबोच नहीं लिया। श्मिट ने जूरी सदस्यों को एक ट्रॉमा सर्जन की गवाही की याद दिलाई, जिसने कहा था कि रुश्दी की चोटें त्वरित उपचार के बिना घातक हो सकती थीं।

इजराइल ने बंधकों को "अपमानजनक" तरीके से सौंपे जाने का हवाला देकर फलस्तीनी कैदियों की रिहाई रोकी

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल ने कहा है कि सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों की रिहाई तब तक नहीं की जाएगी ''जब तक कि गाजा में बंधक बनाकर रखे गए और लोगों की रिहाई सुनिश्चित नहीं हो जाती तथा बंधकों को अपमानजनक तरीके से सौंपना'' बंद नहीं किया जाता।

देश के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने यह बयान रविवार को उस समय दिया जब कैदियों को ले जा रहे वाहन 'ऑफर जेल' के मुख्य द्वार से बाहर निकलने के बाद अंदर लौट गए। हमास ने छह इजराइली बंधकों को शनिवार को रिहा कर दिया था। इसके तुरंत बाद 620 फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाना था लेकिन अभी तक ऐसा नहीं किया गया है। शनिवार को रिहा किए गए छह बंधकों में से पांच को नकाबपोश सशस्त्र चरमपंथी, भीड़ के सामने मंच पर लाए जिसके बाद उन्हें रिहा किया गया। बंधकों को सौंपे जाने के इस तरीके की संयुक्त राष्ट्र और अन्य संगठनों ने निंदा की है। हमास ने जीवित बचे संभवत÷ अंतिम छह बंधकों को युद्ध विराम के प्रथम चरण के तहत रिहा कर दिया है। कैदियों की रिहाई में देरी की इजराइल की घोषणा ने युद्धविराम समझौते के भविष्य को लेकर अचानक और संदेह पैदा कर दिया है। हमास द्वारा छोड़े गए छह बंधकों में से तीन इजराइली पुरुष हैं, जिन्हें नोवा संगीत समारोह से उस समय कैद किया गया था, जब सात

अक्टूबर 2023 को हमास के चरमपंथियों ने हमला किया था। इस हमले के बाद इजराइल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ युद्ध छेड़ा था। बंधकों में से दो को हमास ने लगभग एक दशक तक बंधक रखा। वे दोनों अकेले ही गाजा में घुसे थे। पांचों को मंच पर लाया गया और इसके बाद बचावकर्ताओं को सौंपा गया। इस तरीके को 'रेड क्रॉस' और इजराइल ने क्रूर और अपमानजनक बताते हुए इसकी निंदा की है। ओमर वेंकर्ट, ओमर शेम टोव और एलिया कोहेन को हमास के लड़ाकों के साथ खड़ा किया गया। दबाव में दिख रहे शेम टोव ने दो चरमपंथियों के माथे को चूमा और भीड़ को चुंबन दिया। उन्होंने सेना की नकली वर्दी पहन रखी थी, जबकि वे सेना के जवान नहीं हैं।

एफबीआई के नौवें निदेशक काश पटेल ने भगवद्गीता पर हाथ रखकर ली शपथ

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका की केंद्रीय खुफिया एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) की कमान काश पटेल ने संभाल ली। व्हाइट हाउस में अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी ने काश पटेल को एफबीआई के नौवें निदेशक के रूप में शपथ दिलाई। उन्होंने भगवद्गीता पर हाथ रखकर शपथ ग्रहण की।

एफबीआई फेसबुक पेज के अनुसार, एफबीआई निदेशक के रूप में अपने पहले आधिकारिक दिन काश पटेल ने वॉल ऑफ ऑनर पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस वॉल पर एफबीआई के बहादुर सदस्यों का वर्णन है। उनका यहां जाना न्याय के प्रति उनके साहस और समर्पण की विरासत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

शपथ समारोह में काश पटेल ने कहा, ÷जो कोई सोचता है कि अमेरिकी सपना मर चुका है, वह यहीं देख ले। आप पहली पीढ़ी के भारतीय बच्चे से बात कर रहे हैं जो भगवान की धरती पर सबसे महान देश में कानून प्रवर्तन समुदाय का नेतृत्व करने वाला है।÷ महत्वपूर्ण यह है कि काश पटेल

की जड़ें भारत के गुजरात में वडोदरा से भी जुड़ी हैं। 25 फरवरी, 1980 को न्यूयॉर्क में पूर्वी अफ्रीका से आए भारतीय अप्रवासी माता-पिता के घर जन्मे काश ने रिचमंड यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएट करने के बाद यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन से अंतरराष्ट्रीय कानून में सर्टिफिकेट के साथ कानून की डिग्री हासिल की है। काश ने सार्वजनिक वकील के रूप में अपना प्रोफेशनल करियर शुरू किया। मियामी की अदालतों में लगभग नौ साल तक कड़ी मेहनत की। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 2014 के पहले कार्यकाल में काश पटेल रक्षा और खुफिया एजेंसियों में विभिन्न उच्च पदों पर कार्य कर चुके है। काश को ट्रंप का सबसे भरोसेमंद व्यक्ति माना जाता है।

इजराइल में अमेरिकी दूतावास ने ताजा अलर्ट में कर्मचारियों से सार्वजनिक परिवहन से बचने को कहा

यरूशलम, एजेंसी। इजराइल में अमेरिकी दूतावास ने एक सुरक्षा अलर्ट जारी कर अपने कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों से दो सप्ताह तक देशभर में सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने से बचने का आग्रह किया है। अमेरिकी मिशन ने एक बयान में कहा कि सार्वजनिक बसों में 20 फरवरी को हुए विस्फोटों के बाद और अधिक सावधानी बरतते हुए अमेरिकी दूतावास अस्थायी रूप से अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को

14 दिनों के लिए इजराइल में सार्वजनिक बसों और लाइट रेल का उपयोग करने से रोका है। बयान में आगे कहा गया कि अमेरिकी दूतावास अमेरिकी नागरिकों को सावधानी बरतने और व्यक्तिगत सुरक्षा जागरुकता बढ़ाने की निरंतर आवश्यकता की याद दिलाता है क्योंकि हमले अक्सर बिना किसी चेतावनी के होते हैं। सुरक्षा वातावरण जटिल है और जल्दी से बदल सकता है।ऐसे में चेतावनी अधिसूचना पर जोर दिया गया है। अमेरिकी मिशन ने अपने नागरिकों से इजराइल में अपनी गतिविधियों की योजना बनाते समय अलर्ट को ध्यान में रखने को कहा है। दूतावास सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करना जारी रखेगा और आवश्यकतानुसार अतिरिक्त जानकारी प्रदान करेगा। बतादें कि गुरुवार को तेल अवीव के दक्षिण में स्थित बैट याम और होलोन शहरों में खड़ी बसों में तीन विस्फोट हुए। हालांकि इन घटनाओं में कोई हताहत नहीं हुआ लेकिन स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों ने इसे एक संगठित रणनीतिक हमला करार दिया है। जांच के दौरान कम से कम पांच विस्फोटक उपकरण बरामद किए गए, जिनमें टाइमर सेट किए गए थे।

एचआरसीपी ने पाकिस्तान सरकार से श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा मजबूत करने का आग्रह किया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने सरकार से संविधान के अनुच्छेद 38 के तहत कमजोर और कम वेतनभोगी श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने की अपील की है। इस पहल का उद्देश्य श्रमिकों को बुढ़ापे, बेरोजगारी, बीमारी, चोट, प्रसव और मातृत्व से जुड़ी आर्थिक असुरक्षा से बचाना है। एचआरसीपी द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, एक कार्यक्रम में पाकिस्तान वर्कर्स यूनाइटेड फेडरेशन के चौधरी शौकत ने नियोक्ताओं द्वारा कर्मचारियों को आधिकारिक नियुक्ति पत्र देने और उन्हें ईओबीआई (इम्प्लॉई ओल्ड-एज बेनिफिट्स इंस्टिट्यूशन) के तहत पंजीकृत कराने की आवश्यकता पर जोर दिया।

श्रमिकों के अधिकारों पर चिंताएं : खैबर पख्तूनख्वा कर्मचारी सामाजिक सुरक्षा संस्थान के उपाध्यक्ष खुर्शीद आलम ने न्यूनतम वेतन लागू करने में आ रही बाधाओं पर चिंता व्यक्त की। पंजाब कर्मचारी सामाजिक सुरक्षा संस्थान के निदेशक मलिक फारुख मुमताज ने सुझाव दिया कि ईओबीआई और अन्य सामाजिक सुरक्षा निकायों को श्रमिकों की परिभाषा को समान रूप से लागू करना चाहिए, चाहे उनका वेतन कितना भी हो। राष्ट्रीय श्रम संघ के महासचिव उमर हयात ने बताया कि बलूचिस्तान में कई कोयला खनिक ईओबीआई लाभों और उनके अधिकारों से अनजान हैं।

सुधारों की आवश्यकता पर बल : आईएलओ (अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन) के शासी निकाय के सदस्य जहूर अवान ने बताया कि वर्तमान प्रणाली के तहत केवल पांच या अधिक कर्मचारियों वाले संगठन ही सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए पात्र हैं, जिससे छोटे व्यवसाय इससे बाहर रह जाते हैं।

पीआईएलईआर के प्रतिनिधि मकसूद अहमद ने श्रमिकों के अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए त्रिपक्षीय सम्मेलन आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

एचआरसीपी की सिफारिशें : एनआईआरसी के सदस्य मिस्बाह उल्लाह खान ने वर्षों की सेवा के बावजूद स्थायी दर्जा न मिलने वाले श्रमिकों की कठिनाइयों को उजागर किया। एचआरसीपी परिषद के सदस्य फरहतुल्लाह बाबर ने कहा कि अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों की उपेक्षा सरकार की बड़ी चूक है और अनुच्छेद 38 को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए।

गोलमेज सम्मेलन का समापन : एचआरसीपी की उपाध्यक्ष नसरीन अजहर ने निष्कर्ष में कहा कि पूंजीवादी उत्पादन प्रणाली ने श्रमिकों के शोषण को और गहरा कर दिया है, जिससे श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए मजबूत सामाजिक सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है।

पेंटागन में उथल-पुथल के बीच ट्रंप ने सेना के ज्वाइंट चीफ्स चेयरमैन को बर्खास्त किया : वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने पेंटागन में हफ्तों की उथल-पुथल के बीच शुक्रवार को सेना के ज्वाइंट चीफ्स चेयरमैन जनरल चार्ल्स क्यू. ब्राउन जूनियर को बर्खास्त कर दिया। यही पहली बार हुआ है कि प्रशासन बदलने पर देश के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी को इस तरह बाहर किया गया है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, परंपरागत रूप से प्रशासन बदलने पर भी देश के शीर्ष सैन्य अधिकारी की भूमिका से छेड़छाड़ नहीं की जाती। जनरल चार्ल्स क्यू. ब्राउन जूनियर चार सितारा लड़ाकू पायलट हैं। वह यह पद संभालने वाले दूसरे अफ्रीकी-अमेरिकी थे। उनकी जगह सेवानिवृत्त तीन सितारा वायु सेना जनरल डैन केन को लिया जाएगा।

राष्ट्रपति के सामने नीतीश बोले-वो लोग कुछ नहीं करते थे ना इलाज था ना पढ़ाई और ना सड़क

पटना। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार को पटना पहुंचीं। बापू सभागार में वो PMCH के शताब्दी समारोह में चीफ गेस्ट के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम में 3000 से ज्यादा डॉक्टर्स को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार ने बगैर नाम लिए लालू-राबड़ी के शासन पर तंज कसा। उन्होंने कहा, 'वो लोग कुछ काम नहीं कर रहे थे। उन लोगों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया। हमने महिलाओं के लिए काम किया। हर वर्ग के लिए काम किया। हम तो चाहते हैं, अच्छे से चलें। केंद्र का भी सहयोग मिलता रहेगा। बिहार बहुत आगे बढ़ेगा।' पहले हिंदू- मुस्लिम झगड़े होते थे अब नहीं सीएम ने कहा कि 'पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 1 महीने में 40 लोग इलाज कराते थे। अब 11 हजार लोग इलाज के लिए जाते हैं। पहले वाले इलाज नहीं कराते थे। पढ़ाई नहीं कराते थे। आने-जाने का रास्ता नहीं था। पहले कितना हिंदू- मुस्लिम का झगड़ा होता था। अब कहीं कुछ सुनाई देता है। हम हिंदू-मुस्लिम, पिछड़े, दलित, ऊंची जाति सबके विकास के लिए काम कर रहे हैं।' 2005 में हम लोगों को मौका मिला। उसी समय से हम लोग काम कर रहे थे। उस वक्त बिहार में 6 मेडिकल कॉलेज थे। अब 12 मेडिकल कॉलेज बन गए हैं। 14 मेडिकल कॉलेजों का का काम चल रहा है। हम हर जिले में मेडिकल कॉलेज बनवाने जा रहे हैं।कार्यक्रम में BJP के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि 'मेरा जन्म भी PMCH में हुआ था। दुनिया में ऐसी कोई जगह नहीं जहां PMCH के डॉक्टर ना हो। PMCH दुनिया का सबसे बड़ा अस्पताल है। यहां हम सभी को एक बार विजिट करना चाहिए।' उन्होंने कहा कि मोदी जी बिहार के विकास के लिए लगातार लगे हुए हैं। उन्होंने बिहार को बीमारु राज्य से अगृणी राज्य बनाया। पहले बिहार की गिनती नीचे से होती थी अब ऊपर से होती है।' राज्यपाल आरिफ मोहम्मद ने मेडिकल स्टूडेंट्स को गीता के श्लोक के जरिए जीवन जीने के मंत्र सिखाए।

संक्षिप्त डायरी

हथियार के साथ 3 युवक गिरफ्तार:जेल में बंद कुख्यात की कार्बाइन और कारतूस बरामद

दानापुर। में पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से एक देसी कार्बाइन और पांच जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। एएसपी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि गिरफ्तार युवकों की पहचान नासरीगंज प्राचीन मंदिर वार्ड नंबर 19 के विकास कुमार, पीयूष कुमार उर्फ सोनू राजपूत और अंकित कुमार के रूप में हुई है। तीनों को बिस्कुट मोड़ से पकड़ा गया है। पूछताछ में सामने आया कि बरामद कार्बाइन जेल में बंद कुख्यात अपराधी रवि गोप की है। रवि गोप ने किसी व्यक्ति की हत्या के लिए यह हथियार मुहैया करवाया था। पुलिस ने इस मामले में कांड संख्या 199/25 दर्ज किया है। एएसपी ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ सघन अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस का प्रयास रहेगा कि बरामद कार्बाइन को न्यायालय से रवि गोप के रिकॉर्ड में दर्ज कराया जाए। आरोपियों को पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। इस मामले में शामिल अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

गोली लगने से नहीं मरा अस्पताल में जान लेने पहुंचे

हॉस्पिटल में घायल को मारने आया बदमाश गिरफ्तार

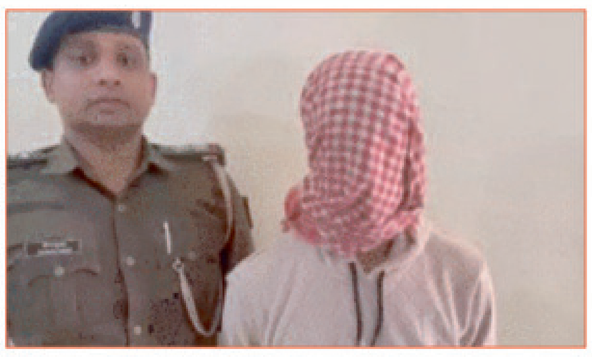

पटना। के खाजेकलां थाना क्षेत्र में एक अपराधी को हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया है। अपराधी हॉस्पिटल में एक घायल युवक की हत्या करने के लिए पहुंचा था। रविवार की देर रात परिजन और अस्पताल में मौजूद लोगों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। सोमवार को पुलिस ने पूरी घटना की जानकारी दी है। पुलिस अपराधी से पूछताछ करने में जुटी हुई है। खाजेकलां थाना क्षेत्र में 18 फरवरी को मच्छरहट्टा जिया, तमोली गली में वर्चस्व की लड़ाई में अपराधियों ने प्रेमराज साह को गोली मार दी थी। घायल प्रेमराज का इलाज चित्रगुप्त नगर थाना क्षेत्र के राजेश्वर अस्पताल में चल रहा था। अपराधियों को इस बात का डर था कि अगर प्रेमराज बच गया तो वो हम लोगों का नाम ले पुलिस को बता देगा। इसके बाद उन लोगों ने मिल कर फिर से प्रेमराज को मारने की साजिश की। हॉस्पिटल में मारने घुसे थे अपराधी रविवार की देर रात दो अपराधी अस्पताल में हथियार के साथ राजेश्वर अस्पताल पहुंचे। एक गेट पर रुक गया। दूसरा हॉस्पिटल के घुस गया। जैसे ही अपराधी ने हथियार निकाला वहां मौजूद प्रेमराज के परिजन ने उसे पकड़ लिया। हल्ला होते ही हॉस्पिटल के भी कई स्टाफ वहां पहुंच गए और अपराधी को हथियार के साथ पकड़ लिया। ये सब देख दूसरा अपराधी फरार हो गया। पटना सदर एएसपी अभिनव ने बताया कि प्रेमराज का भी आपराधिक इतिहास है। उसे मारने के लिए गिरफ्तार अपराधी लक्ष्मण कुमार अपने एक साथ अमित के साथ वहां पहुंचा था। पूछताछ में लक्ष्मण ने बताया कि शिबू कुमार उर्फ शिवम यादव का प्रेमराज के साथ वर्चस्व को लेकर आपसे विवाद था। इसी को लेकर शिबू ने प्रेमराज को जान से मारने की साजिश की। 18 फरवरी को गोली भी मारी गई, लेकिन प्रेमराज बच गया। इसके बाद फिर से इसे मारने की योजना शिबू ने बनाई।

महाकुंभ- पार्किंग में सो रहे 2 श्रद्धालुओं को रौंदा

पटना। महाकुंभ आए दो श्रद्धालुओं को पार्किंग में वाहनों ने रौंद दिया। अलगझअलग हादसे में दोनों की मौत हो गई है। पुलिस ने वाहनों को कब्जे में ले लिया है, जबकि ड्राइवर फरार हैं। तहरीर पर पुलिस ने बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मुरादाबाद के थाना नागफनी स्थित बंगला गांव के गीतेश सैनी (35) शनिवार रात मां नमिता और पत्नी के साथ फाफामऊ के बेला कछार पार्किंग-2 में अपने वाहन से पहुंचे। वह संगम स्नान करने से पहले पार्किंग में ही सभी जमीन पर आराम करने लगे। इसी बीच उनको नींद आ गई। इसी बीच बैक करते समय एक बस ने गीतेश को कुचल दिया, उसकी मौत हो गई। गीतेश की मां नमिता सैनी की तहरीर पर पुलिस ने बस ड्राइवर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। ड्राइवर फरार हो गया है।

पश्चिमी पंचारण के अनिल को कार ड्राइवर ने कुचला बिहार के पश्चिमी पंचारण योगापट्टी थाना के मच्छर गांव निवासी अनिल ठाकुर (48) बेला कछार पार्किंग-2 में दूसरी जगह सो रहे थे। उनको एक कार ड्राइवर ने कुचल दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद चालक कार छोड़ कर फरार हो गया।

प्रधानमंत्री के दौरे पर लालू यादव का वीडियो पोस्ट

पटना। पीएम नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे पर आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव ने निशाना साधा। उन्होंने सोमवार को एक्स पर एक वीडियो पोस्ट पर चुटकी ली। वीडियो में पीएम के तीन पुराने भाषण और बिहार में फैक्ट्री लगाने का जिक्र है। इस पर लालू यादव ने उनको झूठा बताया। लालू यादव ने लिखा है ' पीएम के झूठ मापने का कोई पैमाना होता तो वह टूट कर चूर-चूर हो जाता'। वीडियो में किसानों की आय दोगुनी करने वाले बयान, बिहार में विशेष पैकेज की योजनाएं और भागलपुर में ठप सिल्क कारोबार की खबरों को उनके तीन बयान से विपरीत बताते हुए झूठा कहा है। वहीं, प्रधानमंत्री के बिहार आगमन उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आज बिहार में हैं। इसलिए आज बिहार में झूठ और जुमलों की बरसात होगी। चुनावी वर्ष है, इसलिए लोगों को भ्रमित करने के लिए केंद्र की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन दिखावटी रूप से बिहार से होगा। लेकिन यहां के लोगों को कुछ नहीं मिलेगा और न देंगे। वहीं, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि लोगों को उलझाए रखने के लिए आ रहे हैं। पहले भी कहा था, दिल्ली का चुनाव खत्म हो गया है। अब बिहार में चुनाव होने हैं, इसलिए सब आएंगे। प्रधानमंत्री आते हैं तो ये अच्छी बात है, लेकिन जब आते हैं तो सिर्फ जुमलेबाजी करते हैं। लोगों को ठगने का काम करते हैं। तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि बिहार ने बीस साल तक डबल इंजन की सरकार को मौका दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 साल से केंद्र में हैं। नीतीश कुमार बीस साल से सीएम हैं। फिर भी साक्षरता के मामले में बिहार पीछे है। प्रति व्यक्ति आय और प्रति व्यक्ति निवेश में सबसे पीछे है। किसानों की आय में सबसे पीछे है। बेरोजगारी, गरीबी में बिहार नंबर वन है। पीएम मोदी आते हैं तो अच्छी बात है, लेकिन जब आते हैं तब वह जुमलेबाजी करते हैं। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि अभी तक बिहार फिसड्डी राज्यों में आ रहा है। आपने सवा लाख करोड़ का पैकेज देने का वादा किया था, उस पैकेज का क्या हुआ? कोई हिसाब किताब नहीं है। सिर्फ चुनाव के समय ही पीएम को बिहार और बिहारी याद आते हैं। पलायन रोकने के लिए क्या किया। यहां आकर चुनाव को कैसे मैनेज करना है। इस तरह से कुछ लोगों को निर्देश देना है। कुछ घोषणाएं होने वाली हैं। तो बताइए पहले क्या घोषणा हुई थी। ये चुनाव को मैनेज करने का काम है।

दिनदहाड़े फायरिंग गाली-गलौज का विरोध करने पर चलाई गोली

बेगूसराय। में शराब पीकर गाली-गलौज का विरोध करने पर आज दिनदहाड़े घर पर चढ़कर गोलीबारी किया गया है। जहां कि लाखो थाना क्षेत्र के वाजितपुर गांव में शराब पीकर महिलाओं के साथ गाली-गलौज करने से मना करने पर बदमाश ने घर पर चढ़कर हवाई फायरिंग की। पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। फायरिंग का वीडियो भी सामने आया है जिसमें स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि किस तरह युवक पिस्तौल लेकर घर के पास घूम रहा है, उसके बाद हवाई फायरिंग किया है। इसके बाद पीड़ित परिवार और स्थानीय लोगों ने आरोपी युवक को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। हवाई फायरिंग का वीडियो वायरल बताया जा रहा है कि वाजितपुर निवासी मनोहर पासवान का बेटा रॉकी कुमार हथियार लेकर रॉबिन कुमार के घर पहुंचा तथा हवाई फायरिंग की। इस दौरान घर के लोगों ने हवाई फायरिंग करते रॉकी कुमार का वीडियो भी बनाया जो वायरल हो रहा है। पीड़ित परिवार ने बताया कि रॉकी कुमार बदमाश किस्म का युवक है। वह बराबर शराब पीकर रॉबिन कुमार के घर की महिलाओं के साथ गाली-गलौज करता था। रॉबिन का परिवार गाली-गलौज करने से मना करता था। इसी से आक्रोशित होकर रॉकी आज हथियार लेकर रॉबिन के घर पर पहुंचा और गोलीबारी कर दी। इसके बाद पीड़ित परिवार ने इसकी सूचना डायल-112 को दी तो पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी युवक को पकड़ कर थाना ले गई है।

स्वर्ण व्यवसायी को गोली मारी, 50 हजार रूपए लूटकर फरार

बेगूसराय। में बीती रात भी बेखौफ बदमाशों ने एक स्वर्ण आभूषण कारोबारी को गोली मारकर घायल कर दिया। कारोबारी के पास से बदमाशों ने 50 हजार रुपए लूट लिया। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बेगूसराय-मटिहानी सड़क पर कावेरी पेट्रोल पंप के समीप की है। घायल व्यवसायी दीपक कुमार ठाकुर के जांघ में गोली लगी हुई है। जिसे घायल हालत में इलाज के लिए शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां इलाज चल रहा है। पुलिस घटनास्थल वाले रूट पर लगे CCTV फुटेज खंगालने के साथ विभिन्न तरीके से अनुसंधान कर रही है। घायल व्यवसायी मटिहानी निवासी दीपक कुमार ठाकुर ने बताया कि वह हेमरा चौक पर आभूषण दुकान चलता है। सोमवार की रात करीब 10 बजे अपनी दुकान बंद कर बाइक से अपने घर मटिहानी जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में कावेरी पेट्रोल पंप के समीप सड़क जाम रहने के कारण वह रुका था। तभी एक युवक आया और पूछा कि यह सड़क कहां जाती है। उसे बताया

बदली रहेगी ट्रैफिक व्यवस्था कारगिल चौक से पश्चिम गोलघर तिराहा तक वाहनों की नो एंट्री

एयरपोर्ट जाने के लिए वैकल्पिक मार्ग

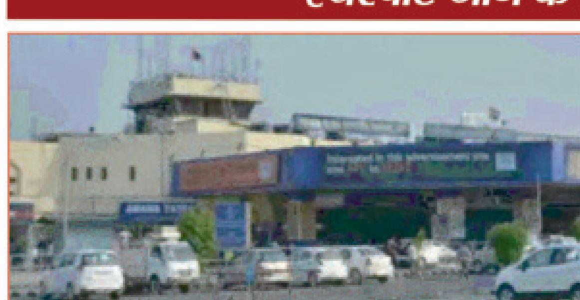

पटना। में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कार्यक्रम को लेकर आज ट्रैफिक व्यवस्था बदली रहेगी। प्रशासन की ओर से रूट चार्ट जारी किया गया है। एयरपोर्ट से लेकर बापू सभागार तक के मार्ग में सुबह 7:00 बजे से कार्यक्रम की समाप्ति तक किसी भी वाहनों की पार्किंग नहीं होगी। हवाई अड्डे से बापू सभागार और बापू सभागार से राजभवन का रूट आम लोगों के लिए डायवर्ट किया गया है। फ्लाइट पकड़ने वाले यात्री को कहा गया है कि वह समय से पहले घर से निकले। 11 बजे से पहले ही एयरपोर्ट पहुंच जाएं। अगर सुबह 11 बजे प्लेन बोर्डिंग के लिए एयरपोर्ट जाना हो तो उनके लिए हज भवन के पास दक्षिणी लेन से एक लेन की व्यवस्था रहेगी। कारगिल चौक से पश्चिम गोलघर तिराहा तक ट्रैफिक बंद रहेगा कारगिल चौक से पश्चिम गोलघर से तिराहा तक ट्रैफिक बंद रहेगा। जेपी गोलंबर से चिल्ड्रन पार्क तक भी वीवीआईपी मूवमेंट से 15 मिनट पहले ट्रैफिक को बंद कर दिया जाएगा। एयरपोर्ट जाने वाले और वहां से आने वाले यात्रियों की इंट्री-एग्जिट पश्चिमी गेट से होगी। पटेल गोलंबर से एयरपोर्ट के लिए वैकल्पिक मार्ग ड्ट नेहरू पथ, सगुना मोड़, आशियाना दीघा रोड, राजा बाजार होते हुए डुमरा चौकी से राइडिंग रोड होकर एयरपोर्ट जा सकते हैं। या बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस रोड से पुलिस भवन निर्माण निगम कार्यालय होते हुए अरण्य भवन रोड से एयरपोर्ट के पश्चिमी गेट तक जा सकते हैं। ड्ट खगौल, फुलवारी की ओर से पटना हवाई अड्डा जाने के लिए टमटम पड़ाव होते हुए आमुकोड़ा मोड़ से बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस-05 तिराहा होते हुए एयरपोर्ट के पश्चिमी गेट तक जा सकते हैं। ड्ट बोरिंग रोड, राजीव नगर, पटेल नगर से हवाई अड्डा जाने वाले यात्री बोरिंग रोड से पाटलिपुत्र गोलंबर होते हुए राजीव नगर नाला रोड से दीघा आशियाना रोड से राजा बाजार से डुमरा चौकी से पटना हवाई अड्डा पश्चिमी गेट (निकास) द्वार जा सकते हैं। ड्ट न्यू बाईपास से हवाई अड्डा जाने वाले यात्री न्यू बाईपास से मीठापुर से बेउर मोड़ से अनीसाबाद से टमटम पड़ाव होते हुए आमुकोड़ा मोड़ (जिला परिवहन कार्यालय, पटना) से बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस-05 तिराहा होते हुए।

खून से लथपथ मिली शख्स की लाश

पटना। के मेहंदीगंज थाना क्षेत्र के रानीपुर रसूलपुर मोहल्ले में एक युवक की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई। स्थानीय लोगों की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि मृतक के सिर पर गहरे चोट का निशान है। ज्यादा ब्लड निकलने से उसकी मौत हुई हुई। हत्या गोली से की गई या पीट-पीटकर, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगा। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। उसके एक हाथ पर 'संतोष' नाम का गोदना खुदा हुआ है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस पुलिस घटनास्थल पर मेटल डिटेक्टर से कारतूस और अन्य सबूतों की तलाश कर रही है। आसपास के लोग घटना के बारे में कुछ भी बताने से इनकार कर रहे हैं। पुलिस क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज की जांच में जुटी है। अपराधी घटना को अंजाम देकर फरार हो गए हैं।

GD कॉलेज में मल्टीडिस्पिलनरी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन

पटना। GD कॉलेज में आयोजित मल्टीडिस्पिलनरी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन बिहार विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर में वाणिज्य विभाग के शोध के छात्र ब्रजेश कुमार ने मखाना प्रसंस्करण, दक्षता बढाने और श्रम लागत कम करने तथा किसानों के आय में वृद्धि के संदर्भ मे शोध प्रस्तुत किया। ब्रजेश के शोध से स्पष्ट हुआ है कि मखाना बिहार के किसानों की दशा और दिशा बदल रही है। शोध प्रस्तुत करते हुए ब्रजेश कुमार ने कहा कि मखाना जैसी आम तौर पर फॉक्स नट या कमल के बीज के रूप में जाना जाता है। सदियों से भारतीय व्यंजनों में एक प्रधान रहा है जो अपने और असंख्य स्वास्थ्य लाभ के लिए मनाया जाता है। यह पारंपरिक स्नेक न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि प्रोटीन और आवश्यक खनिजों एवं विटामिन की सारणी से भरा हुआ है। भारत में इसकी व्यापक लोकप्रियता के बावजूद मखाना के पोषण और चिकित्सीय मूल्यों के बारे में जागरूकता में एक महत्वपूर्ण अंतर बना हुआ है। इसलिए जनता को इसके संभावित लाभों के संबंध में सूचित करने तथा आहार में इसको नियमित समावेश को प्रत्योसाहित करने के लिए सुपर फूड का गहन अध्ययन करना महत्वपूर्ण है। भारत में मखाना के पोषण और औषधीय महत्व के संबंध में जागरूकता से संबंधित साहित्य समीक्षा ईंगित करती है। यह मामूली बीज प्रोटीन, कार्बोहाईड्रेट, विटामिन और खनिज सहित महत्वपूर्ण पोषक तत्वों के समृद्ध स्रोत के रूप में कार्य करता है। यह काम वास और कैलोरी सामग्री की विशेषता है, जो शरीर के भीतर मुक्त कणों का मुकाबला करने में सहायता करते हैं। इसके अतिरिक्त इसमें विरोधी भड़काऊ गुण होते हैं, जो जड़ों के दर्द को कम करने और मधुमेह एवं हृदय रोग जैसी पुरानी स्थितियों को रोकने में मदद कर सकते हैं। मखाना अपने व्यापक स्वास्थ्य लाभों के कारण आयुर्वेदिक चिकित्सा में बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है।

मेडिकल रिप्रिजेन्टेटिव सदाबहार कॅरिअर

जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती हैं जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती।

गला काट प्रतिस्पर्धा के इस दौर में बाजार में टिके रहने के लिए कंपनियां विपणन नीति का सहारा ले रही हैं। इससे दवा कंपनियां भी अछूती नहीं हैं। भूमंडलीकरण ने इस प्रतिस्पर्धा को और बढ़ा दिया है। जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती हैं जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती। लिहाजा इस क्षेत्र में भी रोजगार के बेहतर अवसर खुल रहे हैं।

मेडिकल रिप्रिजेंटिव के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के इच्छुक अभ्यार्थी को विज्ञान स्नातक होना आवश्यक है। लेकिन फार्मेसी में डिग्री और डिप्लोमाधारी अभ्यर्थी को सभी दवा कंपनी प्राथमिकता देती हैं। हालांकि इस क्षेत्र में सफलता हासिल करने के लिए डिग्री से ज्यादा धैर्य, लगन तथा वाकपटुता की जरूरत होती है। इसके साथ ही आकर्षक व्यक्तित्व, बातचीत से दूसरे को प्रभावित करने की क्षमता और सकारात्मक सोच का होना भी जरूरी है।

एक मेडिकल रिप्रिजेंटिव यानी एमआर का काम मेडिकल व्यवसाय से जुड़े, व्यवसायियों, चिकित्सकों से संपर्क कर अपनी कंपनी द्वारा उत्पादित दवाओं की गुणवत्ता बताना होता है। उन्हें इस तरह समझाना होता है कि चिकित्सक रोगियों को उन्हीं की कंपनी की दवा लिखे। एक एमआर को अपनी कंपनी की उत्पादित तमाम दवाओं की जानकारी रखना होता है और चिकित्सकों और व्यवसायियों को बताना होता है। यानी वह कंपनी और व्यवसायियों के बीच एक पुल का काम करता है। एक तरह से उसके कंधे पर कंपनी की सफलता की पूरा दारोमदार टिका हुआ है।

एक एमआर को वेतन उसकी योग्यता और कंपनी के स्तर के आधार पर मिलता है। शुरुआत में एक एमआर को 5 से लेकर 15 हजार रुपए तक मिलते हैं। इसके अलावा वाहन, यात्रा भत्ता, हाउसिंग और सुविधाएं अलग से मिलती हैं। देश के कई संस्थानों में मेडिकल प्रशिक्षण और फार्मा मार्केटिंग मैनेजमेंट, बैचलर ऑफ फार्मेसी और डिप्लोमा इन फॉर्मेसी के कोर्स कराए जाते हैं। इनमें से कुछ प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं-

- हमदर्द कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मदनगीर, दिल्ली।
- कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, पुष्प विहार, महरौली, दिल्ली।
- महिला पॉलीटेक्निक, महारानीबाग, नई दिल्ली।
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- बॉम्बे कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मुंबई, महाराष्ट्र।
- बिहार कॉलेज ऑफ फार्मेसी, अनिसाबाद, पटना, बिहार।

सफलता का आईना हो आपका रिज्यूमे

नौकरी प्राप्त करने का पहला कदम रिज्यूमे प्रेषित करना होता है। आपका रिज्यूमे आपकी सफलता का आईना हो, जिसमें सब कुछ स्पष्ट दिखे। वह केवल आपकी सफलता ही नहीं, बल्कि आपके कार्य-इतिहास के बारे में भी सब कुछ कहे, ताकि नियोक्ता को कहीं कोई शंका न रह जाए।

आज के प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में आपको दूसरों से अलग बनाती हैं आपकी सफलताएं। यहां हम आपको कुछ टिप्स बता रहे हैं, ताकि आपके रिज्यूमे में आपकी सफलताएं भली-भांति प्रदर्शित हों। जहां प्रतिस्पर्धा बहुत ज्यादा बढ़ चुकी है, वहां केवल योग्यता और कार्यानुभव के दम पर अच्छी नौकरी पाना आसान नहीं है। ऐसे में आपकी छोटी-बड़ी सफलताएं ही हैं, जो आपको अन्य लोगों से आगे रखती हैं। आप किसी कंपनी के लिए कितने तरीके से लाभदायी सिद्ध हो सकते हैं, इस बात को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और इसे बताने के लिए जरूरी है कि आपका रिज्यूमे बेहतरीन तरीके से तैयार किया जाए, जो आपको साधारण आवेदक की श्रेणी से विशेष की श्रेणी में पहुंचाएगा।

उत्तरदायित्वों को पेश करें

अपना रिज्यूमे तैयार करने का एक बढ़िया तरीका है कि आप शब्दों का चयन चतुराई से करें। यहां तक कि जब आप अपने कार्य उत्तरदायित्वों की बात करें तो उन्हें ऐसे पेश करें कि वे आपकी सफलताएं नजर आएं। मिसाल के तौर पर..

पहले- उत्तरी क्षेत्र में सेल्स की जिम्मेदारी।

अब- समूचे उत्तरी क्षेत्र के सेल्स प्रमुख।

देखिए कैसे 'जिम्मेदारी' की जगह 'प्रमुख' क्रिया का इस्तेमाल करते ही रिज्यूमे आपकी जो छवि बनाता है, उसमें कितना अंतर दिखाई देने लगा है। अगर एक रिज्यूमे में सिर्फ आपके उत्तरदायित्वों का ही जिक्र होता है तो किसी भी कंपनी को यह बिल्कुल समझ में नहीं आता कि आप असल में करते क्या थे! साथ में उन्हें बमुश्किल ही पता चल पाता है कि आप उनके लिए क्या कर सकते हैं। इस बात का खास ख्याल रखें कि अपनी रोजमर्रा की जिम्मेदारियों को बताने के लिए दमदार क्रिया-शब्दों जैसे लेड, इनीशिएटेड, स्पीयरहेडेड, कंट्रोल्ड, एक्सेलरेटेड, अटेंड, कॉन्सेप्चुलाइज्ड, कंडक्टेड, डिवाइस्ड, डायरेक्टेड, ड्राफ्टेड, एक्जीक्युटेड, एन्हैंस्ड, एस्टेब्लिश्ड आदि का इस्तेमाल करें। इन शब्दों के माध्यम से आपकी छवि एक सक्रिय कर्मचारी की बनेगी और कंपनी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जब आप यह कहेंगे कि आपको क्या हासिल हुआ, बजाए इसके कि आप क्या संभालते थे तो आपकी छवि एक उत्तरदायी और पहल करने वाले कर्मचारी के रूप में बनेगी, न कि सिर्फ ऐसे व्यक्ति के रूप में, जो केवल दिया हुआ काम ही पूरा करता है।

जिम्मेदारियों के बारे में बताएं

किसी कंपनी को यह बताना भी बेहद महत्वपूर्ण है कि आप अपने काम को कितने अच्छे तरीके से संभालते हैं। इसके लिए भी आपको 'रिस्पॉन्सिबल फॉर' से कुछ अधिक कहना होगा, जैसे..

पहले- कंपनी में एमआईएस इंटरफेस की जिम्मेदारी।

अब- नए मार्केट्स की तलाश और क्लाइंट्स को बेहतर सेवा देने के लिए एमआईएस के साथ तकनीकी तरक्की के लिए कार्य (इंटरफेस)।

पहले जो रिज्यूमे में लिखा गया है, उससे कंपनी के दिमाग में यह बात स्पष्ट नहीं होती कि आप कितने प्रभावी तरीके से अपनी जिम्मेदारी संभाल रहे थे, वहीं दूसरे मामले में 'इंटरफेस' शब्द ने आपको एक सक्रिय आवेदक के रूप में प्रस्तुत किया है। इस तरह किसी भी कार्य के साथ जुड़ने ने यह दिखा दिया है कि आपका इसमें क्या योगदान रहा और यही आपकी सफलता भी है। साथ ही इससे कंपनी को यह भी समझ में आ गया कि भविष्य में आप किस प्रकार से उन्हें योगदान दे सकते हैं। दरअसल हम एक बेसिक रिज्यूमे में अपने संपर्क की जानकारी, अपना उद्देश्य, अपने बारे में जानकारी, कार्यानुभव, अतिरिक्त गतिविधियां और दूसरी जानकारी देने में काफी जल्दबाजी करते हैं। हम अक्सर ऐसी जगह आकर रुक जाते हैं, जहां हमें वास्तव में अपनी वर्तमान कंपनी में अपने योगदान का जिक्र करना चाहिए।

एक दमदार रिज्यूमे का मुख्य तत्व 'प्रमाण' होता है। प्रमाण इस बात का कि आपने रिज्यूमे में जो कुछ भी कहा है, आप उसकी इज्जत रखेंगे - और यह प्रमाण आपके वाइटल स्टेटस में होता है, जिसमें तथ्य व आंकड़े या परिणाम दर्शाने वाले कथन होते है। ये सब आपके वर्तमान कार्य को दर्शाते है व आपको एक सफल व कार्य करने के इच्छुक कर्मी के रूप में साबित करते हैं।

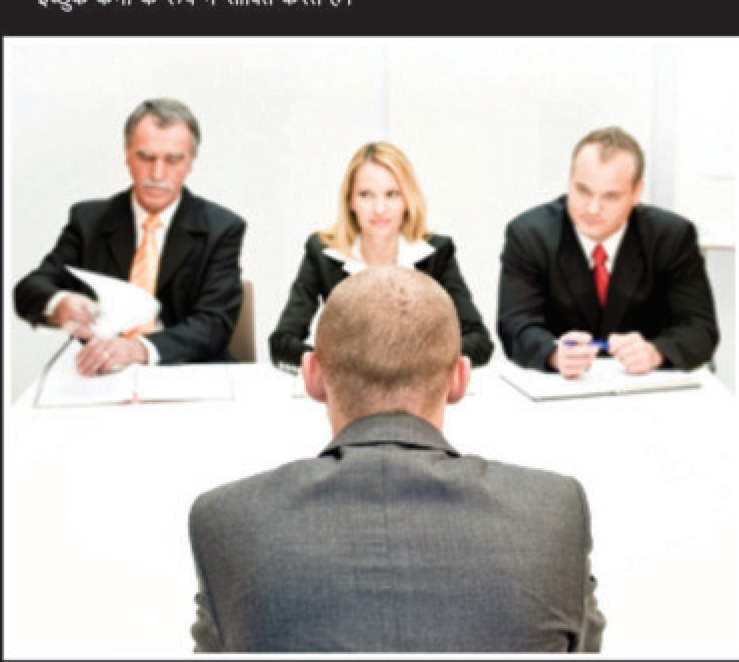

जब भटक जाए करियर प्लान

कॉलेज डिग्री के बाद आप कॉर्पोरेट जगत में अपना प्रोफेशनल जीवन शुरू करते हैं। इसके लिए आप इंटरव्यू की तैयारियां भी पूरे मनोयोग से करते हैं, जहां 'आप पांच वर्ष में खुद को कहा देखते हैं?' जैसे प्रश्नों की आप खास तैयारी करते हैं। लेकिन पांच या दस वर्ष बाद आपकी महत्वाकांक्षाएं कितनी पूरी हो पाती हैं? क्या आप अपनी प्रगति से संतुष्ट होते हैं या आपको लगता कि यदि एक और मौका मिले तो आप अपने प्रयास कुछ अलग तरीके से करना चाहेंगे ? जब करियर लक्ष्य पूरे न हों तो निराशा होनी स्वाभाविक होती है; फिर जरूरी हो जाता है कि आप अपनी मौजूदा स्थिति का आकलन करें और करियर ग्राफ को ऊपर ले जाने के लिए भावी योजना की रूपरेखा एक बार फिर तैयार करें।

निराशा से जूझना - क्या शुरुआत में वह नौकरी आपके हाथ से निकल गई थी जिसे आप सचमुच प्राप्त करना चाहते थे, और क्या आपका मौजूदा कार्य आपको तरक्की करने के पूरे मौके नहीं दे रहा और क्या कोई नया ऑफर भी आपकी ओर नहीं आ रहा, या फिर कई नौकरियां बदलने के बावजूद आप वहां नहीं पहुंच पा रहे जहां पहुंचने की आपने उम्मीद की थी, और इन सबके अलावा अर्थव्यवस्था का कठिन दौर भी आपके खिलाफ जा रहा है?

कई बार आपके सच्चे प्रयासों के बाद भी परिस्थितियां शुरू से ही आपके विपरीत रहती हैं। फिर भी, यहां यह ध्यान रखना होगा कि आप जो रास्ता पार कर चुके हैं, उस पर आप वापस तो नहीं जा सकते, लेकिन भविष्य की तैयारी अपने अनुसार जरूर कर सकते हैं।

पुनर्प्रयास - तो यदि आपको लगता है कि आपके करियर चार्ट में कुछ कमी है तो उसका सही **आकलन करें** - क्या यह वह बुनियादी हुनर है जिसकी कमी से आप बड़ी परियोजनाओं का हिस्सा नहीं बन पा रहे हैं या कोई सॉफ्ट स्किल है जो महत्वपूर्ण कार्य संबंधों को आपसे दूर रख रहा है? इसके बाद, उपरोक्त कमियों को दूर करने के लिए जरूरी प्रशिक्षण के बाद की परिस्थितियों का भी आकलन करें। यह भी जरूरी है कि आप अपने करियर के मौजूदा दौर में प्रशिक्षण की महत्ता को समझें।

फोकस बदलें - आपने अपनी सारी ऊर्जा एक ही दिशा में लगा दी थी, परंतु वह आपके काम नहीं आई। तो अब समय आ गया है कि आप आगे बढ़ें और अन्य दिशाओं में अपने प्रयास शुरू कर दें। इसका मतलब करियर की दिशा में परिवर्तन नहीं होता, बल्कि मौजूदा कार्य के साथ नई जिम्मेदारियां उठाना, जिनमें आपको कुछ नए हुनर सीखने की जरूरत हो। याद रखें कई बार विपरीत परिस्थितियों में नए अवसर छुपे होते हैं; एक अदद निराशा को अपने समूचे करियर को नुकसान न पहुंचाने दें।

खुद पर भरोसा - दुविधा के समय अपने निर्णयों पर सवाल करना अक्सर एक प्राकृतिक क्रिया होती है; परंतु जरूरी है कि अपनी सोच और क्षमताओं पर विश्वास डगमगाना नहीं चाहिए। गलत नौकरी या विपरीत परिस्थितियों का शिकार होना ही आपके बारे में नही बताता। इसलिए, अपनी जमीन पर जमें रहें।

कैसे पाएं प्रोमोशन

अप्रेजल का समय आने को है। इसके बहाने आप अपने कार्य की समीक्षा स्वयं भी कर सकते हैं। तो शुरुआत कीजिए इस कार्य की जो आपको इस वर्ष तरक्की के मार्ग पर आगे बढ़ाने जा रहा है। बता रहे हैं जोल गार्फिकल

फर्ज करें आपके बॉस, आपके बॉस के बॉस और अन्य कंपनी एग्जीक्यूटिव्स एक साथ बैठकर आपके बारे में विचार कर रहे हों। इस दौरान वह आपके कार्य चरित्र, आपकी लीडरशिप क्वालिटीज, आपके प्रोजेक्ट्स, आपके अधीनस्थों, आपके द्वारा प्राप्त नतीजों और गत वर्ष के दौरान आपकी परफॉरमेंस के बारे में चर्चा करते हैं। यह समिति एक बहुत महत्वपूर्ण नतीजा लेती है- आपको तरक्की मिलनी चाहिए या नहीं ? बेशक आपके संस्थान में इस कार्य से जुड़ा कोई अनौपचारिक तरीका न हो, लेकिन इस तरह की प्रक्रिया कमोबेश प्रत्येक छोटी या बड़ी कंपनी में होती है। दरअसल, इस प्रक्रिया के दौरान कुछ ऐसा होता है- प्रत्येक मैनेजर अपनी पसंद के प्रत्याशी को तरक्की प्राप्त करने के सबसे बड़े उम्मीदवार के तौर पर पेश करता है। उस समय समिति के अन्य सदस्य यह जानना चाहते हैं कि ऐसा क्यों है।

इसलिए ऐसे समय आपको एक ऐसे मैनेजर का सहयोग होना चाहिए जो आपके बारे में सही छवि पेश कर सके। आपके मैनेजर के साथ अन्य ऐसे मैनेजर्स और एग्जीक्यूटिव्ज भी होंगे जिन्होंने आपके साथ काम किया है, वह भी अपने विचार रखेंगे। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि वह आपका सकारात्मक और असरकारी रूप सामने रखें। जाहिर है जब प्रत्येक मैनेजर अपने प्रत्याशी के पक्ष में बात सामने रखेगा, उस समय प्रतिस्पर्धा बहुत सख्त हो जाएगी। प्रत्याशियों की संभावी तरक्की के बारे में अधिकारियों के बीच यह मंत्रणा ईमानदार और कड़वी भी हो सकती है। यदि आपको कोई पसंद नहीं करता, तो वह भी ऐसे समय स्पष्ट हो जाता है। कई बाद हालात उस समय सचमुच बिगड़ जाते हैं जब अपने प्रत्याशी को किसी भी कीमत पर तरक्की दिलाने पर उतारू कोई मैनेजर अन्य प्रत्याशियों की बढ़-चढ़ कर बुराइयां करने लगता है। तो तरक्की पाने का आपका मौका तब अधिक होता है जब आपको -

- हाई परफॉरमेंस रिव्यूज मिले हों।
- आपने दिए गए सभी लक्ष्य प्राप्त कर लिए हों।
- आपने भावी सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने की शुरुआत कर दी हो।
- आपने टीम के कार्य पूरे कर दिए हों।
- कंपनी को बचत करने की विधि बताई हो।
- अतिरिक्त कार्यों की जिम्मेदारी ली हो।
- नए संबंध स्थापित किए हों।
- कार्य के दौरान ज्यादा देर तक काम किया हो।

परंतु कुछ बिंदु आपके खिलाफ भी जा सकते हैं यदि -

- समिति में सब आपको, आपके कार्य और उपलब्धियों से परिचित न हों।
- मंत्रणा के दौरान यदि ज्यादा लोगों ने आपके पक्ष में न बोला हो।
- आप दफ्तर की राजनीति से दूर रहते हों यानी आप समूचे 'खेल का हिस्सा' न हों।
- आपने दिए गए कार्य से अतिरिक्त कुछ और न किया हो।
- यदि नीति निर्धारक आपसे प्रभावित न हों और कम ही लोग आपके पक्ष में बात रख रहे हों।

यदि प्रोमोशन नहीं मिलती तब?

यदि ऐसा होता है तो तुरत-फुरत अपने रिज्यूमे अन्य स्थानों को भेजने न शुरू कर दें। इससे अनुभव लें और अगली बार के लिए तैयार रहें। कुछ उपाय-

बॉस से सही फीडबैक लें

प्रोमोशन से जुड़ी मीटिंग की अधिकाधिक जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करें। आपके बॉस बेशक ऐसे समय कुछ बातें आपको नहीं बताएं, परंतु फिर भी वह बिना नाम लिए जरूरी जानकारी आपको दे सकते हैं।

अपनी कमियों को भी जाहिर करें

रक्षात्मक न बनें। अपनी कमियों को दूर करने के लिए अपने बॉस के साथ काम करें। उदाहरण के लिए, यदि वरिष्ठ समूह कहता है कि आप वित्तीय मामलों में अधिक मजबूत नहीं हैं, तो कहें कि आप इस विषय में प्रशिक्षण लेने को तैयार हैं।

अगली मीटिंग का इंतजार न करें

यह कभी न सोचें कि आपका कार्य अपनी पहचान खुद बनेगा। आपका लक्ष्य होना चाहिए कि मीटिंग रूम में सब को आपकी उपलब्धियों का पहले से पता हो। इसके लिए कंपनी के हित में आपके कार्य के बारे में नीति निर्माताओं को समझाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करें।

तरक्की प्राप्त करने से जुड़े तीन उपाय

चूंकि अब आप जानते हैं कि इस दौरान 'खेल' खेला जाता है, तो प्रोमोशन प्राप्त करने से जुड़े कुछ उपाय जानिए।

बॉस को करें तैयार

इस बात पर ध्यान दें कि आपके बॉस के पास आपकी उपलब्धियों से जुड़ी सभी जानकारी दस्तावेजों के रूप में मौजूद हो।

बॉस को सहयोग दें

ऐसे कुछ बिंदुओं को तैयार करें जो बताएं कि आप क्यों आदर्श प्रत्याशी हैं। इन बिंदुओं के साथ अत्य तथ्यात्मक जानकारी भी दें जो कंपनी के हित से जुड़ी हो। कुछ बड़े ग्राहकों या उपभोक्ताओं से प्राप्त प्रशंसा पत्र आदि भी साथ रखें।

अन्य लोगों की प्रतिक्रियाओं का पूर्वानुमान

अपने सहयोगियों का लाभ लें और विरोधियों द्वारा संभावी नुकसान का आकलन करें। अपने बॉस को यह भी सूचना दें कि आपने मंत्रणा कक्ष में मौजूद लोगों की किस तरह मदद की थी। यदि कुछ विरोधी तत्व आपकी नजर में हैं तो उनकी जानकारी भी बॉस को दें। उनसे आपके बॉस कैसे निपटें, इस पर विचार किया जाना जरूरी होता है।

चैंपियन्स ट्रॉफी : पाकिस्तान के जल्दी बाहर होने से पीसीबी नाराज, हो सकती है बड़ी कार्रवाई

दुबई (एजेंसी)। कराची – चैंपियन्स ट्रॉफी से राष्ट्रीय टीम के जल्दी बाहर होने से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) में काफी निराशा और नाराजगी है लेकिन उसने 9 मार्च को टूर्नामेंट के अंत तक टीम के मामलों पर चुप रहने का फैसला किया है। पीसीबी के एक करीबी सूत्र ने कहा कि अधिकारी टूर्नामेंट में टीम के प्रदर्शन से आहत हैं, विशेषकर पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ।

सूत्र ने कहा, 'लेकिन बड़े परिदृश्य को देखते हुए जो चैंपियंस ट्रॉफी की सफल मेजबानी है और यह सुनिश्चित करना है कि यह मेजबान देश के रूप में पाकिस्तान क्रिकेट के लिए सकारात्मक प्रचार लाए, टीम के प्रदर्शन पर अभी कुछ भी नहीं कहने का फैसला किया गया है।'

सूत्र ने कहा कि आंतरिक रूप से टीम, चयन या भविष्य की योजनाओं पर चर्चा नहीं करने पर सहमति बनी है क्योंकि यह केवल टूर्नामेंट से ध्यान भटकाएगा और पाकिस्तान क्रिकेट के लिए 'नकारात्मक सुर्खियां' लाएगा। सत्र ने कहा, 'बोर्ड नेतृत्व को भी अहसास है कि प्रतियोगिता में टीम में लचर प्रदर्शन के लिए कोई बहाना या बचाव नहीं दिया जा सकता है।'

सूत्र ने बताया कि पीसीबी चैंपियन्स ट्रॉफी की सफल मेजबानी को पाकिस्तान में और अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं को लाने के प्रवेश द्वार के रूप में देखता है, भले ही टूर्नामेंट की मेजबानी के अधिकार हासिल करने के लिए उसे कई बाधाओं का सामना करना पड़ा हो। हालांकि सूत्र ने स्वीकार किया कि टूर्नामेंट खत्म होने के बाद इसकी पूरी समीक्षा की जाएगी कि कैसे और कहां चीजें गलत हुईं।

सूत्र ने कहा, 'पाकिस्तान को 15 मार्च से न्यूजीलैंड में सफेद गेंद की श्रृंखला खेलनी है और अंतरिम मुख्य कोच के रूप में आकिब जावेद का अनुबंध 27 फरवरी को समाप्त हो जाएगा जब पाकिस्तान बांग्लादेश के खिलाफ अपना अंतिम ग्रुप मैच खेलेगा।'

उन्होंने कहा, 'इसलिए निश्चित रूप से बोर्ड को न्यूजीलैंड दौरे के लिए मुख्य कोच चुनना होगा लेकिन यह नियुक्ति अंतरिम प्रकृति की भी हो सकती है। राष्ट्रीय हाई परफोर्मेंस केंद्र से कोई व्यक्ति हो सकता है क्योंकि पीसीबी ने स्थायी मुख्य कोच की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू नहीं की है।' सूत्र ने कहा कि पीसीबी इस साल अगस्त से अगले आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत से पहले नए मुख्य कोच की नियुक्ति करेगा।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने भारत-पाकिस्तान पर दी प्रतिक्रिया, बोले- अब एकतरफा मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान मैच हमेशा एक बहुप्रतीक्षित घटना होती है, लेकिन इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन का मानना है कि मुकाबला 'एकतरफा' हो गया है और क्रिकेट प्रचार के अनुरूप नहीं है। एथरटन ने कहा, 'ठीक है, यह पूरी तरह से एकतरफा था। यह बहुत दूर से ही बहुत अनुमानित लग रहा था। पाकिस्तान की बल्लेबाजी लाइन-अप कमजोर थी, जैसा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में था। बल्लेबाजी में बस थोड़ी ऊर्जा और गतिशीलता की कमी थी।'

भारत और पाकिस्तान केवल ICC आयोजनों में एक-दूसरे के खिलाफ खेलते हैं और उनके मुकाबलों को अक्सर ब्लॉकबस्टर मुकाबलों के रूप में बनाया जाता है। एथरटन ने कहा, 'उस मुकाबले के लिए थोड़ी समस्या है, है न? क्योंकि यह सभी तरह के कारणों से एक बहुप्रतीक्षित मुकाबला है। आंशिक रूप से, आप जानते हैं, सिर्फ कमी के कारण। वे स्पष्ट कारणों से केवल तटस्थ क्षेत्र में ICC आयोजनों में एक-दूसरे से खेलते हैं।'

उन्होंने कहा, 'लेकिन उस मैच को लेकर काफी प्रचार है। आप चाहते हैं कि क्रिकेट भी उस प्रचार के अनुरूप हो। अगर आप पिछले 10 सालों के नतीजों को देखें, तो मुझे लगता है कि पिछले 10 सालों में वे एक-दूसरे से 9 बार खेल चुके हैं। पाकिस्तान ने सिर्फ एक बार जीत हासिल की है, और वह ओवल में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में थी। इसलिए अभी यह एकतरफा मुकाबला है।'

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में खिलाड़ियों की सुरक्षा पर उठे सवाल

–बांग्लादेश और न्यूजीलैंड मैच के दौरान मैदान में पहुंचा संदिग्ध आतंकी

रावलपिंडी (एजेंसी)। पाकिस्तान में खेली जा रही आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में खिलाड़ियों की सुरक्षा में सेंध लगाने का मामला सामने आया है। यहां सोमवार को हुए बांग्लादेश और न्यूजीलैंड मैच में एक संदिग्ध व्यक्ति कीवी खिलाड़ी रचिन रविन्द्र तक पहुंच गया। इससे पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के कड़ी सुरक्षा रखने के दावे की पोल खुल गयी है। पीसीबी की परेशानी इसलिए भी बढ़ गयी है क्योंकि स्टेडियम में जो व्यक्ति पहुंचा था। वह प्रतिबंधित पार्टी तहरीक ए लब्बैक का समर्थक निकला। इस घटना के बाद पीसीबी ने कहा कि खिलाड़ियों की सुरक्षा को और बढ़ाया जाएगा।

चैम्पियंस ट्रॉफी को निशाना बनाने की धमकी पहले ही आतंकियों ने दी है। अब जबकि पाक टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। ऐसे में आतंकी किसी हमले को भी अंजाम दे सकते हैं। चैम्पियंस ट्रॉफी में अभी लगभग 10 मैच होने हैं। आतंकवादी संगठन आईएसआईएस के प्रमुख अब्दुल कादिर मुमीम के भी अभी पाक में होने की बात सामने आयी है। हससे भी सुरक्षा बलों की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार आईएसआईएस प्रमुख कादिर ने अपनी यात्रा में बलूचिस्तान में आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट खुरासन प्रोविंस के आतंकवादियों से भी मुलाकात पर अभी तक सुरक्षाबल उसे पकड़ नहीं पाये हैं।

बांग्लादेश सहित कई अन्य देशों की टीमें आजकल पाक में हैं। अभी तीन मैच रावलपिंडी में, तीन मैच लाहौर में और दो मैच कराची में खेले जाने हैं। ये भी खुलासा हुआ है कि चैम्पियंस ट्रॉफी आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट के निशाने पर हो सकती है। इसके बाद से ही सेना ने स्टेडियम के आसपास सुरक्षा घेरा और कड़ा कर दिया है।पाक में साल 2009 में श्रीलंकाई टीम की बस पर आतंकी हमला हुआ था। उस कारण खिलाड़ियों में डर का माहौल है।

भारत और न्यूजीलैंड चैम्पियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचे, पाकिस्तान और बांग्लादेश बाहर हुए

–ग्रुप बी में अभी तय नहीं हुए नाम

रावलपिंडी (एजेंसी)। न्यूजीलैंड की टीम ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के ग्रुप ए के अपने दूसरे मैच में बांग्लादेश को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। कीवी टीम की जीत के साथ ही पाकिस्तान और बांग्लादेश की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। वहीं अपने दोनो मैच जीतने वाली भारतीय टीम भी सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। भारत और न्यूजीलैंड की टीमों ने अब तक अपने ग्रुप में 2-2 मैच खेले और दोनों में जीत दर्ज की है। वहीं दूसरी और पाकिस्तान और बांग्लादेश की टीमों अपने दोनो ही मैच हारी हैं। इस प्रकार अंक तालिका के आधार पर ये दोनो ही टीमें बाहर हो गयी हैं। वहीं भारत और न्यजीलैंड ने पहले ओर दूसरे नंबर पर रहते हुए अंतिम चार में जगह बनायी है।

भारतीय टीम ने अपने पहले मुकाबले में बांग्लादेश को 6 विकेट से हराया था. इसके बाद पाकिस्तान को भी 6 विकेट से हराया। कीवी टीम ने अपने पहले ही मैच में पाक को 60 रनों से हराया था। अब ग्रुप-ए में 2 मैच और खेले जाएंगे पर इन दोनो के परिणामों से कोई अंतर नहीं पड़ेगा। ग्रुप का अगला मैच पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच 27 फरवरी को रावलपिंडी में जबकि ग्रुप का अंतिम मुकाबला भारत और न्यूजीलैंड के बीच 2 मार्च को दुबई में होगा।

वहीं न्यूजीलैंड-बांग्लादेश मैच की बात करें तो इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेशी टीम ने कप्तान नजमुल हुसैन शांतो के 77 रनों की सहायता से 9 विकेट पर 236 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को कीवी टीम ने रचिन रवींद्र के 112 रनों की सहायता से आसानी से हासिल कर लिया। इस मैच में रचिन और टॉम लेथम के बीच 129 रनों की साझेदारी हुई।

ग्रुप बी दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया ने एक एक मैच जीते हैं। इस प्रकार दोनों टीमें अंक तालिका में पहले और दूसरे नंबर पर हैं। वहीं इंग्लैंड और अफगानिस्तान की टीमों शुरुआती मैचों में हारी है। ऐसे में अभी सेमीफाइनल के पक्के तौर पर कुछ तय नहीं हुआ है हालांकि अब तक दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल की दौड़ में सबसे आगे हैं।

अगर कप्तानी का मौका मिला तो केकेआर की अगुआई करने के लिए तैयार: वेंकटेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर का कहना है कि अगर उन्हें आईपीएल 2025 में मौका मिला तो वह कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की अगुआई करने के लिए तैयार हैं। वेंकटेश को हालांकि प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में किसी भी स्तर पर कप्तानी का कोई अनुभव नहीं है। गत चैंपियन केकेआर ने अभी तक अपने कप्तान की घोषणा नहीं की है। टीम इस सत्र के शुरुआती मैच में ईडन गार्डन्स में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू से भिड़ेगी।

केकेआर ने पिछले सत्र मे श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खिताब जीता था लेकिन उन्हें बड़ी नीलामी में पंजाब किंग्स ने खरीद लिया और बाद में अपना कप्तान बना दिया। वेंकटेश ने कहा, 'निश्चित रूप से, मैं तैयार हूं। मैंने हमेशा यह कहा है कि कप्तानी सिर्फ एक ठप्पा है। मैं नेतृत्व में विश्वास करता हूं। एक नेतृत्वकर्ता होने के नाते यह एक बड़ी भूमिका है। इस बारे में कोई अस्पष्टता नहीं है। अगर मुझे मौका मिलता है तो मैं निश्चित रूप से इसे करूंगा। ऐसा नहीं करने का कोई कारण नहीं है।'

वेंकटेश ने कहा कि कप्तान को अच्छा आदर्श बनकर उदाहरण स्थापित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'आपको अपने ड्रेसिंग रूम में नेतृत्वकर्ता बनने के लिए कप्तान के ठप्पे की आवश्यकता नहीं है। आपको उदाहरण स्थापित करने की आवश्यकता है। आपको मैदान पर और मैदान के बाहर दोनों जगह एक अच्छा आदर्श बनने की जरूरत है जो मैं अभी मध्य प्रदेश में कर रहा हूं।' वेंकटेश ने कहा, 'मैं मध्य प्रदेश टीम का कप्तान नहीं हूं लेकिन मेरी राय का सम्मान किया जाता है और मुझे ऐसे माहौल में रहना पसंद है जहां हर व्यक्ति - नया या अनुभवी, 20 लाख रुपये, 20 करोड़ रुपये, जो भी हो - आपको बस अपनी राय व्यक्त करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। आपको बस राय देने और सुझाव देने की स्वतंत्रता होनी चाहिए और उन्हें सही भावना से लिया जाना चाहिए।' वर्ष 2021 में केकेआर में शामिल हुए वेंकटेश को पिछले साल की नीलामी से पहले टीम ने छोड़ दिया था लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के साथ नीलामी में कड़ी टक्कर के बाद 23.75 करोड़ रुपये में वापस खरीद लिया गया। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने 51 आईपीएल मैच में 1,326 रन बनाए हैं। उन्होंने अपने सभी आईपीएल मैच नाइट राइडर्स के लिए खेले हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी : ब्रायडन कार्स चोट के कारण बाहर, इंग्लैंड टीम में इस खिलाड़ी की एंट्री

दुबई : आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की इवेंट तकनीकी समिति ने ब्रायडन कार्स के प्रतिस्थापन के रूप में रेहान अहमद के नाम की इंग्लैंड को मंजूरी दे दी है। पैर की अंगुली में चोट के कारण कार्स के बाहर होने के बाद छह एक दिवसीय मैच खेलने वाले अहमद को प्रतिस्थापन के रूप में नामित किया गया था। किसी खिलाड़ी के प्रतिस्थापन के लिए खिलाड़ी को आधिकारिक तौर पर टीम में शामिल करने से पहले इवेंट तकनीकी समिति की मंजूरी की आवश्यकता होती है। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की इवेंट तकनीकी समिति में वसीम खान (आईसीसी महाप्रबंधक – क्रिकेट), सारा एडगर (आईसीसी वरिष्ठ प्रबंधक – इवेंट्स), उस्मान वाहला (पीसीबी निदेशक – अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट संचालन), शॉन पोलक (स्वतंत्र प्रतिनिधि) शामिल हैं। टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में ऑस्ट्रेलिया से हारने के बाद इंग्लैंड इस समय ग्रुप बी में मुश्किल स्थिति में है।

इंग्लैंड टीम – जोस बटलर (कप्तान), जोफा आर्चर, गस एटकिंसन, टॉम बैंटन, हैरी ब्रूक, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, जो रूट, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड, रेहान अहमद।

एकदिवसीय प्रारुप में विराट सबसे बेहतर खिलाड़ी : पोंटिंग

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। पोटिंग ने कहा कि उन्होंने अपने करियर में विराट से अच्छा बल्लेबाज नहीं देखा है। पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मैच में दबाव के क्षणों में विराट ने ही शतक लगाकर भारतीय पारी को संभाला था। विराट की विपरीत हालातें में खेली इस पारी को देखकर पोंटिंग को कहना पड़ा है कि एकदिवसीय प्रारुप में विराट से बेहतर कोई भी खिलाड़ी नहीं है।

पोंटिंग ने अहम अवसरों पर आगे आकर खेलने की कोहली की क्षमता और इस दौरान रिकॉर्ड तोड़ने की क्षमता को सर्वश्रेष्ठ बताया है। इस पूर्व कप्तान ने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि बड़े मैच बड़े नामों के बराबर होते हैं। आपको उन बड़े अवसरों पर अपने बड़े नामों को खड़ा करने की जरूरत होती है और भारत के लिए पाकिस्तान के खिलाफ मैच से बड़ा कोई मैच नहीं हो सकता। आपकी प्रतिष्ठा अंतरराष्ट्रीय मंच पर सबसे बड़ी प्रतियोगिताओं में आपके प्रदर्शन से बनती है। इसलिए मेरे लिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि ऐसा हुआ है। विराट को लेकर उन्होंने कहा, पाकिस्तान ने मुश्किल विकेट पर पहले बल्लेबाजी की थी। इस तरह की मैच में जीतने वाली पारी खेलने के लिए शीर्ष क्रम में किसी की जरूरत थी और एक बार फिर कोहली ने इस काम को पूरा किया।

वह बोले, , दोनो टीमों का स्कोर देखें तो एक में विराट ने शतक बनाया और दूसरे में कई पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने शुरुआत हासिल की पर बड़ा स्कोर नहीं बनाया। मैंने हमेशा कहा है कि खेल के किसी भी प्रारुप में अर्धशतक से आप या आपकी टीम को कुछ नहीं मिलता। आपको बड़े स्कोर बनाने होते हैं। इस मैच में पाकिस्तान के लिए व्यक्तिगत बड़े स्कोर भी नहीं थे और ना ही बड़ी साझेदारियां थीं।

रणजी फाइनल : फॉर्म और घरेलू परिस्थितियों के कारण विदर्भ का केरल पर पलड़ा भारी

नागपुर (एजेंसी)। अपने प्रमुख खिलाड़ियों की शानदार फार्म और घरेलू परिस्थितियों के कारण पूर्व चैंपियन विदर्भ की टीम केरल के खिलाफ बुधवार से यहां शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। अक्षय वाडकर की अगुवाई वाली विदर्भ की टीम ने इस सत्र में अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। उसने अब तक अपने नौ मैचों में से आठ में जीत हासिल की है और एक ड्रा खेला है।

विदर्भ ने ग्रुप चरण में सात मैचों में छह मैच में जीत हासिल की। इसके बाद उसने क्वार्टर फाइनल में तमिलनाडु को 198 रन से और सेमीफाइनल में गत चैंपियन मुंबई को 80 रन के बड़े अंतर से हराया। विदर्भ 2017-18 और 2018-19 में रणजी चैंपियन बना था जबकि केरल की टीम पहली बार फाइनल में पहुंची है। विदर्भ की टीम चौथी बार फाइनल में पहुंची है। वह पिछले साल फाइनल में मुंबई से हार गई थी जिसकी भरपाई वह इस साल करना चाहेगी।

विदर्भ की टीम ने अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखी है। वह इस साल विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में भी पहुंची थी। विदर्भ के बल्लेबाजों ने इस सत्र में अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। उसकी तरफ से यश राठौड़ ने 58.13 की औसत से 933 रन बनाए हैं जिसने पांच शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। कप्तान वाडकर ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया है। उन्होंने 48.14 की औसत से 674 रन बनाए हैं।

अनुभवी बल्लेबाज करुण नायर भी उनसे अधिक पीछे नहीं हैं। उन्होंने 45.85 की औसत से 642 रन बनाए हैं। उनके अलावा दानिश मालेवार ने 557 और ध्रुव शोरे ने 446 रन बनाकर अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई है। गेंदबाजी में विदर्भ के लिए 22 वर्षीय हर्ष दुबे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने अभी तक 66 विकेट लिए हैं और एक रणजी सत्र में सर्वाधिक विकेट लेने के रिकॉर्ड से केवल दो विकेट दूर हैं।

रिकॉर्ड बिहार के आशुतोष अमन के नाम पर है जिन्होंने 2018-19 के सत्र में 68 विकेट लिए थे। दूसरी तरफ सचिन बेबी की अगुवाई वाली केरल की टीम अगर पहली बार फाइनल में पहुंची है तो इसमें किस्मत का भी बड़ा हाथ रहा। क्वार्टर फाइनल में जम्मू कश्मीर को उसने केवल एक रन से हराया जबकि सेमीफाइनल में गुजरात के खिलाफ पहली पारी में दो रन की मामूली बढ़त के आधार पर वह फाइनल में जगह बनाने में सफल रहा।

सलमान निजार और मोहम्मद अजहरुद्दीन केरल की बल्लेबाजी के मुख्य स्तंभ हैं। निजार ने वर्तमान सत्र में अभी तक 86.71 की औसत से 607 रन जबकि अजहरुद्दीन ने 75.12 की औसत से 601 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में जलज सक्सेना केरल के सबसे सफल गेंदबाज रहे हैं। उन्होंने अभी तक 38 विकेट लिए हैं। विदर्भ के पूर्व खिलाड़ी आदित्य सरवटे ने 30 विकेट लेकर उनका अच्छा साथ दिया है।

टीम इस प्रकार हैं

विदर्भ : अक्षय वाडकर (कप्तान और विकेटकीपर), अथर्व तायदे, अमन मोखड़े, यश राठौड़, हर्ष दुबे, अक्षय कर्णेवार, यश कदम, अक्षय वखारे, आदित्य ठाकरे, दर्शन नालकंडे, नचिकेत भूते, सिद्धेश वाथ (विकेटकीपर), यश ठाकुर, दानिश मालेवार, पार्थ रेखाडे, करुण नायर, ध्रुव शौरे।

केरल : सचिन बेबी (कप्तान), रोहन कुन्नूमल, सलमान निज़ार, मोहम्मद अज़हरुद्दीन (विकेटकीपर), अक्षय चंद्रन, जलज सक्सेना, शॉन रोजर, आदित्य सरवटे, बासिल थम्पी, एमडी निधिश, नेदुमंकुझी बासिल, श्रीहरि एस नायर, शराफुद्दीन एनएम, आनंद कृष्णन, वरुण नयनार, ईडन एप्पल टॉम, अहमद इमरान।

धवन बोले घरेलू क्रिकेट के साथ पर्याप्त आराम की भी जरुरत

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने कहा है कि घरेलू क्रिकेट खेलना जरुरी है पर इसके साथ ही खिलाड़ी को आराम भी दिया जाना चाहिये। ऐसे में इसपर अमल करते समय संतुलित रवैया अपनाया जाना चाहिये जिससे कि खिलाड़ियों पर अनावश्यक बोझ न पड़े। हाल में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य कर दिया था। धवन ने सभी खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट को अनिवार्य बनाने के फैसले का तो समर्थन किया पर कहा कि इसमें देखा जाना चाहिये कि खिलाड़ियों को थकान नहीं हो। धवन भारत और पाकिस्तान मैच देखने भी यहां पहुंचे थे। धवन मैच देखने के बाद भारतीय ड्रेसिंग रूम में भी गए थे। धवन ने कहा, 'यह अच्छी बात है कि मौजूदा खिलाड़ी घरेलू मैच भी खेला रहे हैं जैसे की हाल में विराट ने दिल्ली की ओर से रणजी मैच खेला था। बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद सभी खिलाड़ियों को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेलने को कहा। इसक बाद रोहित शर्मा, विराअ कोहली जैसे खिलाड़ी रणजी मैच खेलते दिखे।

चेन्नई सुपर किंग्स ने श्रीधरन को बनाया सहायक कोच

मुम्बई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम ने आईपीएल के 2025 सत्र के लिए सहायक गेंदबाजी कोच श्रीधरन श्रीराम को शामिल किया है। श्रीराम पूर्व भारतीय क्रिकेटर हैं, और उन्होंने भारतीय टीम के लिए 2000 से 2004 के बीच आठ वनडे मैच खेले थे। हालांकि उन्हें भारतीय टीम में ज्यादा मौके नही मिले, लेकिन घरेलू क्रिकेट में उनका प्रभाव था और वे एक शानदार ऑलराउंडर रहे हैं। श्रीराम की नियुक्ति सीएसके के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है, क्योंकि उनकी गेंदबाजी समझ और अनुभव सीएसके के बॉलर को और भी बेहतर बना सकता है। सीएसके पास महेन्द्र सिंह धोनी के अलावा रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, मथीशा पथिराना जैसे अहम खिलाड़ी हैं। सीएसके के प्रशंसकों में इस बार काफी उत्साह है सीएसके ने इस बार के मेगा नीमी में कई बड़े खिलाड़ी खरीदे हैं, जिनमें दिग्गज स्पिन गेंदबाज आर अश्विन का नाम प्रमुख है। अश्विन के होने से गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिलेगी। टीम के पास नए खिलाड़ी जैसे नूर अहमद, खलील अहमद, और राहुल त्रिपाठी भी हैं जिससे उसे काफी उम्मीदें हैं। सीएसके की टीम में कई अनुभवी और युवा खिलाड़ी हैं जिससे वह अलग-अलग परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम होगी। सीएसके के प्रशंसकों के लिए यह सत्र खास होने वाला है, क्योंकि टीम ने इस बार अपनी रणनीति को और भी मजबूत किया है। टीम का लक्ष्य 2025 आईपीएल में एक और खिताब जीतना है।

टीम इस प्रकार है – रुतुराज गायकवाड़, पथिराना , शिवम दुबे , नूर अहमद, रविन्द्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, डेवोन कॉनवे, खलील अहमद, रचिन रवींद्र, एमएस धोनी, राहुल त्रिपाठी, अंशुल कंबोज, सैम करन।

धोनी जैसा कोई व्यक्ति भी इस पाकिस्तानी टीम की मदद नहीं कर सकता: सना मीर

कराची (एजेंसी)। पूर्व पाकिस्तानी महिला कप्तान सना मीर ने चैंपियंस ट्रॉफी से जल्दी बाहर होने के लिए पुरुष क्रिकेट टीम की आलोचना करने वालों में शामिल होते हुए कहा कि महेंद्र सिंह धोनी जैसा भी कोई खिलाड़ी इस मुश्किल दौर से गुजर रही टीम की किस्मत नहीं बदल सकता। न्यूजीलैंड और चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से शर्मनाक हार के बाद मेजबान पाकिस्तान आठ टीमों की मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गया।

'गेम ऑन है' कार्यक्रम में मीर ने कहा, 'चैंपियंस ट्रॉफी टीम में चुने गए 15 खिलाड़ी, भले ही आप एमएस धोनी या (पूर्व पाकिस्तानी कप्तान) यूनिस खान को कप्तान बना दें कोई भी टीम के साथ कुछ नहीं कर सकता क्योंकि यह टीम खेल की परिस्थितियों के आधार पर नहीं चुनी गई है।'

मोहम्मद रिजवान की अगुआई वाली पाकिस्तानी टीम को दुबई में भारत से छह विकेट से मिली हार के लिए पाकिस्तान में प्रशंसकों की आलोचना का सामना करना पड़ा। 39 वर्षीय क्रिकेटर से कमेंटेटर बनी इस खिलाड़ी ने कहा, 'मैं मैच देख रही थी, तभी मुझे एक दोस्त का संदेश मिला कि भारत ने 2 विकेट पर 100 रन बना लिए हैं। इसलिए जब टीम की घोषणा की गई, तो मैंने कहा कि मैच खत्म हो गया है।'

मीर ने कहा कि पाकिस्तान ने परिस्थितियों के आधार पर टीम का चयन नहीं किया है। उन्होंने, 'जब हमने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की थी, तब हम आधा टूर्नामेंट हार चुके थे, और मैं यह पहले दिन से ही कह रहा हूं। वे (चयनकर्ता) जानते थे कि पाकिस्तान को दुबई में कम से कम एक मैच खेलना है, तो आप दो अंशकालिक स्पिनर कैसे लाए। अबरार (अहमद), जो अभी भी एकदिवसीय क्रिकेट में नए हैं... पिछले 5 महीनों में 165 रन देकर दो विकेट लिए हैं। चयनकर्ताओं ने ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछली दो श्रृंखलाओं में खेलने वाले प्रमुख खिलाड़ियों को हटा दिया।'

उन्होंने कहा, 'अबरार ने भारत के खिलाफ 10 ओवर में सिर्फ एक विकेट लिया, हालांकि वह पाकिस्तान के गेंदबाजों में सबसे किफायती रहे और उन्होंने 28 रन दिए। इरफान (खान) नियाजी

एक अच्छे फील्डर थे, उन्होंने अच्छी पावर-हिटिंग दिखाई (दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज में)... इसलिए, जब हमने टीम की घोषणा की तो हम टूर्नामेंट हार गए।'

पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटरों ने की टीम में बदलाव की मांग , शोएब ने बाबर को धोखेबाज बताया

–हफीज बोले, शाहीन , हारिस और नसीम को बाहर करें

लाहौर । आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम के खिलाफ पाकिस्तान को मिली करारी हार के बाद ही पूर्व क्रिकेटर बेहद गुस्से में हैं। जावेद मियांदाद से लेकर शोएब अख्तर जैसे दिग्गजों ने कहा है कि टीम में बदलाव किया जाये। इन दिग्गजों का कहना है कि पाकिस्तान की टीम भारत के खिलाफ एक बार भी दबाव नहीं बना पायी। पूर्व क्रिकेटरों ने बाबर आजम की सबसे अधिक आलोचना की है। इनका कहना है कि बाबर धोखेबाज है। वह कभी भी भारतीय टीम के खिलाफ रन नहीं बनाता। वहीं पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने अभी तक टीम की हार को लेकर कोई बयान नहीं दिया है। पूर्व खिलाड़ियों ने टीम की रणनीति और योजनाओं की आलोचना की है। अकरम ने साल 2026 टी20 विश्व कप से पहले सफेद गेंद की टीम में बदलाव की मांग की है। शोएब अख्तर ने तो बाबर आजम को धोखेबाज करार दिया है। वहीं पूर्व कप्तान और कोच रहे मुहम्मद हफीज ने तीनों तेज गेंदबाजों शाहीन अफरीदी, हारिस राउफ और नसीम शाह को टीम से बाहर करने को कहा है। अकरम ने ऑफ स्पिनर अबरार अहमद के शुभमन गिल को आउट करने के बाद बाहर जाने का इशारा करने को भी गलत बताया।

बांग्लादेश से जुड़े मामले में अदालत हस्तक्षेप नहीं कर सकती, कहकर सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने याचिका खारिज की

नई दिल्ली । देश के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने लुधियाना स्थित भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव समिति के अध्यक्ष और इस्कॉन मंदिर संचालन बोर्ड के उपाध्यक्ष राजेश ढांडा द्वारा दायर जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करने से मना कर दिया, जिसमें बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों पर लक्षित हिंसा से हिंदुओं की सुरक्षा की मांग की गई थी। सीजेआई खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने सुनवाई शुरू होते ही विदेशी मामलों और पड़ोसी देश के आंतरिक घटनाक्रमों के मुद्दों में हस्तक्षेप करने से साफ इंकार कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, सीजेआई खन्ना ने कहा, यह विदेश का मामला है और यह अदालत दूसरे देश के मामलों पर टिप्पणी नहीं कर सकती है? सुनवाई कर सीजेआई ने कहा, यह बहुत अजीब होगा अगर यह अदालत दूसरे देश के मामले में हस्तक्षेप करेगी। उन्होंने कहा, हम कैसे मामले में दखल दे दें, वह हमारा पड़ोसी देश है, उसके मामले में हस्तक्षेप नहीं कर सकते। इसके बाद पीठ की सलाह पर याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने जनहित याचिका वापस ले ली। इसके बाद पीठ ने याचिका खारिज कर दी। याचिकाकर्ता ने हिन्दुओं की सुरक्षा की मांग के अलावा बांग्लादेश से भागकर आए हिंदुओं के लिए नागरिकता के लिए आवेदन देने की समय सीमा बढ़ाने की भी मांग की थी। अर्जी में भारतीय विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय को बांग्लादेश में स्थित उच्चायोग के माध्यम से बांग्लादेश में निवासरत हिंदू अल्पसंख्यकों को मदद देने का निर्देश देने की भी मांग की गई थी। इसके अलावा पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ चल रहे अत्याचारों को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार बांग्लादेश पर वैश्विक दबाव बनाने की मांग भी की गई थी।

मौसम बदलेगा मिजाज, कई राज्यों में बरसेंगे बादल; दिल्ली-यूपी का क्या होगा हाल?

नई दिल्ली। देश के कुछ राज्यों में मौसम विभाग की तरफ से बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक पूरे उत्तर भारत में मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। आईएमडी ने उत्तर-पश्चिमी भारत के कई हिस्सों में 25 से 28 फरवरी के बीच भारी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ इस अवधि के दौरान जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड को प्रभावित करेगा। इसके अलावा, उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में भी 26 से 28 फरवरी के बीच हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली में अगले कुछ दिनों तक आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। 25 फरवरी को सुबह हल्की धुंध रह सकती है, अधिकतम तापमान 27-29 डिग्री रहेगा। वहीं 26 फरवरी को हल्की बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने 27 फरवरी को तेज बारिश और गरज-चमक के साथ मौसम ठंडा रहेगा और अधिकतम तापमान 25-27 डिग्री तक गिर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद में 25 से 28 फरवरी के बीच भारी बारिश और बर्फबारी होगी। वहीं हिमाचल प्रदेश में 26 से 28 फरवरी और उत्तराखंड में 27 और 28 फरवरी को भारी बर्फबारी की संभावना है। मैदानी इलाकों में पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 26 फरवरी से 1 मार्च तक हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में ओलावृष्टि और आंधी-तूफान की भी चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक, बिहार, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में दिन का तापमान 1-4 डिग्री सेल्सियस तक गिरा है। वहीं उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना में भी कुछ इलाकों में हल्की ठंड महसूस की गई है। राजस्थान, झारखंड, कोंकण और तटीय आंध्र प्रदेश में दिन का तापमान सामान्य से 3-5 डिग्री अधिक दर्ज किया गया।

लावारिस बैग को खोलने पर हुआ धमाका, 4 लोग हुए घायल

कटिहार। बिहार के कटिहार जिले में सड़क किनारे पड़े लावारिस बैग को खोलने के दौरान विस्फोट हो गया। जिससे दो महिलाओं समेत चार लोग घायल हो गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। वहीं, विस्फोट वाले स्थल को सीज कर दिया गया है। फोरेंसिक विशेषज्ञों ने सबूत एकत्र कर लिए हैं और आगे की जांच जारी है। जल्द ही पूरे मामले का खुलासा कर लिया जाएगा। इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने दी। घटना के बाद आसपास हड़कंप मच गया। जिसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पूरे इलाके को सील कर दिया और जांच भी शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि बिहार के कटिहार जिले में एक बैग के अंदर रखे विस्फोटक में विस्फोट होने से दो महिलाओं समेत चार लोग घायल हो गए। यह घटना बलरामपुर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत लाथौर गांव में हुई। पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा ने बताया कि कम तीव्रता वाला विस्फोट सोमवार दोपहर करीब 1 बजे लाथौर गांव में हुआ. यहां सड़क किनारे रखे एक लावारिस बैग को कुछ लोग खोलने की कोशिश कर रहे थे।

भाजपा ने महाकुंभ को राजनीतिक इवेन्ट बना दिया : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हाल ही में बड़ा बयान दिया है जिसमें उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने महाकुंभ को राजनीतिक इवेन्ट बना दिया है और स्त्री, संतों, धर्माचार्यों और गरीबों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया है। उन्होंने कहा कि कुंभ की व्यवस्था के लिए केन्द्र और प्रदेश सरकारें को दो लाख करोड़ रूपये का कार्प्स फण्ड बनाना चाहिए ताकि गरीबों को उनकी सुविधा सुनिश्चित हो सके। उनके बयान के साथ ही उन्होंने केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की लड़ाई को भी उठाया और कहा कि इससे आम जनता को ठगा महसूस हो रहा है।

चाहे कोई नाराज हो या खुश, मैं भ्रष्ट लोगों की नियुक्ति को मंजूरी नहीं दूंगा

-महाराष्ट्र सीएम फडणवीस ने मंत्री कोकाटे के बयान का दिया जवाब

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस ने साफ कर दिया है कि वह मंत्रियों के कहने पर किसी भ्रष्ट निजी सहायकों और विशेष कार्य अधिकारी की नियुक्तियों को मंजूरी नहीं देंगे। कृषि मंत्री और अजित पवार गुट के वरिष्ठ नेता माणिकराव कोकाटे के बयान का जवाब देते हुए फडणवीस ने कहा कि चाहे कोई नाराज हो, लेकिन जिन अफसरों पर भ्रष्टाचार या गलत कामों के आरोप लगे हैं, उन्हें वह नियुक्त करने की मंजूरी नहीं देंगे।

बता दें माणिकराव कोकाटे ने सोमवार को एक कार्यक्रम में कहा था कि अब मंत्रियों के पीए और ओएसडी की नियुक्ति भी सीएम तय कर रहे हैं, जिससे उनके पास खुद के फैसले लेने की गुंजाइश नहीं है। इस बयान ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी। इसके जवाब में सीएम फडणवीस ने कहा कि राज्य में मंत्रियों के पीए और विशेष कार्य अधिकारियों की नियुक्ति का अधिकार सीएम के पास होता है। कोकाटे साहब को शायद यह जानकारी नहीं है कि यह कोई नई परंपरा नहीं है। कैबिनेट बैठक में साफ कर दिया गया था कि मंत्री अपने सुझाव भेज सकते हैं, लेकिन अगर उन पर गलत कामों का ठप्पा लगा है, तो वह मंजूरी नहीं देंगे।

सीएम फडणवीस ने बताया कि मंत्रियों की ओर से कुल 125 नाम भेजे गए थे, जिनमें से 109 को हरी झंडी दी गई है, लेकिन जिन पर संदेह था, उन्हें मंजूरी नहीं मिली। उन्होंने साफ कहा कि मैंने बाकी नामों को क्लीयर नहीं किया क्योंकि उन पर आरोप हैं और कुछ मामलों में जांच भी चल रही है। चाहे कोई नाराज हो या खुश, मैं ऐसे नामों को पास नहीं करूंगा।

इस बीच महाराष्ट्र विधान परिषद की उपाध्यक्ष और शिंदे गुट की शिवसेना नेता नीलम गोहे द्वारा उद्धव ठाकरे पर की गई टिप्पणी और फिर संजय राऊत के पलटवार से राजनीति गरमा गई है। इस पर फडणवीस ने कहा कि ऐसे राजनीतिक बयानों से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि साहित्य सम्मेलन में भी नफरत झलक रही है। वहां पीएम मोदी से लेकर उद्धव ठाकरे तक पर कटाक्ष किए गए है, लेकिन क्या ऐसे मंच का इस्तेमाल राजनीति के लिए करना सही है? उन्होंने यह भी कहा कि साहित्य मंचों पर सभी को संयम बरतना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर राजनीतिक नेता साहित्य सम्मेलनों में जाते हैं, तो उन्हें अपनी राजनीतिक बयानबाजी पर भी रोक लगानी चाहिए।

योगी को महाकुंभ के दौरान मारे गए लोगों के परिवारों को मुआवजा देना चाहिए : ममता

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने महाकुंभ के दौरान भगदड़ में कई लोगों की मौत होने का आरोप लगाते हुए मांग की कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार पीड़ितों के परिवारों के लिए घोषित मुआवजा तत्काल जारी करे। बनर्जी ने इस दावे पर भी सवाल उठाया कि इस वर्ष महाकुंभ मेला 144 वर्षों के अंतराल के बाद हो रहा है तथा उन्होंने विशेषज्ञों से इस दावे की सत्यता की जांच करने का आग्रह किया। बनर्जी ने यहां राज्य सचिवालय में संवाददाताओं से कहा, ''मैं उत्तर प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग करती हूं कि चूंकि उन्होंने कुंभ मेले में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा की है, इसलिए उन्हें तत्काल यह राशि जारी करनी चाहिए।'' उत्तर प्रदेश सरकार ने कुंभ मेले के दौरान भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को 25-25 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की थी।

एचडीएफसी लाइफ ने लॉन्च किया क्लिक 2 अचीव पार एडवांटेज

भोपाल (एजेंसी)। भारत की प्रमुख जीवन बीमा कंपनियों में से एक, एचडीएफसी लाइफ ने अपना नया उत्पाद 'एचडीएफसी लाइफ क्लिक 2 अचीव पार एडवांटेज' लॉन्च किया है। यह एक पार्टिसिपेटिंग प्लान है, जिसे लोगों के जीवन के अलग-अलग चरणों में आने वाले महत्वपूर्ण लक्ष्यों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। आमतौर पर जब लोग अपने बढ़ते सपनों और जरूरतों के लिए बचत करते हैं, तो वे जल्दी पैसे निकालने की सुविधा, लचीलेपन और भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं। यह प्लान इन्हीं जरूरतों को पूरा करने के लिए खासतौर पर डिजाइन किया गया है।

इस प्लान में कुछ प्रमुख विशेषताएँ शामिल हैं :

अगर पॉलिसीधारक का दुर्भाग्यवश निधन हो जाता है, तो आगे प्रीमियम भरने की जरूरत नहीं होती है। इसके तहत तुरंत एकमुश्त राशि दी जाती है और पॉलिसी के बाकी फायदे नामांकित व्यक्ति या परिवार को मिलते रहते हैं। इसके अलावा, ग्राहक अपनी जरूरत के हिसाब से डेथ बेनेफिट का विकल्प भी चुन सकते हैं, जिसमें 5 गुना, 7 गुना या 11 गुना तक का कवर शामिल है। साथ ही, वे अपने कैश बोनस को पेड-अप एडिशन में बदलकर पॉलिसी की अवधि के दौरान कभी भी निकाल सकते हैं। ग्राहक अपनी भविष्य की जरूरतों के अनुसार इन विकल्पों का कोई भी संयोजन चुन सकते हैं। इस प्लान में जीवन बीमा सुरक्षा के साथ-साथ अतिरिक्त लाभ भी मिलते हैं। इसमें अतिरिक्त लाइफ कवरेज का विकल्प मौजूद है, जिसके तहत जीवनसाथी को भी कवर किया जा सकता है। इसके अलावा, मौजूदा टैक्स नियमों के अनुसार, इस पर कर लाभ भी उपलब्ध हैं। हर कामकाजी व्यक्ति, जिस पर परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी है, उसके लिए जीवन बीमा बहुत जरूरी है। एचडीएफसी लाइफ हमेशा ग्राहकों की जरूरतों के हिसाब से नए और उपयोगी बीमा उत्पाद लाने में अग्रणी रहा है।

दिल्ली में नई बीजेपी सरकार जल्द लॉन्च करेगी महिला समृद्धि योजना

-महिला समृद्धि योजना में किन महिलाओं को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई सरकार के गठन के बाद दिल्ली में महिला समृद्धि योजना की स्कीम जल्द लॉन्च हो सकती है। दिल्ली में बीजेपी सरकार इसके लिए तैयारियों में जुट गई है। इसको लेकर सीएम रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को लेकर बैठक की और योजना को लागू करने के लिए नियम एवं शर्तें तय करने को कहा। पीएम मोदी ने चुनाव के दौरान ऐलान किया था कि 8 मार्च को महिला दिवस पर दिल्ली की महिलाओं को इसकी पहली किस्त दी जाएगी। अब दिल्ली की सीएम रेखा ने इस बात को दोहराया है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने अपने संकल्प पत्र में वादा किया था कि इस योजना के तहत के गरीब महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए की आर्थिक मदद दी जाएगी। योजना को लेकर अभी नियम और शर्तें तय होना बाकी है। इससे पता चलेगा कि इस योजना का लाभ किसे मिलेगा और किसे नहीं।

फिलहाल यह साफ हो गया है कि जिन परिवारों की आर्थिक स्थिति अच्छी है। उन्हें इसमें शामिल नहीं किया जाएगा। यह योजना जरूरतमंद महिलाओं के लिए है। यदि आप दिल्ली की मतदाता हैं और परिवार की आर्थिक हालत ठीक नहीं है तो योजना के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू होने से पहले कुछ जरूरी काम कर लें। इस योजना के तहत पैसे सीधे बैंक खाते में भेजे जाएंगे। इसलिए बैंक खाता आपके नाम होना जरूरी है।

यह भी तय किया गया है कि बैंक खाते के साथ आपका अपना पर्सनल मोबाइल नंबर जुड़ा हो। कई बार पुराना मोबाइल नंबर जुड़ा रहता है, यदि आपके साथ भी ऐसा है तो बैंक जाकर अपना नंबर अपडेट करा सकती हैं। अगर आपने बैंक खाते में लंबे समय से कोई लेनदेन नहीं किया है कि तो यह तय कर ले कि आपका अकाउंट चालू या नहीं। ब्रान्च में जाकर केवाईसी भी करा सकती हैं। अगर आपके आधार के साथ मोबाइल नंबर लिंक नहीं है या फिर अपडेट नहीं है तो ऐसा जरूर कर लें।

दिल्ली सरकार की यह योजना गरीब महिलाओं के लिए है। अभी यह साफ नहीं किया गया है कि इसके लिए आय की सीमा क्या होगी।

मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों की बीजेपी सरकारों ने यह सीमा 2.5 लाख रुपए सालाना रखी है। दिल्ली में अभी इसका ऐलान नहीं हुआ है। ऐसे में आपके परिवार की आमदनी कम है तो आय प्रमाणपत्र बनवाकर रख लें।

अब भारत और बांग्लादेश के बीच शुरु हुई नौंक झौंक, ये रही मूल वजह

नई दिल्ली/ढाका (एजेंसी)। अब भारत और बांग्लादेश के बीच तीखी नौंक झौंक भी शुरु हो गई है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान पर बांग्लादेश ने भी जवाब दिया है। बांग्लादेश ने कहा है कि हमारे मुल्क के अल्पसंख्यकों की चिंता भारत को नहीं होनी चाहिए। साथ ही बांग्लादेश ने भी भारत को संबंधों पर अपना रुख साफ करने के लिए कहा है। जयशंकर ने कहा था कि बांग्लादेश को साफ करना चाहिए कि वह भारत के साथ कैसा रिश्ता रखना चाहता है। अंतरिम सरकार में विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने कहा, जयशंकर ने एक बार फिर अल्पसंख्यकों के बारे में बात की है। हालांकि, अल्पसंख्यकों का मुद्दा मुख्य रूप से भारतीय मीडिया की तरफ से तोड़ मरोड़ की गई जानकारी से उठा है। सबसे जरूरी बात यह कि बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों का मुद्दा भारत की चिंता का विषय नहीं होना चाहिए। बांग्लादेश के अल्पसंख्यक बांग्लादेश का मुद्दा है। वैसे ही जैसे भारत अपने अल्पसंख्यकों के साथ कैसा बर्ताव करता है, यह भारत की चिंता है। तौहीद ने बयानों को लेकर कहा, जब यहां कि लोगऐसे टिप्पणियां कर रहे हैं, तो वहां भी लोग हैं जो ऐसा काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, उनके एक मुख्यमंत्री ने तो यह तक सलाह दे दी थी कि अगर संभव हो तो संयुक्त राष्ट्र की पीस कीपिंग फोर्स को बांग्लादेश भेजा जाना चाहिए। उनके एक केंद्रीय मंत्री लगातार बांग्लादेश विरोधी बयान देते रहते हैं। यह ठीक है। हमारा मानना है कि ऐसी चीजें चलती रहेंगी, लेकिन फिर भी हम अच्छे रिश्ते चाहते हैं। उन्होंने कहा, इस बात पर फोकस करना कि यहां और वहां कुछ लोग क्या कह रहे हैं, इससे बेहतर है कि हम हमारा रिश्ता मजबूत करने की ओर काम करें।

महाकुंभ में कुछ लोगों ने नैतिकता, सत्यनिष्ठा और मानवीय संवेदनाओं को खो दिया

-सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बिना नाम लिए सीएम योगी पर साधा निशाना

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सीएम योगी आदित्यनाथ का नाम लिए बगैर कहा कि अशोभनीय कथन बताते हैं कि नकारात्मकता चरम पर हो तो देश, काल, स्थान की गरिमा का खयाल न करते हुए मानसिकता शब्दों के रूप में प्रकट होती है। अखिलेश ने सोमवार रात अपने आधिकारिक एक?स पर पोस्ट में कहा...लेकिन महाकुंभ में जिन्होंने अपनों को तलाशा, उन्हें हमेशा के लिए खो गए अपने परिजन का नाम न तो मृतकों की सूची में मिला और न ही खोया-पाया के रजिस्टर में।

पोस्ट में उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने महाकुंभ में राजनीतिक अवसरवाद को तलाशा और उनको आत्म प्रचार का माध्यम मिला, लेकिन उन्होंने अपनी नैतिकता, सत्यनिष्ठ और मानवीय संवेदनाओं को खो दिया और वाणी पर संतुलन को भी। सपा प्रमुख ने कहा कि 'महाकुंभ' जैसे पावन पर्व के संबंध में बोलते समय शब्दों का चयन, इस अवसर के मान और प्रतिष्ठा के अनुकूल होना चाहिए।

अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा कि महाकुंभ में कई बार जाकर भी जिनका वैचारिक उद्धार नहीं हुआ, उनके पाप और पतन की सीमा भला कौन नाप सकता है। ऐसे कथनों से जिन सुधीजनों को ठेस पहुंची है, उनसे निवेदन है कि ऐसे लोगों के प्रति सहानुभूति की भावना रखें न कि आक्रोश की।ज्सन्मति दे भगवान! सोमवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के बजट सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन?यवाद प्रस?ताव पर बोलते हुए समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि कुंभ में जिसने जो तलाशा, उसे वही मिला। गिद्धों को केवल लाश मिली, सुअरों को गंदगी मिली, संवेदनशील लोगों को रिश्तों की खूबसूरत तस्वीर मिली, आस्था वालों को पुण्य मिला, गरीबों को रोजगार मिला, अमीरों को धंधा मिला, श्रद्धालुओं को साफ-सुथरी व्यवस्था मिली, भक्तों को भगवान मिले। मतलब सबने अपने-अपने स्वभाव और चरित्र के अनुसार चीजों को देखा है। सीएम ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा था कि जिन लोगों ने अपने समय में इस पूरे आयोजन को अव्यवस्था और भ्रष्टाचार का शिकार बनाया था, आज वह महाकुंभ पर इस प्रकार की टिप्पणी करके भारत की भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

पश्चिम बंगाल और ओडिशा में सुबह-सुबह 5.1 की तीव्रता वाला आया भूकंप, डोलने लगी धरती

कोलकाता (एजेंसी)। भारत में आए दिन भूकंप के झटके महसूस किए जा रहे हैं। अभी दिल्ली में तेज आवाज के साथ आए भूकंप की दहशत कम भी नहीं हुई थी कि मंगलवार सुबह 6ः10 बजे कोलकाता में 5.1 की तीव्रता वाले भूकंप ने झटके दे दिए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, इसका केंद्र बंगाल की खाड़ी में था। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में भी लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए। एनसीएस ने बताया कि भूकंप आज सुबह 6ः10 बजे 91 किलोमीटर की गहराई पर आया। अभी तक किसी तरह के जान और माल के नुकसान की जानकारी नहीं मिली है। वहीं मंगलवार सुबह ओडिशा के कई शहरों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिससे लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र बंगाल की खाड़ी में स्थित था और इसका असर पुरी, बरहामपुर, बालासोर और भुवनेश्वर समेत कई इलाकों में देखा गया। नेशनल सेंटर फॉर सिसमोलॉजी के अनुसार, भूकंप पुरी से लगभग 286 किमी और बरहामपुर से 394 किमी दूर था। हालांकि, इसकी गहराई

अधिक होने के कारण बड़े नुकसान की कोई खबर नहीं आई है।

इससे पहले, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 17 फरवरी की सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। भूकंप का केंद्र धौला कुआं के झील पार्क क्षेत्र में 5 किलोमीटर की गहराई में था और वहां कुछ लोगों को भूकंप के बाद तेज आवाजें सुनीं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के निदेशक ओपी मिश्रा ने कहा कि धौला कुआं क्षेत्र में 2007 में 4.6 तीव्रता का भूकंप आया था। हालांकि, इसका प्रभाव उतना तीव्र नहीं था क्योंकि केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में था। दिल्ली को भूकंपीय क्षेत्र-4 में रखा गया है, जो देश में दूसरा सबसे खतरे वाला क्षेत्र है। उत्तर भारत में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में सबसे अधिक भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। भूकंप संभावित दूरस्थ और निकटस्थ स्थानों में भूकंप आने पर भी दिल्ली में झटके महसूस किए जाते हैं।

रविवार को हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। अधिकारियों ने बताया कि जिले के कई हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए, हालांकि जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, भूकंप सुबह 8 बजकर 42 मिनट पर आया और इसकी तीव्रता 3.7 थी। इसका केंद्र मंडी क्षेत्र में 31.48 डिग्री अक्षांश और 76.95 डिग्री देशांतर पर था। सुंदरनगर क्षेत्र में किआगी के पास भूकंप 7 किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित था। मंडी जिला भूकंपीय क्षेत्र 5 में आता है, जो कि उच्च जोखिम वाला क्षेत्र है।

2024 में 54 देशों ने 296 बार इंटरनेट किया बंद, भारत में 84 बार हुआ

-पाकिस्तान में 21, रूस में 13, यूक्रेन में 7 और बांग्लादेश में 5 बार शटडाउन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहली बार ऐसा हुआ है कि दुनिया में इंटरनेट बंद करने के मामले में भारत पहले नंबर पर नहीं है। हालांकि अभी दूसरा नंबर है। भारत में इंटरनेट शटडाउन में कमी आई है। मणिपुर हिंसा और पिछले साल हरियाणा के नूंह में साम्प्रदायिक हिंसा को हटा दें तो भारत में बहुत ही कम इंटरनेट बंद किया गया है। चिंता की बात यह है कि भारत अभी भी अपने पड़ोसी देशों से इस मामले में काफी पीछे है। 2018 के बाद पहली बार 2024 में भारत एक साल में इंटरनेट शटडाउन के मामले में दुनिया में आगे नहीं रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल म्यांमार में सबसे ज्यादा 85 शटडाउन के आदेश दिए गए। भारत में पिछले साल 84 ऐसे आदेश लागू हुए थे।

बता दें दुनिया में इंटरनेट शटडाउन की कुल संख्या 2023 में 39 देशों द्वारा 283 शटडाउन से बढ़कर 2024 में 54 देशों द्वारा 296 शटडाउन हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि म्यांमार के ठीक पीछे भारत है। यहां 84 बार शटडाउन हुआ। भारत में संप्रदायिक संघर्ष, विरोध और अस्थिरता, सांप्रदायिक हिंसा, परीक्षाओं और चुनावों में नकल रोकने के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद की गईं। 41 इंटरनेट शटडाउन विरोध प्रदर्शनों से संबंधित थे। 23 सांप्रदायिक हिंसा से संबंधित थे। 2024 में 16 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश इंटरनेट शटडाउन से प्रभावित थे, जिनमें मणिपुर (21), जम्मू-कश्मीर (12) और हरियाणा (12) सबसे आगे थे। रिपोर्ट में बताया है कि मणिपुर में जातीय तनाव एक प्रमुख कारण था।

भारत के बाद पाकिस्तान में 21 बार इंटरनेट बंद हुआ। रूस में 13 बार, यूक्रेन में 7 बार, फिलिस्तीन में 6 बार और बांग्लादेश में 5 बार। पाकिस्तान ने 8 फरवरी को चुनाव के दिन, देशभर में एक्स सिग्नल और ब्लूस्काई को ब्लॉक किया गया था और मोबाइल बंद कर दिया था। 8 देशों ने सीमा पार शटडाउन लगाया, जिससे 13 देश प्रभावित हुए। यूक्रेन में रूस द्वारा शटडाउन के 7 मामले दर्ज किए थे। ये यूक्रेन के इंटरनेट सेवा प्रदाताओं पर साइबर हमले और यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर कम से कम छह बार मिसाइल हमलों के कारण इंटरनेट बाधित हुआ था।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**